RNI No. DLHIN/25/A2321

DD

दिव्य दिल्ली

दिल्ली से प्रकाशित दैनिक समाचार पत्र

वर्ष: 01, अंक: 29, पृष्ठ: 08

infodivyadelhi@gmail.com

गुरूवार, 09 अक्टूबर, 2025 तदनुसार 19 भाद्रपद विक्रमी सम्वत 2082 | www.divyadelhi.com | facebook.com/divyadelhi

तापमान अधिकतम 30 डिग्री न्यूनतम 25 डिग्री

सूयोदय 05.25 | सूर्यास्त 06.50

मुंबई हमले का जवाब देना चाहती थी सेना: पीएम मोदी

मोदी बोले-: कांग्रेस ने विदेशी दबाव में रोक दिया, आतंकियों के सामने घुटने टेके

राजेश चौहान

मुंबई

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को कहा कि 2008 में 26/11 मुंबई आतंकी हमले के दौरान कांग्रेस सरकार ने कार्रवाई न कर कमजोरी का संदेश दिया था और आतंकियों के सामने घुटने टेके थे। उन्होंने कहा कि हमारी सेनाएं पाकिस्तान पर हमला करने के लिए तैयार थी, लेकिन सरकार ने विदेशी दबाव में ऐसा नहीं करने दिया। उन्होंने यह बात नवी मुंबई इंटरनेशनल एयरपोर्ट के पहले फेज का उद्घाटन के दौरान कही। पीएम ने मनमोहन सरकार में गृह मंत्री रहे पी चिदंबरम का नाम लिए बिना उनके बयान का जिक्र किया। 30 सितंबर को चिदंबरम ने कहा, "26/11 के मुंबई आतंकी हमले के बाद उनके मन में भी बदला लेने का विचार आया था, लेकिन उस वक्त की कांग्रेस सरकार ने सैन्य कार्रवाई नहीं करने का फैसला लिया।" पीएम ने 22 मिनट की स्पीच में ऑपरेशन सिंदूर, जीएसटी रिफॉर्म और विकसित भारत का जिक्र किया। पीएम बुधवार को दो दिन के दौरे पर मुंबई पहुंचे। गुरुवार को वे ब्रिटिश पीएम कीर स्टार्मर से मिलेंगे।

2008 में कांग्रेस ने कमजोरी का मैसेज दिया

साथियों मुंबई भारत की आर्थिक राजधानी के साथ सबसे वाइब्रेंट शहरों में से एक है। 2008 में आतंकियों ने भी मुंबई शहर को बड़े हमले के लिए चुना।

तब की कांग्रेस सरकार ने कमजोरी का मैसेज दिया। आतंकियों के सामने घुटने टेके। हाल ही में कांग्रेस के बड़े नेता और जो देश के गृह मंत्री तक रह चुके हैं।

महाराष्ट्र के किसान यूरोप से जुड़ जाएंगे: पीएम मोदी

पीएम ने कहा कि आज मुंबई को पूरी तरह से अंडरग्राउंड मेट्रो मिली। इससे सफर आसान होगा। ये विकसित होते भारत का प्रतीक है। मुंबई जैसे शहर में जमीन के नीचे सभी इमारतों को सुरक्षित रखते हुए शानदार मेट्रो बनाई गई है।नवी मुंबई एयरपोर्ट प्रोजेक्ट में विकसित भारत की झलक है। कमल के फूल जैसा आकार है। यानी संस्कृति का प्रतीक है। महाराष्ट्र के किसान यूरोप से जुड़ जाएंगे। जिससे उनकी उपज इंटरनेशनल मार्केट में पहुंचेगी। निवेश बढ़ेगा, नए उद्योग और कारखाने लगेंगे। जब सपने को सिद्ध करने का संकल्प और इच्छा शक्ति हो तो नतीजे भी मिलते हैं। भारत ने 1000 से ज्यादा नई उड़ानों का ऑर्डर दिया है।

कांग्रेस सरकार ने भारत की सेनाओं को पाकिस्तान पर हमला करने से रोका

पीएम ने कहा कि एक इंटरव्यू में दावा किया कि मुंबई हमले के बाद हमारी सेनाएं पाकिस्तान पर हमला करने के लिए तैयार थीं। पूरा देश भी यही चाहता था, लेकिन उस नेता की माने तो किसी दूसरे देश के दबाव के कारण कांग्रेस सरकार ने भारत की सेनाओं को पाकिस्तान पर हमला करने से रोका।

गरीबों का सशक्तीकरण आज देश की प्राथमिकता है

गरीब हो मिडिल क्लास हो इनका सशक्तीकरण आज देश की प्राथमिकता है। इन परिवारों को सुविधा-सम्मान देना उनका सामर्थ्य बढ़ाता है। जीएसटी रिफॉर्म से जो चीजे सस्ती हुईं उससे भी देश का सामर्थ्य बढ़ा है। मार्केट के आंकड़े बताते हैं, इस बार नवरात्रि में बिक्री के कई साल के रिकॉर्ड टूटे। मेरा आग्रह है कि गर्व से कहो हम स्वदेशी है, स्वदेशी को अपनाएं। हर घर-बाजार का यही मंत्र होना चाहिए।

आज मुंबई का लंबा इंतजार खत्म हुआ

यहां दूसरा इंटरनेशनल एयरपोर्ट बना। ये एयरपोर्ट इस क्षेत्र को एशिया के सबसे बड़े कनेक्टिविटी हब के रूप में स्थापित करने में बड़ी भूमिका निभाएगा।

मुंबई पहुंचे ब्रिटेन के पीएम किएर स्टार्मर

मुंबई

ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर ने एक्स पर एक तस्वीर पोस्ट कर कहा, "मैं मुंबई में ब्रिटिश व्यवसाय का झंडा फहरा रहा हूं, क्योंकि भारत में ब्रिटिश व्यवसायों के विकास का मतलब है कि घर पर लोगों के लिए अधिक नौकरियां।"

तीन दिवसीय ग्लोबल फिनटेक फेस्ट-2025 में 75 से अधिक देशों के एक लाख से अधिक प्रतिभागियों के हिस्सा लेने की उम्मीद है। आयोजन में लगभग 7500 कंपनियां, 800 वक्ता, 400 प्रदर्शक और भारतीय व विश्व स्तर के 70 प्रमुख नियामक संस्थान भाग लेंगे। इसमें सिंगापुर का मौद्रिक प्राधिकरण (मोनेटरी अथॉरिटी ऑफ सिंगापुर), जर्मनी का ड्यूश बुंडे बैंक जैसे प्रतिष्ठित नियामक शामिल है।

'कार्यवाहक पीएम' जैसा बर्ताव कर रहे शाह, मोदी सतर्क रहें: ममता बनर्जी

नई दिल्ली

पश्चिम बंगाल में सत्ताधारी दल-तृणमूल कांग्रेस और विपक्षी पार्टी भाजपा के बीच जमकर आरोप-प्रत्यारोप हो रहे हैं। खुद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बीते दिनों भाजपा सांसद पर हुए हमले को लेकर गंभीर टिप्पणी कर चुके हैं। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने इस पर करारा पलटवार भी किया था। अब ताजा घटनाक्रम में सीएम ममता बनर्जी ने पीएम मोदी और गृह मंत्री अमित शाह को लेकर टिप्पणी की है। उन्होंने आरोप लगाया कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की हरकतें और उनका व्यवहार 'कार्यवाहक प्रधानमंत्री' जैसा है।

ममता बनर्जी बोलीं- शाह एक दिन मीर जाफर...

बाढ़ से तबाह उत्तरी बंगाल से लौटने के बाद कोलकाता हवाई अड्डे के बाहर पत्रकारों से बात करते हुए ममता बनर्जी ने कहा, 'मैं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से आग्रह करना चाहती हूं कि वे शाह पर अधिक भरोसा न करें, जो 'एक दिन उनके लिए मीर जाफर' जैसे बन सकते हैं।' बता दें कि 18वीं सदी में तत्कालीन बंगाल के सेनापति जाफर ने पलासी के युद्ध में नवाब सिराजुद्दौला को धोखा दिया था और बाद में अंग्रेजों की मदद से राजा बने थे।

प्रधानमंत्री भी शाह के सभी कार्यों से वाकिफ हैं

केंद्र सरकार और देश की शीर्ष सांविधानिक संस्था- निर्वाचन आयोग पर गंभीर आरोप लगाते हुए मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कहा, मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को लागू करने के नाम पर चुनाव आयोग जो कुछ भी कर रहा है, वह शाह के इशारे पर हो रहा है।

फिनटेक कंपनियां ऐसे उत्पाद व सेवाएं डिजाइन करें जो इस्तेमाल में आसान हों: आरबीआई गवर्नर

मुंबई

फिनटेक कंपनियों से ऐसे उत्पाद डिजाइन करने चाहिए जो उपयोग में आसान हों और सभी के लिए सुलभ हों। इससे भारत को वित्तीय समावेशन हासिल करने और 2047 तक विकसित राष्ट्र बनने में मदद मिलेगी। रिजर्व बैंक के गवर्नर संजय मल्होत्रा ने बुधवार को यह बात कही। ग्लोबल फिनटेक फेस्ट 2025 को संबोधित करते हुए मल्होत्रा ने बढ़ते डिजिटल धोखाधड़ी के मुद्दे को भी उठाया और इस समस्या को रोकने के लिए प्रयास करने की जोरदार वकालत की। आरबीआई गवर्नर संजय मल्होत्रा ने कहा, "ऐसे उत्पाद और सेवाएं डिजाइन करें जो उपयोग में आसान हों, सभी के लिए सुलभ हों, सहायक प्रौद्योगिकियों के साथ हों, तथा यह सुनिश्चित करें कि वरिष्ठ नागरिक, सीमित डिजिटल साक्षरता वाले व्यक्ति और विशेष रूप से सक्षम व्यक्ति जैसे कमजोर समूह पीछे न छूट जाएं।"

भारत में एक जीवंत फिनटेक इकोसिस्टम मौजूद

मल्होत्रा ने बताया कि भारत में एक जीवंत फिनटेक इकोसिस्टम है और फिनटेक उद्योग ने बड़े पैमाने पर और सस्ती लागत पर वित्तीय सेवाएं प्रदान करना संभव बना दिया है। उन्होंने कहा कि देश में करीब 10,000 संस्थाएं हैं। उन्होंने यह भी कहा कि यूनिफाइड लेंडिंग इंटरफेस का उद्देश्य ऋणदाताओं के लिए वैकल्पिक ऋण मॉडल बनाने हेतु डेटा के उपयोग को सक्षम बनाना है।

पटाखा उत्पादन इकाई में आग लगने से बड़ा हादसा; छह की मौत

कोनासीमा

आंध्र प्रदेश के बीआर आंबेडकर कोनासीमा जिले में बुधवार को एक पटाखा उत्पादन इकाई में आग लगने से बड़ा हादसा हुआ। इस घटना में छह लोगों की मौत हुई और दो लोग घायल हुए। पुलिस ने इस घटना के पीछे मानवीय चूक को वजन माना है। जिले के एसपी राहुल मीणा ने कहा कि पटाखा इकाई लाइसेंसी थी। फिलहाल छह लोगों के शव मिले हैं। वहीं, घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। हादसे पर दुख जताते हुए पीएम मोदी ने कहा, आंध्र प्रदेश के कोनासीमा जिले में हुई दुर्घटना में हुई जान-माल की हानि अत्यंत दुखद है।

करूर भगदड़ पीड़ितों से मिलेंगे विजय, पुलिस से मांगी अनुमति, अभिनेता की सुरक्षा की मांग

नई दिल्ली

तमिलगा वेत्री कझगम (टीवीके) ने बुधवार (08 अक्तूबर) को राज्य पुलिस से पार्टी अध्यक्ष विजय को करूर जाकर 27 सितंबर को अपनी रैली के दौरान भगदड़ में मारे गए 41 लोगों के परिवारों से मिलने की अनुमति मांगी है। पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) जी. वेंकटरमन को आवेदन सौंपने के बाद पत्रकारों से बात करते हुए पार्टी के प्रवक्ता ने बताया कि उन्होंने टीवीके प्रमुख विजय के लिए सुरक्षा की भी मांग की है। अभिनेता व टीवीके नेता विजय की ओर से डीजीपी ऑफिस में एक आवेदन दिया गया है, जिसमें करूर भगदड़ के पीड़ित परिवारों से व्यक्तिगत रूप से मिलने की इच्छा जाहिर करते हुए अनुमति की मांग गई है।

याद रहे कि करूर में हुई भगदड़ ने राज्य सहित पूरे देश में हलचल मचा दी थी। इतना ही नहीं डीएमके के मंत्री सहित खुद मुख्यमंत्री स्टालिन उसी दिन पीड़ितों से मिलने और शोक संवेदना व्यक्त करने के लिए करूर पहुंचे थे। इसी के साथ अन्य दलों के नेताओं ने भी घायल और पीड़ित परिवार से मुलाकात की थी। हालांकि, घटना के वक्त उसी रात विजय चेन्नई लौट आए और कुछ दिनों बाद उन्होंने इस घटना के बारे में एक वीडियो जारी किया था। दरअसल, करूर में रैली करने वाले अभिनेता से राजनेता बने विजय को भगदड़ से प्रभावित परिवारों से व्यक्तिगत रूप से ना मिलने के लिए कुछ वर्गों की आलोचना का सामना करना पड़ रहा है।

बता दें कि भगदड़ के 10 दिन बाद यानी 6 अक्टूबर को विजय ने व्हाट्सएप वीडियो कॉल के जरिए पीड़ित परिवारों से संपर्क किया और उन्हें पूरी तरह से मदद का आश्वासन दिया था।

गृहमंत्री अमित शाह से मिले सीएम मोहन यादव

मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव ने गृहमंत्री अमित शाह से भेट कर प्रदेश के विकास से संबंधित विषयों पर चर्चा की

नई दिल्ली

मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव ने बुधवार को केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह से राजधानी में मुलाकात की। गृह मंत्री के आवास पर हुई दोनों नेताओं की यह बैठक करीब एक घंटे चली। इससे पहले सीएम 24 सितंबर को दिल्ली पहुंचे थे। इस दौरान उन्होंने भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा और केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान से मुलाकात की थी। गृहमंत्री अमित शाह से मुलाकात के बाद सीएम ने सोशल मीडिया वेबसाइट एक्स पर लिखा, गृहमंत्री अमित शाह से भेट कर प्रदेश के विकास से संबंधित विषयों पर चर्चा की और मार्गदर्शन प्राप्त किया। मध्यप्रदेश के सीएम मंगलवार देर रात दिल्ली पहुंचे। वे सीधे अपने अशोक रोड़ स्थित सरकारी निवास पहुंचे। बुधवार सुबह वे केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह से मिलने पहुंचे। दोनों नेताओं की मुलाकात करीब एक घंटे चली। इसके बाद वे भोपाल के लिए रवाना हो गए। सूत्रों का कहना है कि, डॉ.यादव ने मध्यप्रदेश में कफ सिरप मामले में की जा रही कार्रवाई के बारे में गृहमंत्री को जानकारी दी। शाह ने सीएम को इस मामले में सख्त कार्रवाई करने के निर्देश दिए है। दोनों नेताओं के बीच ओबीसी वर्ग के आरक्षण मामले पर भी चर्चा हुई। इसके अलावा प्रदेश की वर्तमान राजनीतिक स्थिति, आगामी विकास परियोजनाएं और केंद्र की योजनाओं को राज्य में प्रभावी ढंग से लागू करने जैसे विषय पर चर्चा हुई। सूत्रों का कहना कि, मध्य प्रदेश में बोर्ड और निगम अध्यक्षों के पद खाली हैं। इन जगहों पर सियासी नियुक्ति होनी हैं। कई बड़े नेता इसके इंतजार में बैठे हैं। इन्हीं नियुक्तियों को लेकर भी कई दिनों से कवायद चल रही हैं। सीएम मोहन यादव और संगठन की कोशिश है कि सभी खेमे के लोगों को साधा जाए। हाईकमान की मंजूरी के बाद ही फाइनल सूची जारी की जाएगी।

रसायन के लिए नोबेल पुरस्कार का एलान जापान-

जापान-ऑस्ट्रेलिया और यूएस के वैज्ञानिकों को मिला सम्मान

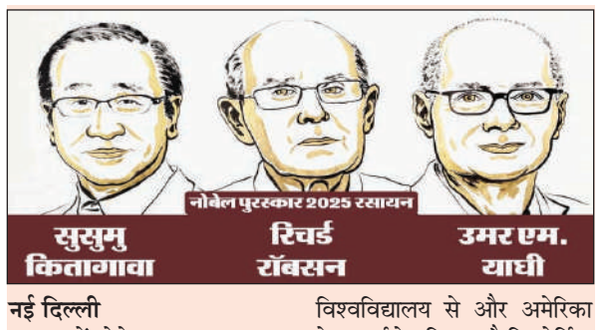

नई दिल्ली

रसायन में नोबेल पुरस्कार 2025 की घोषणा हो चुकी है। स्वीडन की रॉयल स्वीडिश एकेडमी ऑफ साइंसेज ने बुधवार (08 अक्तूबर) को इसका ऐलान किया। इस साल ये सम्मान तीन वैज्ञानिक सुसुमु कितागावा (जापान), रिचर्ड रॉबसन (ऑस्ट्रेलिया) और उमर एम. याघी (अमेरिका) को मिला है। रॉयल स्वीडिश एकेडमी ऑफ साइंसेज ने सुसुमु कितागावा, रिचर्ड रॉबसन और उमर एम. याघी को "धातु-कार्बनिक ढांचे के विकास के लिए" रसायन विज्ञान में 2025 का नोबेल पुरस्कार देने का निर्णय लिया है। सुसुमु कितागावा जापान के क्योटो विश्वविद्यालय से हैं, रिचर्ड रॉबसन ऑस्ट्रेलिया के मेलबर्न विश्वविद्यालय से और अमेरिका के बर्कले स्थित कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय से उमर एम. याघी हैं। तीनों वैज्ञानिकों को संयुक्त रूप से धातु-कार्बनिक ढांचे (टडञ्ह) बनाने में उनके अग्रणी कार्य के लिए सम्मान दिया गया है। मालूम हो कि विजेताओं को 11 मिलियन स्वीडिश क्रोना (भारतीय रुपयों में 10.3 करोड़), सोने का मेडल और सर्टिफिकेट दिया जाएगा। रसायन में यह प्रतिष्ठित पुरस्कार इन वैज्ञानिकों को मेटल-ऑर्गेनिक फ्रेमवर्क में अपने योगदान के लिए दिया गया है। जो कि कार्बन और मेटल दोनों से मिलकर बने होते हैं, इनका उपयोग केमिकल प्रोसेस में सहयोग, गैस को जोड़े रखने और कार्बन डाइऑक्साइड को हवा में से हटाने के लिए किया जाता है।

सीएम भूपेंद्र पटेल ने 57502 युवाओं को बांटे नियुक्ति पत्र

अहमदाबाद

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में जन विश्वास, सेवा और समर्पण के 24 वर्ष पूरे होने के अवसर पर मनाए जा रहे "विकास सप्ताह" के दूसरे दिन राज्य में युवा, रोजगार और कौशल सशक्तिकरण समारोह का आयोजन किया गया। मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल की उपस्थिति में आयोजित इस कार्यक्रम में पूरे राज्य के 33 जिलों के आईटीआई संस्थानों को सीधा प्रसारण जोड़ा गया। इस मौके पर 658 भर्ती मेलों के माध्यम से निजी क्षेत्र में रोजगार पाने वाले 57,502 युवाओं को प्रतीकात्मक रूप से नियुक्ति पत्र वितरित किए गए। साथ ही 25 हजार से अधिक युवाओं को प्रोविजनल ऑफर लेटर भी दिए गए। मुख्यमंत्री पटेल ने कहा कि भारत की विशाल युवा शक्ति देश की सबसे बड़ी पूंजी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस पूंजी को दीर्घकालिक समृद्धि के लिए राष्ट्र की ताकत में बदलने का संकल्प लिया है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने युवाओं के स्किल, विल और जोल के बल पर कौशल विकास की नई राह दिखाई है और गुजरात के युवाओं को "जॉब सीकर" से "जॉब गिवर" बनाया है। उन्होंने बताया कि राज्य में आने वाले उद्योगों को उपयुक्त मानवबल उपलब्ध कराने के लिए इंडस्ट्री और आईटीआई के बीच सहयोग मॉडल को और मजबूत किया गया है। इसी दिशा में गुजरात सरकार ने कौशल्य द स्किल यूनिवर्सिटी की स्थापना की है, जहां 12 हजार से अधिक युवाओं ने ग्रीन एनर्जी, सेमीकंडक्टर, एआई, हेल्थकेयर और एग्रो सर्विसेज जैसे क्षेत्रों में सफलता हासिल की है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री के मार्गदर्शन में गुजरात आज लगातार चार वर्षों से देश की स्टार्टअप रैंकिंग में शीर्ष पर है। राज्य में 12,500 से अधिक स्टार्टअप आत्मनिर्भर बने हैं। उन्होंने यह भी बताया कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में अब तक 1.5 करोड़ से अधिक युवाओं को विभिन्न तकनीकी और कौशल प्रशिक्षण से जोड़ा गया है। कार्यक्रम के दौरान उद्योगों के अनुरूप मानव संसाधन तैयार करने के लिए 100 से अधिक उद्योग साझेदारों के साथ एमओयू पर हस्ताक्षर किए गए। श्रम, कौशल एवं रोजगार मंत्री बलवंतसिंह राजपूत ने कहा कि विकास सप्ताह के दौरान राज्य के 57 हजार से अधिक युवाओं को रोजगार पत्र वितरित किए गए हैं, जो गर्व की बात है। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री पटेल के नेतृत्व में गुजरात ने ऐसी व्यवस्था बनाई है जिससे युवाओं को पढ़ाई के दौरान ही रोजगार उपलब्ध कराया जा सके। प्रयास जारी हैं।

तेलंगाना में दो सिरप का उपयोग बंद करने का नोटिस, औषधि नियंत्रण निकाय की चेतावनी

हैदराबाद

तेलंगाना सरकार के ड्रग्स कंट्रोल विभाग ने खांसी के लिए इस्तेमाल की जाने वाली दो सिरप के लिए 'स्टॉप यूज' नोटिस जारी किया है। तेलंगाना ड्रग्स कंट्रोल एडमिनिस्ट्रेशन (उऊअ) ने बुधवार को इस संबंध में सार्वजनिक चेतावनी जारी करते हुए कहा, इन दवाओं में जहरीले रसायन 'डायथिलीन ग्लाइकोल मिलावट की आशंका जताई गई है। इस कारण इसका इस्तेमाल घातक है।

मानव शरीर के लिए गंभीर रूप से हानिकारक

औषधि नियंत्रण निकाय ने तेलंगाना में इस्तेमाल हो रही इस दवा को लेकर कहा, सार्वजनिक चेतावनी मध्य प्रदेश सरकार के भोपाल स्थित ड्रग टेस्टिंग लेबोरेटरी से प्राप्त अलर्ट के आधार पर जारी की गई है। प्रयोगशाला की रिपोर्ट के अनुसार, दोनों सिरपों में ऊऋ पाया गया है, जो अत्यधिक विषैला पदार्थ है और मानव शरीर के लिए गंभीर रूप से हानिकारक है।

जनता से सहयोग भी मांगा

तेलंगाना डीसीए ने जनता से अपील की है कि वे इन दोनों सिरपों का तुरंत उपयोग बंद करें।

नोटिस में कहा गया है कि अगर किसी के पास ये उत्पाद पहले से मौजूद हैं तो नजदीकी ड्रग्स कंट्रोल प्राधिकरण को तुरंत सूचित करें। रिपोर्ट के मुताबिक दोनों दवाएं गुजरात की फार्मा कंपनियों में बनी हैं। इससे पहले बीते 4 अक्तूबर को तेलंगाना प्रशासन ने कोल्ड्रिफ कफ सिरप को लेकर भी इसी तरह का 'स्टॉप यूज' नोटिस जारी किया था। यह कदम मध्य प्रदेश और राजस्थान में बच्चों की कथित मौतों के बाद उठाया गया था। कथित रूप से इस सिरप के सेवन के बाद अब तक करीब 20 बच्चों की मौत हो चुकी है।

भारी बारिश का परिणाम थी आपदा, जीएसआई ने उच्च जोखिम के भूस्खलन की पहले ही दी थी चेतावनी

कोलकाता

भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण (जीएसआई) ने बुधवार को दावा किया कि उसने चार अक्तूबर को दार्जिलिंग के लिए उच्च जोखिम के भूस्खलन का पूवार्नुमान जारी किया था। क्षेत्र में भारी बारिश के कारण कई इलाकों में भूस्खलन की घटनाएं हुईं। जीएसआई ने कहा कि यह आपदा भारी बारिश का परिणाम थी, जिसने हिमालयी भूभाग की प्राकृतिक स्थिरता को काफी कमजोर कर दिया था। कुछ घंटे पहले चार अक्तूबर को दोपहर सवा दो बजे ऑरेंज स्तर की चेतावनी जारी की गई थी। जीएसएआई के उप महानिदेशक सैबल घोष ने बताया, हमने चार अक्तूबर की दोपहर दार्जिलिंग जिले के पुलबाजार, जोरेबंगलो, और रंगली रंगलियोट ब्लॉकों में भूस्खलन का पूवार्नुमान जारी किया था।

महान संतों के नाम पर जाने जाएंगे श्रीराममंदिर के चारो द्वार : योगी

शंकराचार्य, रामानंदाचार्य, माधवाचार्य और रामानुजाचार्य के नाम पर होंगे श्रीराममंदिर के चारों महत्वपूर्ण द्वार

अयोध्या

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को अयोध्या के पवित्र बृहस्पति कुंड पर दक्षिण भारत के तीन महान संगीत संतों श्री त्यागराज स्वामीगल, श्री पुरंदरदास और श्री अरुणाचल कवि की भव्य प्रतिमाओं का अनावरण किया। इस अवसर पर उनके साथ केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण भी उपस्थित रहीं। कार्यक्रम में संतों की भक्ति परंपरा और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के ह्यएक भारत श्रेष्ठ भारतह्ल अभियान का सशक्त संदेश गूंजता रहा।

चार प्रमुख द्वार अब भारत के चार महान संतों के नाम पर

मुख्यमंत्री ने यह भी घोषणा की कि राममंदिर के चार प्रमुख द्वार अब भारत के चार महान संतों के नाम पर समर्पित होंगे, दक्षिण दिशा का द्वार जगद्गुरु शंकराचार्य जी, दक्षिण-पूर्व द्वार (गेट नंबर तीन) जगद्गुरु माधवाचार्य जी, उत्तर दिशा का द्वार जगद्गुरु रामानुजाचार्य जी और सुग्रीव किला मार्ग से प्रवेश द्वार जगद्गुरु रामानंदाचार्य जी के नाम पर जाना जाएगा।

भारत की सांस्कृतिक एकता का प्रतीक हैं तीनों संत

मुख्यमंत्री ने अपने संबोधन में कहा कि यह अवसर न केवल उत्तर और दक्षिण भारत की सांस्कृतिक एकता का प्रतीक है, बल्कि प्रधानमंत्री मोदी के मार्गदर्शन में राष्ट्रीय एकता और समरसता की दिशा में उठाया गया ऐतिहासिक कदम भी है। उन्होंने कहा कि इन तीन पूज्य संतों ने 15वीं से 18वीं सदी के बीच श्रीराम भक्ति में अपना सम्पूर्ण जीवन समर्पित किया और आज उनकी प्रतिमाएं उनके आराध्य श्रीरामचरणों में स्थापित होना पूरे भारत के लिए गौरव की बात है।

सीएम योगी आदित्यनाथ ने बताया कि यह स्थल देवगुरु बृहस्पति जी का पवित्र कुंड है और यहां आने वाले कोटि-कोटि श्रद्धालु अब हर वर्ष इन संतों के दर्शन कर सकेंगे।

नेक्स्ट जनरेशन जीएसटी रिफॉर्म ने नागरिकों को दी राहत

कार्यक्रम में केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण की भी सराहना करते हुए योगी ने कहा कि उन्होंने शारदीय नवरात्रि की प्रथम तिथि से देशभर में ह्लनेक्स्ट जनरेशन जीएसटी रिफॉर्महृ लागू कर 140 करोड़ नागरिकों को राहत दी है, जिससे बाजार में नया उत्साह और मजबूती आई है। इस अवसर पर प्रदेश के कैबिनेट मंत्री सुरेश खन्ना, सूर्य प्रताप शाही, जयवीर सिंह, रामजन्मभूमि मंदिर निर्माण समिति के अध्यक्ष नृपेन्द्र मिश्र, श्रीरामजन्म भूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय, जिला पंचायत अध्यक्ष रोली सिंह, महापौर गिरीश पति त्रिपाठी, विधायकगण वेद प्रकाश गुप्ता, डॉ अमित सिंह चौहान, चंद्र भानु पासवान मौजूद रहे।

श्री पुरंदरदास महास्वामी हरिदास सम्प्रदाय के प्रमुख संत

त्यागराज महास्वामी को कर्नाटक संगीत की त्रिमूर्ति के रूप में जाना जाता है, जिन्होंने तेलुगु भाषा में हजारों भक्ति गीतों के माध्यम से भगवान श्रीराम की आराधना को जन-जन तक पहुंचाया। मुख्यमंत्री ने आगे कहा कि श्री पुरंदरदास महास्वामी को 1434 से 1564 तक कर्नाटक संगीत का जनक कहा जाता है। उन्होंने व्यापारी जीवन त्यागकर हरिदास सम्प्रदाय के प्रमुख संत के रूप में कन्नड़ भाषा में लगभग साढ़े चार लाख से अधिक भक्ति गीतों की रचना की। वहीं, श्री अरुणाचल कवि महास्वामी ने ह्यरामनाटकम्ह्ल जैसे तमिल काव्य के माध्यम से श्रीराम के आदर्शों का प्रसार किया।

दक्षिण के रामभक्त भी कहते थे, 'राम लला हम आएंगे...'

सीएम योगी ने कहा कि अयोध्या में पहले ही जगद्गुरु रामानुजाचार्य की प्रतिमा और लता मंगेशकर चौक की स्थापना की जा चुकी है। अब यह कार्यक्रम उत्तर और दक्षिण भारत को जोड़ने वाली नई कड़ी बन गया है।

उन्होंने स्मरण कराया कि रामजन्मभूमि आंदोलन के समय दक्षिण भारत से भी बड़ी संख्या में श्रद्धालु अयोध्या पहुंचे थे और नारा लगाते थे राम लला हम आएंगे, मंदिर वहीं बनाएंगे।

काशी तमिल संगमम एक सांस्कृतिक पुल

सीएम योगी ने अपने भाषण में कहा कि काशी और तमिलनाडु के बीच सांस्कृतिक पुल का निर्माण प्रधानमंत्री मोदी ने ह्लकाशी तमिल संगममह्ल के माध्यम से किया। संस्कृत और तमिल दोनों भाषाओं की समृद्ध धरोहर को जोड़ना भारत की आत्मा को एक सूत्र में पिरोने जैसा कार्य है।

राम केवल उत्तर भारत में नहीं, दक्षिण के हर घर में विराजते हैं : निर्मला

अयोध्या

अयोध्या के पवित्र बृहस्पति कुंड पर बुधवार को आयोजित ऐतिहासिक समारोह में केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के साथ दक्षिण भारत के तीन महान संगीत संतों श्री त्यागराज स्वामीगल, श्री पुरंदरदास और श्री अरुणाचल कवि की भव्य प्रतिमाओं का अनावरण किया। इस अवसर पर निर्मला सीतारमण का उद्बोधन भावनाओं और भक्ति से ओतप्रोत रहा। उन्होंने कहा कि दक्षिण भारत में श्रीराम भक्ति केवल आस्था नहीं, बल्कि जीवन का अभिन्न हिस्सा है।

पहले दक्षिण भारत में भाषाई भेदभाव नहीं था

निर्मला सीतारमण ने अपने संबोधन में कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने दक्षिण भारत के संतों के बारे में जिस विस्तार से बताया, वह अद्भुत है। उन्होंने कहा कि पहले दक्षिण भारत में भाषाई भेदभाव नहीं था, तमिल, तेलुगु, कन्नड़ और संस्कृत, सभी भाषाओं में कर्नाटक संगीत गाया जाता था, जो एकता का प्रतीक है। वित्त मंत्री ने कहा कि त्यागराज स्वामी ने जीवनभर गरीबी में रहते हुए भी श्रीराम भक्ति को सर्वोच्च स्थान दिया। उन्होंने राजा के श्रेय में गीत गाने से इनकार कर केवल श्रीराम के लिए गीत गाये। उनकी भक्ति ऐसी थी कि हर गीत में श्रीराम की ऊर्जा प्रवाहित होती थी। लोग कहते हैं कि शायद हनुमान जी ने ही त्यागराज के रूप में जन्म लिया था। उन्होंने बताया कि त्यागराज स्वामी का गीत 'सीता कल्याण' दक्षिण भारत में हर विवाह समारोह में गाये जाते हैं। उन्होंने कहा कि मेरी बेटी की शादी में भी वही गीत गाये गये थे।

देश में बाघों की संख्या में 30 फीसदी का इजाफा : भूपेन्द्र यादव

नई दिल्ली

केंद्रीय वन एवं पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव ने बाघों के संरक्षण में भारत की सफलता का उल्लेख करते हुए कहा कि पिछले दशक में बाघों की संख्या में 30 प्रतिशत की वृद्धि हुई है और देश में 84,000 वर्ग किलोमीटर में फैले 58 बाघ अभयारण्य हो चुके हैं। भूपेंद्र यादव बुधवार को यहां पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय द्वारा इंटरनेशनल बिग कैट अलायंस, आट्र्स मास्त्रो और उत्तर प्रदेश ईको-टूरिज्म डेवलपमेंट बोर्ड के सहयोग से 2025 ग्लोबल बिग कैट फोटोग्राफी प्रतियोगिता के विजेताओं के पुरस्कार वितरण समारोह को संबोधित कर रहे थे।यादव ने कहा कि भारत की स्वतंत्रता के 100वें वर्ष तक बाघों की हर संभावित भूमि को सुरक्षित करने के लिए काम कर रहे हैं। एशियाई शेरों की संख्या 32 फीसदी की बढ़ोतरी के साथ 891 हो गई है। हिमाचल प्रदेश का कोल्ड डेजर्ट बायोस्फीयर रिजर्व यूनेस्को विश्व नेटवर्क में शामिल हुआ है जो भारत में यह पहला उच्च-ऊंचाई वाला कोल्ड डेजर्ट रिजर्व है। इसके साथ देश में 487 इको-संवेदनशील क्षेत्र बनाए गए हैं, जो वन्यजीवों के आवागमन के लिए मार्ग प्रदान करते हैं। यह सरकार की वन्यजीव संरक्षण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि करते हैं। वैश्विक फोटोग्राफी प्रतियोगिता के महत्व के बारे में भूपेन्द्र यादव ने कहा कि इसका विशेष महत्व है क्योंकि यह आगामी वैश्विक बिग कैट संरक्षण शिखर सम्मेलन-2026 से पहले होने वाले शिखर-पूर्व कार्यक्रमों का हिस्सा है। उन्होंने कहा कि यह शिखर सम्मेलन सात बिग कैट प्रजातियों, बाघ, शेर, तेंदुआ, हिम तेंदुआ, जगुआर, चीता और प्यूमा के भविष्य को सुरक्षित करने के सामूहिक वैश्विक प्रयासों में एक महत्वपूर्ण क्षण होगा। यह आयोजन इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि यह 8 अक्टूबर को भारत में वन्यजीव सप्ताह के उपलक्ष्य में मनाया जा रहा है, एक ऐसा समय जब हम अपने बहुमूल्य वनस्पतियों और जीवों के संरक्षण के लिए अपनी सामूहिक प्रतिबद्धता की पुष्टि करते हैं। इस मौके पर मंत्री यादव ने 2025 के ग्लोबल बिग कैट फोटोग्राफी प्रतियोगिता विजेताओं को पुरस्कार प्रदान किए। विजेताओं में राजर्षि बनर्जी, अभिजीत चटोपाध्याय, नारायण मालू, अनोष कोप्पिकर, प्रसाद हामिने, जीतेंद्र चवरे, विश्वस पाटवर्धन, विनोद शर्मा शामिल है।

जयंत चौधरी ने एआई पर नीति आयोग के रोडमैप का किया अनावरण

नई दिल्ली

केंद्रीय कौशल विकास एवं उद्यमिता राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) जयंत चौधरी और नीति आयोग के उपाध्यक्ष सुमन बेरी ने बुधवार को नीति आयोग के फ्रंटियर टेक हब अध्ययन, "समावेशी सामाजिक विकास के लिए एआई" का शुभारंभ किया। इसे डेलॉइट के साथ साझेदारी में विकसित किया गया है। कौशल विकास और उद्यमिता मंत्रालय ने एक बयान में बताया कि ये अग्रणी रिपोर्ट व्यवस्थित रूप से यह पता लगाने का अपनी तरह का पहला प्रयास है कि किस प्रकार कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) और अग्रणी प्रौद्योगिकियां भारत के 490 मिलियन अनौपचारिक श्रमिकों के जीवन और आजीविका को बदल सकती हैं। जयंत चौधरी ने इस अवसर पर अपने संबोधन में कहा कि यह रिपोर्ट अनौपचारिक अर्थव्यवस्था में समावेशिता और उत्पादकता को बढ़ावा देने के लिए एआई का लाभ उठाने का एक रोडमैप प्रदान करती है, जो 2047 तक भारत के विकसित भारत के दृष्टिकोण के अनुरूप है। चौधरी ने कहा, भारत के अनौपचारिक कामगारों को सशक्त बनाना सिर्फ.एक आर्थिक प्राथमिकता नहीं, बल्कि एक नैतिक अनिवार्यता भी है। कामगारों के लिए एआई में डिजिटल कौशल विकास का लक्ष्य, एआई और अग्रणी तकनीकों का लाभ उठाकर, शिक्षा को अनुकूल, सुलभ और मांग-आधारित बनाने के हमारे राष्ट्रीय कौशल एजेंडे के साथ पूरी तरह से मेल खाता है। उन?होंने कहा कि सरकार, उद्योग और नागरिक समाज को एक साथ लाकर, यह मिशन यह सुनिश्चित करेगा कि प्रत्येक कामगार–चाहे वह किसान हो, कारीगर हो या स्वास्थ्य सेवा सहायक–के पास भविष्य की डिजिटल अर्थव्यवस्था में फलने-फूलने के लिए आवश्यक कौशल, उपकरण और अवसर हों।

दिल्ली के लिए 1816 करोड़ रुपए की परियोजनाएं, अमित शाह गुरुवार को करेंगे उद्घाटन

नई दिल्ली

केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह गुरुवार (09 अक्टूबर) को केशोपुर सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट परिसर में आयोजित एक समारोह में दिल्ली के लिए 1816 करोड़ रुपये की परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास करेंगे। इसमें स्वच्छ जलापूर्ति से जुड़ी योजनाएं के साथ-साथ यमुना को निर्मल व स्वच्छ बनाने के लिए कई विशेष प्रोजेक्ट हैं। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने बुधवार को एक विज्ञप्ति जारी करते हुए जानकारी दी कि इन विशेष परियाजनाओं में दशकों पुरानी जल और सीवरेज समस्याओं को दूर करने पर केंद्रित हैं, जो यमुना नदी को लगातार प्रदूषित कर रही हैं। इन योजनाओं में प्रमुख रूप से सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट और सीवर लाइन्स का निर्माण और उसे दुरुस्त करना शामिल है। इन योजनाओं में स्वच्छ पेयजल को दूर-दराज के इलाकों तक कुशलतापूर्वक पहुंचाने के लिए बूस्टर पंपिंग स्टेशनों को भी इन परियोजनाओं में शामिल किया गया है। मुख्यमंत्री ने बताया कि इन प्रोजेक्ट में यमुना सफाई अभियान को प्रभावी बल मिलेगा। ये परियोजनाएं यमुना नदी को प्रदूषण मुक्त बनाने के व्यापक अभियान का एक अभिन्न अंग हैं। गंदे पानी को सीधे नदी में जाने से रोकने के लिए राजधानी के बड़े 22 नालों पर सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट (एसटीपी) भी बन रहे हैं। इनसे साफ हुआ पानी नदी में जाएगा और प्रदूषण को रोकेगा। इससे यमुना नदी हमेशा के लिए निर्मल व स्वच्छ होना शुरू हो जाएगी, जिसका दिल्ली के करोड़ों लोग सालों से इंतजार कर रहे हैं। मुख्यमंत्री कहा है कि यमुना नदी का पुनर्जीवन और स्वच्छता हमारी सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है।

केन्द्र ने राज्यों के औषधि नियंत्रकों को लिखा पत्र, औषधियों के परीक्षण में कड़ाई से अनुपालन के दिए निर्देश

नई दिल्ली

देश के कई राज्यों में मिलावटी कफ सिरप पीने से बच्चों की मौत की खबरों के बीच औषधि नियंत्रक जनरल (सीडीएससीओ) डॉ. राजीव सिंह रघुवंशी ने सभी राज्यों के औषधि नियंत्रकों को दवाइयों के परीक्षण में सख्ती से पालन करने के निर्देश दिए। सात अक्टूबर को सभी राज्यों के औषधि नियंत्रकों को लिखे पत्र में सीडीएससीओ ने कहा कि औषधीय निर्माण में प्रयुक्त किए जाने वाले कच्चे माल(एक्सीपिएंट्स) के उपयोग से पूर्व परीक्षण किया जाना अत्यंत आवश्यक है। हाल ही में मध्य प्रदेश के छिंदवाड़ा में बच्चों की मृत्यु की घटनाएं रिपोर्ट की गई हैं, जो कथित रूप से दूषित खांसी की दवाओं से संबंधित हैं तथा इन दवाओं की गुणवत्ता पर चिंता व्यक्त की गई है। सीडीएससीओ ने चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि निर्माण इकाइयों में की गई निरीक्षणों एवं मानक गुणवत्ता के अनुरूप न पाई गई औषधियों की जांच के दौरान यह देखा गया है कि निमार्ता, निर्माण से पहले प्रयुक्त प्रत्येक बैच के एक्सीपिएंट्स निष्क्रिय एवं सक्रिय औषधीय बैच का परीक्षण नहीं कर रहे हैं और न ही तैयार औषधि उत्पादों का नियमानुसार परीक्षण कर रहे हैं। ड्रग्स नियम, 1945 की नियम 74(सी) एवं नियम 78(सी)(6) के अनुसार, लाइसेंसधारी को अपने स्वयं के प्रयोगशाला में या लाइसेंसिंग प्राधिकारी द्वारा अनुमोदित किसी प्रयोगशाला में अपने उत्पाद के निर्माण में प्रयुक्त प्रत्येक बैच अथवा लॉट के कच्चे माल तथा प्रत्येक बैच के अंतिम उत्पाद का परीक्षण अवश्यक करें।

सीडीएसओ ने सभी राज्यों के औषधि नियंत्रकों को दवाओं के परीक्षण की प्रक्रिया की निगरानी सुनिश्चित करने को कहा है। इसके इस दिशा में की गई कार्रवाई की रिपोर्ट भी सौंपने को कहा है।

कफ सिरप में 'डेक्सट्रोमेथॉर्फन हाइड्रोब्रोमाइड' घटक के उपयोग पर प्रतिबंध नहीं: सरकार

नई दिल्ली

देश के अलग-अलग हिस्सों में इन दिनों कफ सिरप से बच्चों की मौत की खबर के बीच सोशल मीडिया पर एक वीडियो में दावा किया गया है कि सरकार ने कफ सिरप में 'डेक्सट्रोमेथॉर्फन हाइड्रोब्रोमाइड' नामक घटक पर पूरी तरह से प्रतिबंध लगा दिया है। वहीं, केन्द्र सरकार ने इस खबर को भ्रामक और पूरी तरह से गलत बताया है। केन्द्र सरकार के पत्र सूचना कार्यालय (पीआईबी) फैक्ट चेक ने बुधवार को बताया कि खासी की दवा कफ सिरप में 'डेक्सट्रोमेथॉर्फन हाइड्रोब्रोमाइड' घटक के उपयोग पर पूरी तरह से प्रतिबंध नहीं है। केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन (सीडीएससीओ) ने 'डेक्सट्रोमेथॉर्फन हाइड्रोब्रोमाइड' युक्त कुछ निश्चित-खुराक संयोजनों पर प्रतिबंध लगा दिया है। विशेष रूप से उन पर जो एंटीहिस्टामाइन और डिकंजेस्टेंट के साथ मिलाए जाते हैं। मुख्य रूप से 4 साल के बच्चों में उनके उपयोग को सीमित किया गया है। उल्लेखनीय है कि डेक्सट्रोमेथॉर्फन हाइड्रोब्रोमाइड एक कफ सप्रेसेंट है जिसका उपयोग सूखी, अनुत्पादक खांसी से राहत पाने के लिए खांसी की इच्छा को कम करके किया जाता है। यह आमतौर पर सर्दी-जुकाम की दवाओं में अस्थायी राहत के लिए पाया जाता है। देश के अलग-अलग हिस्सों में इन दिनों कफ सिरप से बच्चों की मौत की खबर लगातार सामने आ रही है।

सामाजिक समरसता ही राष्ट्र की सच्ची ताकत: मिलिंद परांडे

नई दिल्ली

विश्व हिंदू परिषद के संगठन महामंत्री मिलिंद परांडे ने बुधवार को कहा कि सामाजिक समरसता ही राष्ट्र की सच्ची ताकत है और भगवान वाल्मीकि जैसे महान ऋषियों की शिक्षाएं आज भी समरस और समतामूलक समाज का मार्गदर्शन करती हैं। परांडे ने रोहिणी स्थित शिव बालेश्वर मंदिर में विश्व हिंदू परिषद द्वारा वाल्मीकि जयंती के उपलक्ष्य में आयोजित कार्यक्रम में कहा कि महर्षि वाल्मीकि केवल महान कवि ही नहीं, बल्कि 64 युद्ध कलाओं में भी निपुण थे और उनका जीवन आदर्श समाज की प्रेरणा है। इस मौके पर शिरोमणि गुरु रविदास विश्व महापीठ के राष्ट्रीय अध्यक्ष सुरजीत कुमार ने कहा कि जब ईश्वर ने मानवता में कोई भेद नहीं किया, तो हम किस आधार पर ऊंच-नीच की दीवारें खड़ी करते हैं। हर व्यक्ति समान है और महापीठ राष्ट्र निर्माण के कार्य में सामाजिक एकता के साथ सक्रिय रूप से जुटा है।

उत्तर प्रदेश की अर्थव्यवस्था को काशी विश्वनाथ कॉरिडोर ने दिया सवा लाख करोड़ का बूस्टअप डोज

25 करोड़ 28 लाख लोगों ने नवीनीकृत कॉरिडोर के लोकार्पण से 30 सितंबर तक किए बाबा विश्वनाथ भगवान के दर्शन

वाराणसी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विजन और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के मिशन से श्रीकाशी विश्वनाथ धाम ने उत्तर प्रदेश की अर्थव्यवस्था को नई ऊंचाइयों पर पहुंचा दिया। दिसंबर 2021 में प्रधानमंत्री मोदी के काशी विश्वनाथ धाम कॉरिडोर के लोकार्पण के बाद से अब तक लगभग 25 करोड़ 28 लाख से अधिक श्रद्धालु बाबा विश्वनाथ के दर्शन कर चुके हैं। इससे राज्य की अर्थव्यवस्था को अनुमानित सवा लाख करोड़ रुपये का बूस्टअप डोज मिला है। व्यापारियों, नाविकों, पुजारियों और होटल कारोबारियों को बड़े पैमाने पर रोजगार श्री काशी विश्वनाथ मंदिर के मुख्य कार्यपालक अधिकारी विश्व भूषण मिश्र ने बताया कि कॉरिडोर के निर्माण ने न केवल काशी की छवि को बदला है, बल्कि पूरे प्रदेश की आर्थिक गतिविधियों में भी अप्रत्याशित वृद्धि की है। देश के विभिन्न प्रांतों से लेकर दुनिया के तमाम देशों के श्रद्धालुओं और पर्यटकों के लगातार बढ़ते आगमन से स्थानीय व्यापारियों, दुकानदारों, नाविकों, पुजारियों, ठेले वालों और होटल कारोबारियों को बड़े पैमाने पर रोजगार के अवसर मिल रहे हैं।

धार्मिक पर्यटन के मॉडल ने यूपी की छवि को दी अंतरराष्ट्रीय स्तर की पहचान

योगी आदित्यनाथ की सरकार के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश में सुरक्षा का माहौल बेहतर हुआ है। सड़कों का चौड़ीकरण, घाटों का सौंदर्यीकरण और एयरपोर्ट से लेकर गंगा घाट तक शानदार रोड कनेक्टिविटी ने देशी और विदेशी पर्यटकों को आकर्षित किया है। धार्मिक पर्यटन के इस मॉडल ने यूपी की छवि को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नई पहचान दी है। संपूर्णानंद संस्कृत विश्वविद्यालय वाराणसी के अर्थशास्त्री प्रोफेसर राजनाथ के अनुसार, काशी विश्वनाथ धाम में आने वाला पर्यटक औसतन 05 हजार रुपये से अधिक ही खर्च करता है। फिर भी न्यूनतम अनुमानित जीडीपी ग्रोथ के लिए यदि 04 हजार से 05 हजार रुपए प्रति व्यक्ति के आंकड़े से जोड़ें तो इन साढ़े तीन वर्षों में करीब सवा लाख करोड़ रुपये का आर्थिक प्रवाह प्रदेश की अर्थव्यवस्था में हुआ है। यह राशि न केवल काशी बल्कि पूरे पूर्वांचल के विकास की गति को तेज कर रही है। काशी विश्वनाथ महादेव के धाम पधारने वाले 70 प्रतिशत श्रद्धालु दक्षिण भारत से तथा लगभग 15 प्रतिशत श्रद्धालु अन्य राज्यों एवं जनपदों से होते हैं। यह श्रद्धालु काशी दर्शन के पश्चात प्रायः विंध्यवासिनी धाम, तीर्थराज प्रयाग, अयोध्या, मथुरा, चित्रकूट, नैमिष इत्यादि तीर्थों पर भी जाते हैं।

मुख्य न्यायाधीश पर हमले की कोशिश के खिलाफ युवा कांग्रेस ने दिल्ली में निकाला "आई लव अंबेडकर" मार्च

नई दिल्ली

युवा कांग्रेस ने राष्ट्रीय अध्यक्ष उदय भानु चिब के नेतृत्व में उच्चतम न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश पर एक वकील द्वारा हमले की कोशिश के विरोध में "आई लव अंबेडकर" मार्च निकाला। यह मार्च मौजपुर चौक से शुरू होकर इटा चौक पर समाप्त हुआ। उदय भानु चिब ने कहा कि जब से भाजपा सरकार सत्ता में आई है, तब से संविधान और इंसानियत पर लगातार हमले हो रहे हैं। मुख्य न्यायाधीश पर हुई इस हमले की कोशिश और रायबरेली में दलित युवक हरिओम वाल्मीकि की हत्या संविधान पर कलंक है। उन्होंने न्यायालय की गरिमा को खतरे में बताते हुए पूरे देश के युवाओं से अन्याय और नफरत के खिलाफ आवाज उठाने की अपील की। इस मौके पर राष्ट्रीय महासचिव श्रवण राव, दिल्ली प्रभारी खुशबू शर्मा, प्रदेश अध्यक्ष अक्षय लाकड़ा समेत कई युवा कांग्रेस कार्यकर्ता मौजूद थे।

दिल्ली सरकार और क्रेडिट गारंटी फंड ट्रस्ट फॉर माइक्रो एंड स्मॉल एंटरप्राइजेज (सीजीटीएमएसई) के बीच सहयोग की मंजूरी दी

सीजीटीएमएसई के बीच सहयोग को मिली मंजूरी

ट्रस्ट फॉर माइक्रो एंड स्मॉल एंटरप्राइजेज के बीच सहयोग की मंजूरी दी

नई दिल्ली
सूक्ष्म और लघु उद्यमों को सशक्त बनाने के लिए दिल्ली सरकार और क्रेडिट गारंटी फंड ट्रस्ट फॉर माइक्रो एंड स्मॉल एंटरप्राइजेज (सीजीटीएमएसई) के बीच सहयोग की मंजूरी दी गई है। इस साझेदारी का उद्देश्य छोटे उद्यमियों को कुछ भी गिरवी रखे बिना ऋण प्राप्त करने में मदद देना और बैंकों का जोखिम कम करके उन्हें अधिक ऋण देने के लिए प्रोत्साहित करना है। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता कहा कि यह साझेदारी दिल्ली के आर्थिक विकास में एक नया अध्याय जोड़ेगी। इससे हजारों उद्यमियों को कर्ज प्राप्त करने में मदद मिलेगी। मुख्यमंत्री ने बुधवार को एक विज्ञप्ति जारी करते हुए बताया कि इस योजना के तहत छोटे उद्यमियों को बिना किसी संपत्ति की गिरवी के ऋण प्राप्त करने की सुविधा मिलेगी। इस योजना में ऋण गारंटी का प्रावधान दिल्ली सरकार और सीजीटीएमएसई के बीच साझा रूप से किया गया है। प्रस्तावित गारंटी संरचना के अनुसार विभिन्न श्रेणियों के उधारकताओं को अधिकतम 95 प्रतिशत तक की गारंटी कवरेज प्रदान की जाएगी। अब लघु उद्यमों के लिए 0 से 10 करोड़ रुपये तक के ऋण पर 75 प्रतिशत कवरेज सीजीटीएमएसई द्वारा और 20 प्रतिशत की कवरेज दिल्ली सरकार द्वारा दी जाएगी। महिला उद्यमियों और अग्निवीरों द्वारा प्रोत्साहित एमएसई के लिए 0 से 10 करोड़ रुपये तक के ऋण पर 90 प्रतिशत कवरेज सीजीटीएमएसई द्वारा और 5 प्रतिशत दिल्ली सरकार द्वारा दी जाएगी। अब माइक्रो श्रेणी के अंतर्गत 0 से 5 लाख रुपये तक के ऋण पर 85 प्रतिशत कवरेज सीजीटीएमएसई द्वारा और 10 प्रतिशत कवरेज दिल्ली सरकार द्वारा दी जाएगी। इसके अलावा पांच लाख रुपये से 10 करोड़ रुपये तक के ऋण पर 75 प्रतिशत कवरेज सीजीटीएमएसई द्वारा और 20 प्रतिशत दिल्ली सरकार द्वारा दी जाएगी। इस तरह सभी पर कुल कवरेज 95 प्रतिशत हो जाएगी।

युवा श्री गुरु तेग बहादुर के जीवन से प्रेरणा लें: पर्यावरण मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा

नई दिल्ली
दिल्ली के पर्यावरण मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा का कहना है कि युवाओं को श्री गुरु तेग बहादुर के जीवन से प्रेरणा लेनी चाहिए। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा की सरकारें निरंतर इस दिशा में कार्य कर रही हैं कि सिख गुरूओं के प्रति श्रद्धा और सिख समाज के समाज हित में किए गए योगदान को प्रतिष्ठा मिले। फिर इस चाहे बाल वीर दिवस मनाने की शुरूआत हो, विश्वविद्यालय पाठ्यक्रम में गुरु साहब जी का कोर्स जोड़ना हो या नवंबर में आयोजित किए जाने वाले अब तक के सबसे बड़े आयोजन की तैयारी, ताकि गुरु साहब जी का अमर संदेश और आदर्श आने वाली पीढ़ियों के दिलों और विचारों में हमेशा जीवित रह सकें। मनजिंदर सिंह सिरसा ने श्री गुरु तेग बहादुर के शताब्दी वर्ष पर आयोजित दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय कॉन्फ्रेंस में सम्मिलित होने के बाद अपने एक्स पोस्ट पर यह संदेश जारी किया। इस कॉन्फ्रेंस का आयोजन दिल्ली गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के अधीन आने वाले चारों कॉलेजों ने संयुक्त रूप से श्री गुरू तेग बहादुर खालसा कालेज में किया था। मनजिंदर सिंह सिरसा एक्स पर अपने पोस्ट में कहा कि इस कॉन्फ्रेंस में आज और कल दुनियाभर के इतिहासकार गुरु साहब जी के जीवन और शहादत पर अपने विचार साझा करेंगे। सिरसा ने बताया कि उन्होंने दिल्ली गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के अधीन आने वाले श्री गुरु तेग बहादुर खालसा कॉलेज से पढ़ाई की है और आज यहां कांफ्रेंस में हिस्सा लेने और सम्मान पाने अवसर मिला है।

कार्रवाई: ठगी के मामले में तीन आरोपित गिरफ्तार

नई दिल्ली
पश्चिम जिले की साइबर थाना पुलिस ने ऑनलाइन नौकरी घोटाले का पर्दाफाश करते हुए तीन आरोपितों को गिरफ्तार किया है। इस कार्रवाई में पुलिस ने पांच स्मार्टफोन, दस बैंक पासबुक, चौदह चेकबुक और पांच लाख रुपये नकद बरामद किए हैं। गिरफ्तार आरोपितों का एक चीनी नागरिक के साथ सीधा संपर्क था, जो टेलीग्राम और व्हाट्सएप के जरिए इस घोटाले को अंजाम दे रहा था। पश्चिम जिले के पुलिस उपायुक्त दाराडे शरद भास्कर ने बुधवार को बताया कि 11 सितंबर को तिलक नगर की रहने वाली एक नर्स ने साइबर थाने में शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायतकर्ता ने बताया कि वह इंस्टाग्राम पेज "एलोस12" पर पार्ट-टाइम नौकरी के विज्ञापन देखकर एक टेलीग्राम ग्रुप में शामिल हुई थी। वहां उन्हें आकर्षक रिटर्न के वादे के साथ टास्क-बेस्ड नौकरियों में निवेश करने के लिए प्रेरित किया गया और उनसे 15.94 लाख रुपये की ठगी कर ली गई। शिकायत के आधार पर साइबर थाना में मामला दर्ज किया गया। साइबर पुलिस की एक टीम ने जांच शुरू की। इंस्टाग्राम और टेलीग्राम चैनलों का तकनीकी विश्लेषण करने और धन के लेन-देन की जांच के बाद पता चला कि ठगी की राशि मुख्य रूप से आरोपित सब्बीर अहमद से जुड़े बैंक खातों में स्थानांतरित की गई थी। इन खातों से राशि चेक के जरिए निकाली जा रही थी।

जल्द खुल सकता है दिल्ली चिड़ियाघर, बर्ड फ्लू का खतरा टला

नई दिल्ली
राष्ट्रीय प्राणी उद्यान (दिल्ली चिड़ियाघर) जल्द ही खुल सकता है। एक अक्तूबर को भेजे गए अंतिम नमूने की रिपोर्ट मंगलवार को नकारात्मक आई। आखिरी नमूना भोपाल स्थित नेशनल इंस्टीट्यूट फॉर हाई सिक्योरिटी एनिमल डिजीज जांच के लिए भेजा गया था। बर्ड फ्लू का खतरा पूरी तरह टल गया है और अब आगंतुक जल्द ही अपने परिवार के साथ जानवरों से मिलने जा सकेंगे। फिलहाल, चिड़ियाघर को खोलने को लेकर अधिकारियों ने प्रस्ताव भेज दिया है। ऐसे में चिड़ियाघर प्रबंधन का कहना है कि चिड़ियाघर को दोबारा खोलने की अनुमति के लिए औपचारिक प्रक्रिया शुरू हो चुकी है।

13.50 करोड़ से लावारिस कुत्तों की नसबंदी का काम होगा तेज, तय होगी जवाबदेही

नई दिल्ली
एमसीडी ने राजधानी में लावारिस कुत्तों की बढ़ती संख्या को नियंत्रित करने के लिए बंध्याकरण (नसबंदी) और टीकाकरण कार्यक्रम तेज करने का निर्णय लिया है। इसके लिए 13.50 करोड़ रुपये खर्च करने की प्रशासनिक स्वीकृति मिली है। यह राशि उन 20 पशु जन्म नियंत्रण (एबीसी) केंद्रों को दी जाएगी, जहां 20 गैर-सरकारी संगठन (एनजीओ) इस काम में लगे हैं। एमसीडी ने इस बार इन संस्थाओं की जवाबदेही तय करने के लिए माइक्रोचिप लगाने और सीसीटीवी निगरानी की प्रणाली लागू करने का फैसला किया है। एमसीडी के अनुसार, अप्रैल 2024 से फरवरी 2025 के बीच 1,20,264 कुत्तों का बंध्याकरण और टीकाकरण किया गया था। इसके लिए एनजीओ को भुगतान कर दिया गया, लेकिन मार्च से जून 2025 की अवधि का लगभग 4.26 करोड़ रुपये का भुगतान अभी लंबित है। इस अवधि में 42,761 कुत्तों का बंध्याकरण किया गया था। एमसीडी ने तय किया है कि अप्रैल 2025 से फरवरी 2026 के बीच 20 एबीसी केंद्रों में लगभग 1.35 लाख कुत्तों का बंध्याकरण और प्रतिरक्षीकरण किया जाएगा। इसके 13.50 करोड़ रुपये बजट का प्रावधान किया है। वर्ष 2025-26 के बजट में लेखा शीर्ष 121-1270 के अंतर्गत 15 करोड़ रुपये इस कार्यक्रम के लिए पहले से आवंटित हैं।

माइक्रोचिप और सीसीटीवी से निगरानी
पशु जन्म नियंत्रण निगरानी समिति की बैठक में यह पाया गया कि कई क्षेत्रों में बंध्याकरण के बावजूद कुत्तों की संख्या बढ़ रही है। इससे कार्यक्रम की प्रभावशीलता पर सवाल उठे। इस कारण एमसीडी ने तय किया है कि हर नसबंद कुत्ते में माइक्रोचिप लगाई जाएगी, ताकि उनकी पहचान डिजिटल रूप से दर्ज हो सके। वहीं एबीसी केंद्रों की गतिविधियों पर सीसीटीवी निगरानी अनिवार्य की जाएगी और किसी क्षेत्र में बंध्याकरण के बाद नए जन्म पाए जाते हैं, तो संबंधित एनजीओ पर कार्रवाई होगी और वार्षिक भुगतान का एक हिस्सा काटा जाएगा।

एनजीओ पर वित्तीय दंड की व्यवस्था
एमसीडी ने जवाबदेही तय करने के लिए दंडात्मक प्रावधान भी जोड़े हैं। इसके तहत किसी क्षेत्र में रेबीज से हताहत का मामला सामने आता है, तो संबंधित एनजीओ के वार्षिक भुगतान से 10 प्रतिशत राशि काटी जाएगी।

पुलिस ने गोगी गैंग गिरोह के दो कुख्यात बदमाशों को गिरफ्तार किया

नई दिल्ली
बाहरी उत्तरी जिला पुलिस ने गोगी गैंग गिरोह के दो कुख्यात बदमाशों को गिरफ्तार किया है। पकड़े गए बदमाशों की पहचान ऋतिक उर्फ बॉम्ब (22) और चंदन (19) के रूप में हुई है। जो दोनों कापसहेड़ा इलाके के रहने वाले हैं। पुलिस ने इनके पास से एक सेमी-ऑटोमैटिक पिस्टल, एक देशी कट्टा, तीन जिंदा कारतूस और एक सफेद आई 20 कार बरामद की है। दोनों के खिलाफ पहले भी कई संगीन मामले दर्ज हैं। बाहरी उत्तरी जिले के पुलिस उपायुक्त हरेश्वर स्वामी ने बुधवार को बताया कि दो अक्टूबर को दशहरा के दिन संजय गांधी ट्रांसपोर्ट नगर इलाके में पेट्रोलिंग के दौरान पुलिस टीम को बिना नंबर प्लेट की एक सफेद कार संदिग्ध हालत में घूमती दिखाई दी। पुलिस ने जब वाहन को रुकने का इशारा किया तो कार सवार भागने लगे। पुलिस ने पीछा कर कार को रोक लिया और दो आरोपितों को मौके से दबोच लिया।

सो रहे पति पर डाला खौलता तेल, फिर जख्मों पर छिड़की लाल मिर्च

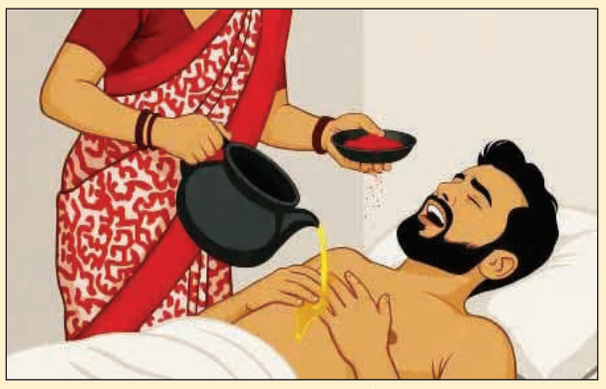

नई दिल्ली
दक्षिण दिल्ली के अंबेडकर नगर थाना क्षेत्र में बहुत ही चौंकाने व दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। यहां मदनगीर में रहने वाला दिनेश जब अपने घर में सो रहा था, तभी उसकी पत्नी ने उस पर खौलता तेल डाल दिया और जब जख्म हो गए तो आरोपी पत्नी ने उन पर लाल मिर्च पाउडर डाल दिया। इससे दिनेश की चीखें निकल गईं और फिर सन्नाटा छा गया। पड़ोसियों ने उसे अस्पताल में भर्ती कराया। दक्षिण जिला पुलिस उपायुक्त अंकित चौहान ने बताया कि पति व पत्नी दोनों का सीएडब्ल्यू सेल में विवाद चल रहा था। घरेलू विवाद के चलते उसने इस घटना को अंजाम दिया हैं। आरोपी पत्नी को बुधवार शाम तक गिरफ्तार नहीं किया गया था। दक्षिण जिला पुलिस अधिकारियों के अनुसार 3 अक्तूबर को एक 28 वर्षीय दवा कंपनी के कर्मचारी को गंभीर रूप से झुलसी हालत में सफदरजंग अस्पताल लाया गया और उसे आईसीयू में भर्ती कराया गया। उसी दिन अंबेडकर नगर पुलिस स्टेशन में दर्ज प्राथमिकी के अनुसार वह व्यक्ति दिनेश था। जांच में पता लगा कि पत्नी ने सुबह करीब 3 बजे सोते समय उस पर गर्म तेल डाल दिया। उस समय घर में दंपती की आठ साल की बेटी भी मौजूद थी।
दिनेश ने पुलिस को बताया कि वह 2 अक्तूबर को काम से देर रात घर लौटा, खाना खाया और सोने चला गया। उसने अपनी शिकायत में आरोप लगाया है कि पत्नी और बेटी पास में ही सो रही थीं। लगभग सवा तीन बजे मुझे अचानक पूरे शरीर में तेज जलन महसूस हुई। मैंने देखा कि मेरी पत्नी खड़ी होकर मेरे धड़ और चेहरे पर खौलता हुआ तेल डाल रही है। इससे पहले कि मैं उठ पाता या मदद के लिए पुकार पाता, उसने मेरे जले हुए हिस्से पर लाल मिर्च पाउडर छिड़क दिया। जब उसने विरोध किया तो उसकी पत्नी ने पलटकर कहा कि अगर शोर मचाया तो और गरम तेल डाल दूंगी। लेकिन दिनेश दर्द के चलते अपनी चीखें नहीं रोक सका।

पड़ोसी बचाने आए-
शोर सुनकर पड़ोसी और नीचे वाली मंजिल पर रहने वाले उसके मकान मालिक का परिवार दौड़कर घर पहुंचा। मकान मालिक की बेटी अंजलि उन लोगों में से एक थी जो दौड़कर उसे देखने आई। उसने बताया कि मेरे पिता ऊपर गए और देखा कि क्या हो रहा है। दरवाजा बंद था। उनकी (पीड़ित) पत्नी ने अंदर से दरवाजा बंद कर लिया था। हमने उनसे दरवाजा खोलने को कहा। जब दरवाजा खुला तो हमने देखा कि वह दर्द से तड़प रहे थे।

गोगी और सोनू खरखरी गैंग के तीन बदमाश दबोचे

नई दिल्ली
बाहरी उत्तरी जिला पुलिस ने पाकिस्तान से संचालित स्कैमर्स के लिए मध्यस्थ का काम कर रहे गोगी और सोनू खरखरी गैंग के तीन बदमाशों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार बदमाशों की पहचान कापसहेड़ा निवासी ऋतिक, चंदन और रोहित के रूप में हुई है।
गिरफ्तार ऋतिक कापसहेड़ा थाने का घोषित बदमाश है और उसपर गैर इरादतन हत्या के प्रयास, लूटपाट और आर्म्स एक्ट सहित छह मामले दर्ज हैं।

कंझावला: फर्जी इंजन ऑयल फैक्टरी का भंडाफोड़

नई दिल्ली
दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच ने राजधानी में नकली इंजन ऑयल बनाने वाले एक बड़े गिरोह का पर्दाफाश किया है। कंझावला इंडस्ट्रियल एरिया में चल रही इस अवैध फैक्टरी पर छापेमारी कर पुलिस ने 2,600 लीटर नकली इंजन ऑयल, मशीनें और पैकेजिंग सामग्री बरामद की है। बरामद माल की कीमत करीब 15 लाख आंकी गई है। पुलिस ने इस संबंध में पांच लोगों को गिरफ्तार किया है, जिनमें दो भाई सकलैन अहमद उर्फ प्रिंस और सोहिद उर्फ अल्लू मुख्य साजिशकर्ता हैं। पकड़े गए अन्य आरोपितों की पहचान शकीलुद्दीन उर्फ शकील, शान मोहम्मद और मोहम्मद सलमान के रूप में हुई है।

सटीक सूचना पर मारा छापा
क्राइम ब्रांच के पुलिस उपायुक्त आदित्य गौतम ने बुधवार को बताया कि टीम को सूचना मिली थी कि कंझावला क्षेत्र में कुछ लोग अंतरराष्ट्रीय ब्रांडों के नाम पर नकली मोबिल ऑयल बना रहे हैं। सूचना पर कार्रवाई करते हुए इंस्पेक्टर कमल कुमार की अगुवाई एक टीम का गठन किया। पुलिस ने टीम सात अक्टूबर को गुप्त सूचना के आधार पर छापा मारा और मौके से पांच लोगों को गिरफ्तार कर भारी मात्रा में नकली ऑयल, खाली बोतलें, स्टीकर, होलोग्राम, और पैकिंग सामग्री जब्त की। पूछताछ में खुलासा हुआ कि मुख्य आरोपित प्रिंस और उसका भाई अल्लू, दोनों आगरा (उप्र) के निवासी हैं।

पश्चिमी विक्षोभ के असर से हल्की ठंड का एहसास

नई दिल्ली
राजधानी में पश्चिमी विक्षोभ के असर से दो दिनों से मौसम ठंडा और खुशनुमा बना हुआ है। सोमवार के बाद मंगलवार को भी बारिश जारी रही। दोपहर बाद हुई तेज बारिश से कई इलाकों में जाम और जलभराव की स्थिति बनी, जिससे जनजीवन प्रभावित हुआ। मंगलवार को अधिकतम तापमान सामान्य से 4.4 डिग्री कम 29.8 डिग्री और न्यूनतम तापमान सामान्य से 1.3 डिग्री अधिक 21 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। मौसम विभाग के अनुसार, यह बारिश उत्तरी राजस्थान और हरियाणा के ऊपर बने प्रेरित निम्न दबाव क्षेत्र के कारण हो रही है। इससे जुड़ा ऊपरी हवा का चक्रवाती परिसंचरण समुद्र तल से 9.6 किमी तक फैला है और उत्तर-पश्चिम की ओर बढ़ रहा है। बीते 24 घंटे में राजधानी में 12.6 मिमी और मंगलवार सुबह 8:30 बजे से शाम 5 बजे तक 5.8 मिमी वर्षा दर्ज की गई। पालम में 41.6 मिमी, रिज में 37 मिमी, पूसा में 22.5 मिमी, मयूर विहार में 20 मिमी, लोधी रोड में 5.8 मिमी और आया नगर में 5.1 मिमी बारिश हुई। इस माह अब तक चार दिन में कुल 74.7 मिमी बारिश दर्ज की गई है। मौसम विभाग ने बारिश के लिए यलो अलर्ट जारी किया है। उत्तरी, उत्तर-पूर्वी, उत्तर-पश्चिमी और पश्चिमी दिल्ली में झमाझम बारिश की संभावना जताई गई है। बीते 24 घंटे में हवा में नमी 100 से 68 फीसदी के बीच रही। बुधवार को आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे।

शाहरुख-गौरी की बढ़ीं मुश्किलें: समीर वानखेड़े की याचिका पर नोटिस

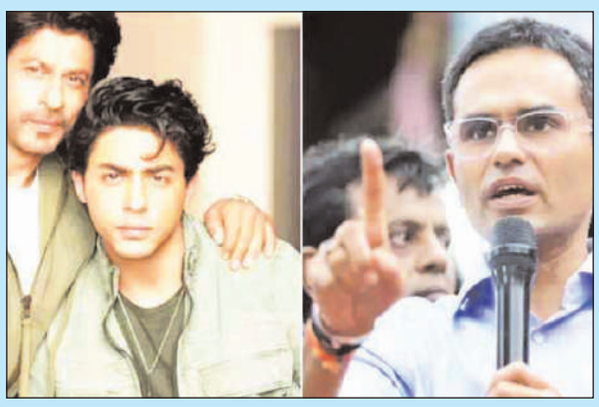

नई दिल्ली
दिल्ली हाईकोर्ट ने पूर्व एनसीबी अधिकारी समीर वानखेड़े के मानहानि मामले में शाहरुख खान की कंपनी रेड चिलीज समेत नेटफ्लिक्स को समन जारी किया। वानखेड़े ने शाहरुख खान के बेटे आर्यन खान के निर्देशन वाली नेटफ्लिक्स की वेब सीरीज 'द बास्टर्ड्स ऑफ बॉलीवुड' में उनकी छवि को कथित रूप से अपमानजनक ढंग से चित्रित करने वाली सामग्री को हटाने और इस पर रोक लगाने की मांग की है। हालांकि, न्यायमूर्ति पुरुषेंद्र कुमार कौरव ने इस मामले में कोई अंतरिम निषेधाज्ञा (इंजंक्शन) आदेश पारित नहीं किया। कोर्ट ने कहा, उन्हें निर्देश लेने और जवाब दाखिल करने दें। सामान्य रूप से निषेधाज्ञा आदेश पारित नहीं किया जा सकता। इस मामले की अगली सुनवाई 30 अक्टूबर को होगी। वानखेड़े 2021 में नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) के जोनल डायरेक्टर थे, ने मुंबई में एक ड्रग रेड के दौरान बॉलीवुड अभिनेता शाहरुख खान के बेटे आर्यन खान को नारकोटिक ड्रग्स एंड साइकोट्रोपिक सब्सटेंस एक्ट के तहत गिरफ्तार किया था।
वानखेड़े ने वेब सीरीज के निर्माता रेड चिलीज एंटरटेनमेंट (जो शाहरुख खान और उनकी पत्नी गौरी खान के स्वामित्व में है), नेटफ्लिक्स, एक्स कॉर्प, गूगल, मेटा और एक मीडिया आउटलेट आरपीजी लाइफस्टाइल मीडिया प्रा. लि. के खिलाफ 2 करोड़ रुपये के हजार्ने की मांग की है। वानखेड़े के मुताबिक, वेब सीरीज में एक ऐसा दृश्य है जिसमें उनके समान दिखने वाले एक व्यक्ति को दिखाया गया है, जो उन्हें लक्षित और उपहास करता है। उन्होंने इस सामग्री को हटाने और आगे ऐसी अपमानजनक सामग्री को बनाने, प्रकाशित करने या प्रसारित करने से रोकने की मांग की है। इसके अलावा, उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर संबंधित सामग्री बनाने वाले अज्ञात व्यक्तियों (जॉन डो) के खिलाफ भी निषेधाज्ञा की मांग की है। उनका कहना है कि यह सीरीज न केवल उनकी प्रतिष्ठा को ठेस पहुंचाती है, बल्कि नशीली दवाओं के खिलाफ प्रवर्तन एजेंसियों की गलत और नकारात्मक छवि प्रस्तुत करती है, जिससे कानून प्रवर्तन संस्थानों में जनता का विश्वास कम होता है।

एमसीडी इंस्पेक्टर की मां की गला घोंटकर त्या, जान लेने से पहले की मारपीट

नई दिल्ली
रोहिणी इलाके में दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) में इंस्पेक्टर की बुजुर्ग मां की गला घोंटकर हत्या कर दी गई है। घर में मृत मिलीं वृद्धा को देखकर लग रहा है कि हत्या से पहले उन्हें पीटा गया है। रोहिणी जिले की विजय विहार थाना पुलिस ने हत्या का मामला दर्जकर लिया है। घर से महिला का सिर्फ मोबाइल फोन गायब है, जेवर आदि सुरक्षित हैं। इसे देखकर पुलिस रंजिशन हत्या की आशंका से भी इन्कार नहीं कर रही है।
रोहिणी जिला पुलिस उपायुक्त राजीव रंजन ने बताया कि पुलिस को सात अक्तूबर को सुबह करीब 8:53 बजे एक महिला की हत्या की सूचना मिली। विजय विहार थानाध्यक्ष यू-41 बुध विहार, फेज-1 पहुंचे तो दिल्ली निवासी करीब 65 वर्षीय नरेश कुमारी पत्नी स्वर्गीय सोमनाथ मृत मिलीं। उनका शव तीन मंजिला मकान में पहली मंजिल पर बेड पर मिला। घर में सभी सामान व्यवस्थित तरीके से रखा था। पुलिस अधिकारियों के मुताबिक घर का दरवाजा बंद था। मंगलवार सुबह जब किराएदार ने गेट पर हल्का धक्का दिया तो दरवाजा खुल गया। किराएदार ने देखा कि वह बेड पर पड़ी थीं तो उसने पुलिस को सूचना दी। पोस्टमार्टम करने वाले डाक्टरों ने अनौपचारिक रूप से बताया है कि वृद्धा की गला घोंटकर हत्या की गई है।

संपादक की कलम से

महिलाओं की सेहत के समांतर जोखिम

आधुनिक जीवनशैली की भाग-दौड़ में महिलाएं अपनी जरूरत या सुविधा के लिए कई बार ऐसे निर्णय लेती हैं, जो उनके स्वास्थ्य के लिए घातक साबित हो सकते हैं। महिलाओं के स्वास्थ्य का मतलब उनका संपूर्ण हित है। यह हमारे समाज की भी नैतिक जिम्मेदारी है कि महिलाओं को सुरक्षित और स्वस्थ जीवन जीने के लिए आवश्यक सहायता प्रदान की जाए। कुछ समय पहले दिल्ली में एक युवती की असामयिक मृत्यु ने एक बार फिर हमारे सामने महिलाओं के स्वास्थ्य और दवाओं के अनियंत्रित उपयोग की गंभीर समस्या को उजागर किया है। । इस युवती की मृत्यु इसलिए हो गई, क्योंकि उसने बिना चिकित्सीय सलाह के हार्मोन दवाओं का सेवन किया था, जिससे उसे डीप वेन थ्रोम्बोसिस (डीवीटी) की समस्या हो गई थी। यह घटना न केवल दवाओं के दुरुपयोग की समस्या को दशार्ती है, बल्कि महिला स्वास्थ्य के प्रति हमारे माज की उदासीनता को भी उजागर करती है। यह कोई छिपा तथ्य नहीं है कि जागरूकता के अभाव में कई महिलाएं अपनी किसी बीमारी का इलाज समय पर नहीं करा पातीं और उसका खमियाजा या तो वे लंबे समय तक उठाती या फिर शरीर में कोई जटिल रोग बैठ जाता है, जो उनके सहज जीवन को बाधित कर देता है। दिल्ली में जिस । युवती की डीप वेन थ्रोम्बोसिस से मौत हुई, उसके मामले में भी कुछ इसी तरह की जटिलता कारण बनी यह ऐसी गंभीर बीमारी है, जिसमें शरीर की गहरी नसों में रक्त के थक्के बन जाते हैं। चिकित्सकों ने जब इस मामले में गहन जांच की तो पता चला कि रक्त का थक्का नाभि तक फैल गया था। यह घटना हमारे समाज की उस मानसिकता को दशार्ती है, जहां महिलाओं के स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं को गंभीरता से नहीं लिया जाता। डीप वेन थ्रोम्बोसिस की पहचान करना अत्यंत महत्त्वपूर्ण है, क्योंकि इसके लक्षण अक्सर सूक्ष्म होते हैं। पैरों में सूजन, तेज दर्द, गर्माहट की अनुभूति और त्वचा का लाल या नीला पड़ना इसके प्रमुख संकेत हैं। अगर समय पर इलाज न कराया जाए तो ये थक्के फेफड़ों तक पहुंच जाते जाते हैं जिसे पल्मोनरी एम्बोलिज्म कहा जाता है और यह समस्या अक्सर जानलेवा साबित होती है। ऐसे में चिकित्सकों से उम्मीद की जाती है कि वे मरीजों को विभिन्न दवाओं के संभावित दुष्प्रभावों के बारे में जानकारी दें और यह भी समझाएं कि किन स्थितियों में तत्काल चिकित्सीय सहायता लेनी चाहिए।

इस मामले में अंतरराष्ट्रीय अध्ययनों में सामने आए आंकड़े अत्यंत चिंताजनक हैं। हार्मोन से संबंधित गर्भनिरोधक दवाओं का उपयोग करने वाली महिलाओं में वेनस थ्रोम्बोएम्बोलिज्म का खतरा सामान्य महिलाओं की तुलना में दो से छह गुना तक बढ़ जाता है। सामान्य परिस्थितियों में प्रति एक लाख महिलाओं में से केवल पांच से दस महिलाएं ही प्राकृतिक रूप से इस बीमारी की शिकार होती हैं, लेकिन दूसरी पीढ़ी की हार्मोन से जुड़ी दवाओं के उपयोग से यह जोखिम तीन-चार गुना और तीसरी पीढ़ी की दवाओं से छह से आठ गुना तक बढ़ जाता है। अमेरिकन कालेज आफ आब्स्टेट्रिशियन एंड गायनेकोलाजिस्ट्स के अध्ययन के अनुसार, जो महिलाएं छह महीने तक लगातार हार्मोन से जुड़ी दवाओं का उपयोग करती हैं, उनमें डीवीटी, पक्षाघात और दिल के दौरे का खतरा कई गुना बढ़ जाता है। खासकर उपयोग के पहले वर्ष में यह जोखिम सबसे अधिक होता है।

डिजिटल क्रांति से आत्मनिर्भर होता भारत

अजेश कुमार

चिप और सेमीकंडक्टर क्षेत्र में केवल उपभोक्ता के रूप में पहचाने जाने वाला भारत अब निमार्ता और आपूर्तिकर्ता बनने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। यह परिवर्तन केवल तकनीकी नहीं, बल्कि आत्मविश्वास और आत्मगौरव का भी प्रतीक है। सेमीकंडक्टर मिशन, वैश्विक सहयोग, और शिक्षा व अनुसंधान में निवेश ने भारत की चिप क्रांति को साकार रूप दिया है।

इसमें दो राय नहीं है कि भारत ने सेमीकंडक्टर निर्माण के क्षेत्र में ऐतिहासिक कदम उठाते हुए विश्व स्तर पर अपनी तकनीकी पहचान बनाई है। गुजरात और कर्नाटक में चिप पार्क, विदेशी निवेश और शिक्षा संस्थानों की सक्रिय भागीदारी ने इस अभियान को गति दी है। शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) शिखर सम्मेलन 2025 में भारत ने सुरक्षा, संपर्क और अवसर के तीन स्तंभों पर बल देकर तकनीक को साझा भविष्य का आधार बताया। यह चिप क्रांति न केवल आर्थिक विकास का मार्ग प्रशस्त कर रही है, बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा, आत्मगौरव की नई उड़ान भी भर रही है।

भारत आज उस ऐतिहासिक दौर से गुजर रहा है जहाँ सपने केवल सपने नहीं रह गए हैं, बल्कि नये यथार्थ का रूप ले चुके हैं। दशकों तक जिस देश को तकनीक के क्षेत्र में उपभोक्ता भर समझा जाता था, वही देश आज निमार्ता, आपूर्तिकर्ता और नवप्रवर्तक बनने की राह पर तेजी से बढ़ रहा है। सेमीकंडक्टर और चिप निर्माण की दिशा में भारत के प्रयास इसी परिवर्तन की सबसे सशक्त गवाही देते हैं। यह केवल तकनीकी विकास का संकेत नहीं है, बल्कि राष्ट्रीय आत्मगौरव, आत्मनिर्भरता और आत्मविश्वास की उड़ान भी है।

इक्कीसवीं शताब्दी में चिप वैश्विक शक्ति संतुलन का आधार बन चुकी है। आधुनिक जीवन का कोई भी क्षेत्र इससे अछूता नहीं है। मोबाइल फोन, कंप्यूटर, स्मार्ट यंत्र, वाहन, रेल, हवाई जहाज, रक्षा उपकरण, उपग्रह, स्वास्थ्य सेवाओं के उन्नत यंत्र, कृत्रिम बुद्धिमत्ता और रोबोट तक–हर क्षेत्र में चिप की अनिवार्यता स्पष्ट दिखाई देती है। इसीलिए जो राष्ट्र इस क्षेत्र में आत्मनिर्भर और सशक्त है, वही आने वाले समय में विश्व की राजनीति और अर्थव्यवस्था में निर्णायक भूमिका निभाएगा।

भारत की स्थिति लंबे समय तक इस क्षेत्र में कमजोर रही। भारी पूंजी निवेश, लगातार ऊर्जा और जल संसाधनों की आवश्यकता, प्रशिक्षित मानव संसाधन की कमी और अनुसंधान की उपेक्षा जैसे कारणों से भारत पिछड़ता रहा। चीन, ताइवान, अमेरिका और कोरिया जैसे देशों ने इस स्थिति का लाभ उठाकर वैश्विक बाजार पर प्रभुत्व कायम किया और भारत को केवल एक विशाल उपभोक्ता बाजार के रूप में देखा जाने लगा। किन्तु राष्ट्रों के जीवन में भी ऐसे क्षण आते हैं जब परिस्थितियाँ बदली हुई राह पर चलने को बाध्य करती हैं। भारत के लिए भी यही अवसर बीते कुछ वर्षों में आया और उसने चुनौती को अवसर में बदलने का संकल्प लिया।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में प्रारम्भ हुए ह्यडिजिटल इंडियाह्ण, ह्यमेक इन इंडियाह्ण और ह्यस्टार्टअप इंडियाह्ण जैसे अभियानों ने तकनीकी आत्मनिर्भरता की दिशा में नया उत्साह जगाया। इन अभियानों ने यह संदेश दिया कि भारत अब केवल उपभोक्ता नहीं, बल्कि निमार्ता भी बनेगा। वर्ष 2021 में घोषित भारत सेमीकंडक्टर मिशन ने इस संकल्प को ठोस आधार प्रदान किया।

इसके अंतर्गत गुजरात और कर्नाटक में चिप निर्माण पार्क स्थापित करने की दिशा में कार्य प्रारम्भ हुआ। ताइवान, जापान और अमेरिका की कंपनियों ने भारत में निवेश और सहयोग की इच्छा प्रकट की। अरबों डॉलर के निवेश प्रस्ताव आए और अनुसंधान संस्थानों को सीधे इस अभियान से जोड़ा गया। कोविड महामारी ने वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला की कमजोरियों को उजागर कर दिया। जब चीन और ताइवान के कारखाने ठप पड़े तो पूरी दुनिया में मोबाइल, वाहन और इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों का संकट खड़ा हो गया। कीमतें बढ़ीं, उत्पादन ठप हुआ और उपभोक्ताओं को भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ा।

जीएसटी 2.0 - भारत के वस्त्र क्षेत्र के सपनों को वास्तविकता में बदलने के लिए परिवर्तन का एक सूत्र

लेखक: केंद्रीय वस्त्र मंत्री गिरिराज सिंह

1 जुलाई, 2017 को भारत में दशकों का सबसे साहसिक आर्थिक सुधार हुआ। मानसून की उस एक सुबह, वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) ने 17 अलग-अलग करों और 13 उपकरों को एक एकीकृत ढांचे के साथ बदल दिया, जिससे मूल रूप से देश की राजकोषीय संरचना को नया आकार मिला। यह केवल एक कर सुधार नहीं था, यह एक राष्ट्र, एक कर, एक बाजार की ओर भारत की साहसिक यात्रा की शुरूआत थी।

आठ साल बाद अब यह परिवर्तन किसी असाधारण घटना से कम नहीं लगता है। कर संग्रह 2017-2018 के 7.19 लाख करोड़ रुपये से तीन गुना बढ़कर 2024-2025 में 22.08 लाख करोड़ रुपये की रिकॉर्ड वृद्धि के साथ तीन गुना हो गया है। इसके साथ ही करदाताओं का आधार 65 लाख से दोगुना होकर 1.5 करोड़ हो गया है, जिससे लाखों लघु उद्यमों को औपचारिक अर्थव्यवस्था में शामिल किया जा सका है। इस आधार पर आगे बढ़ते हुए, भारत ने अब 22 सितंबर, 2025 से अगली पीढ़ी के जीएसटी युग में प्रवेश कर लिया है, जिसमें इस प्रणाली को 5 प्रतिशत और 18 प्रतिशत के दो स्लैब में सुव्यवस्थित कर दिया गया है, साथ ही इसमें 40 प्रतिशत की स्लैब लग्जरी और डिमेरिट वस्तुओं के लिए रखी गई है।

घरों में दैनिक आवश्यकताओं की वस्तुएं, दवाओं और शिक्षा सामग्री की आपूर्ति पर 0 से 5 प्रतिशत के बीच कर लगने से परिवारों को अधिक बचत होगी, जबकि किसानों को ट्रैक्टरों, टायरों, कीटनाशकों और सिंचाई उपकरणों पर कम जीएसटी लगने से अधिक लाभ प्राप्त होगा जिससे इनपुट लागत में कमी आएगी और ग्रामीण आय में वृद्धि होगी। इसके साथ ही ऑटो सेक्टर को भी इससे बड़ी राहत मिली है क्योंकि स्कूटर और कारों पर जीएसटी 28 प्रतिशत से घटकर 18 प्रतिशत हो गया है। अब 2,500 रुपये तक की कीमत वाले (पहले 1,000 रुपये) रेडीमेड कपड़ों पर भी केवल 5 प्रतिशत जीएसटी लगेगा। मैंने एक कॉलेज छात्र से बातचीत की और जब उससे कपड़ों के बारे में पूछा तो उसने कहा, "अब त्योहारों की खरीदारी ने मेरी जेब पर पड़ने वाले बोझ को बहुत कम कर दिया है। अब उसी बजट से मैंने एक की बजाय दो ट्रेंडी शर्ट खरीदीं हैं। मुझे जीएसटी स्लैब के बारे में ज्यादा जानकारी तो नहीं है, लेकिन मुझे पता है कि अब कपड़े खरीदना अधिक सस्ता हो गया है।" इसके विपरीत, पान मसाला, तंबाकू, ऑनलाइन गेम्स, लग्जरी एसयूवी और कैसिनो जैसे लग्जरी और डिमेरिट सामान अब 40 प्रतिशत स्लैब के अंतर्गत आते हैं। इस सुधार ने फिट इंडिया, हेल्दी इंडिया के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को सुदृढ़ करते हुए उत्तरदायी उपभोग को बढ़ावा दिया है, जो बचत का एक वास्तविक स्वरूप है।

इन सुधारों से परिवारों, किसानों और उद्योगों को राहत मिलती है, वैसे ही ये हमारे वस्त्र क्षेत्र को भी नई ताकत देते हैं। जीएसटी 2.0 वस्त्र उद्योग के पूर्ण परिवर्तन का मार्ग प्रशस्त करता है, जो कृषि के बाद दूसरा सबसे बड़ा रोजगार उपलब्ध कराने वाला क्षेत्र है और आत्मनिर्भर भारत का एक जीवंत उदाहरण है।

जीएसटी 2.0, 350 बिलियन डॉलर के वस्त्र उद्योग को नई ऊर्जा प्रदान कर रहा है।

भारत में वस्त्र उद्योग बहुत बड़ा है, जो आजीविका और निर्यात दोनों को प्रभावित करता है। आज, इस उद्योग का आकार 179 बिलियन डॉलर है और यह 4.6 करोड़ से अधिक लोगों को रोजगार देता है, जिनमें से अधिकांश महिलाएं हैं। अब सरकार का लक्ष्य 2030 तक इस उद्योग के आकार को लगभग दोगुना करके 350 बिलियन डॉलर करना है, जिससे देश भर के परिवारों के लिए रोजगार और आय के और भी अधिक और नए अवसर पैदा होंगे।

भारत का संगठित घरेलू वस्त्र बाजार लगभग 142 से 145 बिलियन डॉलर का है और जब हम इसमें बड़े पैमाने पर असंगठित क्षेत्र को शामिल करते हैं, तो यह 155 से 160 बिलियन डॉलर के करीब हो जाता है। करों की दर को युक्ति संगत बनाने जैसे अगली पीढ़ी के जीएसटी सुधारों की शुरूआत के साथ एवं फाइबर-तटस्थ व्यवस्था को अपना कर निमार्ता अब बचत का लाभ सीधे खरीददारों को दे सकते हैं। उपभोक्ताओं, विशेषकर मध्यम वर्ग के परिवारों के लिए, जिनका 2047 तक भारत के लक्षित उपभोक्ता आधार का 60 प्रतिशत बनाने की उम्मीद है उनके लिए ये सुधार सबसे बड़ा लाभ लाएंगे। निम्न आय समूहों के साथ मिलकर, स्थानीय उद्योग को समर्थन देते हुए आवश्यक वस्त्रों के अधिक किफायती बनने से हर साल लगभग 8 से 10 बिलियन डॉलर की बचत होने का अनुमान है। ये सुधार कीमतों को कम करने से कहीं बढ़ कर है और यह सही मायनों में फैशन को और अधिक लोकप्रिय बनाने का प्रतिनिधित्व करता है।

वस्त्र क्षेत्र के लिए जीएसटी 2.0 के सबसे बड़े बदलावों में से एक लंबे समय से चले आ रहे इनवर्टेड ड्यूटी स्ट्रक्चर को ठीक करना है, जिसने मानव निर्मित फाइबर क्षेत्र को कमजोर कर दिया था। इससे पहले, मानव निर्मित रेशों पर 18 प्रतिशत, सूत पर 12 प्रतिशत और कपड़ों पर केवल 5 प्रतिशत कर लगाया जाता था। इस संरचना ने कच्चे माल को तैयार उत्पादों की तुलना में महंगा बना दिया, जिससे कार्यशील पूंजी अवरुद्ध हो गई और नया निवेश बाधित हुआ। जीएसटी 2.0 में अब मानव निर्मित क्षेत्र में एक समान 5 प्रतिशत कर है, जो सही अर्थों में फाइबर तटस्थ इकोसिस्टम सृजित कर रहा है। लाखों एमएसएमई के लिए, जो भारत के वस्त्र उद्योग का लगभग 80 प्रतिशत हिस्सा हैं, यह एक बड़ी राहत है। यह मानव निर्मित फाइबर क्षेत्र के लिए वैश्विक केंद्र बनने की भारत की महत्वाकांक्षा को मजबूत करता है और प्रतिवर्ष उत्पादित 22,000 मिलियन परिधानों को कम इनपुट लागत, बढ़ी हुई प्रतिस्पर्धा और अधिक बाजार मांग के साथ निर्मित करने में सक्षम बनाता है। यह सुधार न केवल कपड़ों को सस्ता बनाएगा और निर्यात को बढ़ावा देगा, बल्कि मेक इन इंडिया और आत्मनिर्भर भारत के सपने को भी मजबूत करेगा, जो हमारी विरासत और विकास दोनों को आगे बढ़ाएगा।एक उदाहरण से इसे समझते हैं। इससे पहले सूरत में महिलाओं की सिलाई इकाई में मानव निर्मित फाइबर और धागे की लागत इतनी अधिक थी कि उनका लाभ मार्जिन कम हो जाता था और ऑर्डर अक्सर विदेशों में चले जाते थे। अब, जीएसटी 2.0 द्वारा करों को घटाकर एक समान 5 प्रतिशत करने के साथ, उनकी निवेश लागत कम हो गई है, वे अधिक ऑर्डर प्राप्त कर सकते हैं, उचित मजदूरी का भुगतान कर सकते हैं और यहां तक कि अपने व्यवसाय का विस्तार भी कर सकते हैं। इस तरह एक राष्ट्रीय सुधार सीधे आम श्रमिकों और परिवारों के जीवन को प्रभावित करता है।

यह लाभ यहीं खत्म नहीं होते। वाणिज्यिक माल वाहनों पर जीएसटी 28 प्रतिशत से घटाकर 18 प्रतिशत तथा लॉजिस्टिक्स सेवाओं पर 12 प्रतिशत से घटाकर 5 प्रतिशत करने से वस्त्र आपूर्ति श्रृंखला में परिवहन लागत कम हो जाती है। यह सीधे तौर पर पीएम गति शक्ति और राष्ट्रीय लॉजिस्टिक्स नीति का सहयोग करता है और साथ ही वैश्विक बाजारों में भारतीय वस्त्र निर्यात को मजबूत बनाता है। जीएसटी 2.0 के सुधार एक साथ मिलकर वस्त्र मूल्य श्रृंखला के हर चरण को सशक्त बनाते हैं जैसे फाइबर बनाने से लेकर तैयार परिधान और विदेशी बाजार भेजने तक। इससे देश भर में विकास और रोजगार का सृजन होता है।

आम जनता पर प्रभाव-अगली पीढ़ी के जीएसटी सुधार हर जीवन को कैसे प्रभावित करते हैं

जीएसटी 2.0 का आर्थिक प्रभाव आम परिवारों के रोजमर्रा के जीवन में महसूस किया जा रहा है। उद्योग जगत का अनुमान है कि इससे प्रत्यक्ष उपभोग में लगभग 1.98 लाख करोड़ रुपये की वृद्धि होगी, तथा दरों में कमी के कारण परिवारों को प्रतिवर्ष लगभग 48,000 करोड़ रुपये की बचत होगी।इसे परिप्रेक्ष्य में रखने के लिए, 2014 में यूपीए सरकार के तहत, दैनिक जरूरतों पर प्रति वर्ष 1 लाख रुपये खर्च करने वाले एक परिवार ने लगभग 25,000 रुपये कर का भुगतान किया था। जीएसटी और जीएसटी 2.0 के बाद आज वही परिवार लगभग 5,000 रुपये से 6,000 रुपये का कर भुगतान करता है। यानी हर साल लगभग 20,000 रुपये की बचत होती है और यह पैसा बच्चों की शिक्षा, बेहतर पोषण और परिवार के कल्याण के लिए वापस परिवार के पास जाता है। आयकर छूट के साथ मिलकर सभी भारतीय परिवारों के प्रतिवर्ष लगभग 2.5 लाख करोड़ रुपये की बचत का अनुमान है। छोटे शहरों और गांवों में इसका प्रभाव और भी अधिक महत्वपूर्ण है, जहां भारत की लगभग 63 प्रतिशत आबादी रहती है। बेगूसराय में बाजारों की अपनी हाल के दिनों की यात्रा के दौरान, मैंने जीएसटी सुधारों के सकारात्मक प्रभाव को देखा। खुदरा विक्रेताओं ने कम दरों को ले कर अपनी प्रसन्नता व्यक्त की और ग्राहकों में इन सुधारों को ले कर उत्साह साफ झलक रहा था, क्योंकि त्योहारों के इस मौसम में खरीदारी करने के लिए ग्राहक बड़ी संख्या में आ रहे हैं। बाजारों में ग्राहकों की बढ़ती भीड़ से स्पष्ट है कि ये सुधार किस प्रकार एक जीवंत और सकारात्मक आर्थिक वातावरण का निर्माण कर रहे हैं, जो परिवारों और व्यवसायों दोनों के लिए वास्तविक लाभ है।

मासिक जीएसटी संग्रह जो वित्त वर्ष 2024-25 में 1.85 लाख करोड़ रुपये को पार कर गया था, अब लगातार 2 लाख करोड़ रुपये से अधिक होने का अनुमान है। इन सुधारों से न केवल नागरिकों पर वित्तीय बोझ कम हो रहा है, तथा इन कम दरों पर भी राजस्व में वृद्धि जारी रहेगी। यह एक दुर्लभ अवसर है, जहां सुधार जन-केंद्रित और वित्तीय रूप से सुदृढ़ हैं, जो परिवारों को मजबूत बनाते हुए भारत के आर्थिक भविष्य को सुरक्षित कर रहे हैं॥

सामाजिक संरचना-अर्थशास्त्र से आगे सशक्तिकरण तक

जीएसटी 2.0 के वस्त्र क्षेत्र के सुधार सिर्फ आर्थिक परिवर्तन से कहीं अधिक हैं, वे समावेशी विकास के बारे में हैं, जिनका सीधा प्रभाव पूरे भारत के 65 लाख बुनकरों और कारीगरों पर पड़ रहा है। इससे न केवल भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित करने में मदद मिलती है बल्कि इस क्षेत्र में काम करने वाली लाखों महिलाओं की आजीविका को भी सहारा मिलता है।

हथकरघा, हस्तशिल्प और कालीन पर जीएसटी को 12 प्रतिशत से घटाकर 5 प्रतिशत करने से यह पारंपरिक उत्पाद अब भारतीय और वैश्विक दोनों बाजारों में अधिक प्रतिस्पर्धी हो गए हैं। साथ ही, सिलाई मशीनों पर जीएसटी को 12 प्रतिशत से घटाकर 5 प्रतिशत करना भारत के महिला प्रधान वस्त्र क्षेत्र को प्रत्यक्ष प्रोत्साहन दे रहा है। पिछले दशक में ग्रामीण आय और व्यय दोगुना से अधिक हो गया है, जो 2011-12 के 1,430 रुपये प्रति माह से बढ़कर 2023-24 में 4,122 रुपये हो गया है। जीएसटी 2.0 के साथ, इस बढ़ती क्रय शक्ति से सीधे भारतीय निर्मित कपड़ों की मांग तेज होगी, जिससे बुनकरों, दर्जनों और परिधान कामगारों के लिए अधिक कार्य सृजित होंगे और इससे विकास का एक चक्र उत्पन्न होगा जिससे समाज का प्रत्येक वर्ग लाभान्वित होगा।हाल ही में एक कार्यक्रम में, मेरी मुलाकात कई स्वयं सहायता समूह (एसएचजी) दीदियों से हुई, जिन्होंने अपनी प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि सरकार ने पहले उन्हें लखपति दीदी बनाकर उन्हें सशक्त बनाया और अब जीएसटी सुधारों के माध्यम से आवश्यक वस्तुओं को अधिक किफायती बनाकर तथा आयकर सुधारों के माध्यम से उनके कर के बोझ को कम किया है। उन्होंने कहा कि इस बार की दिवाली उनके परिवारों के लिए अधिक उपहार और आनंदमय उत्सव के साथ वास्तविक खुशी ले कर आई है। ये सुधार अर्थव्यवस्था को तेज गति दे रहे हैं, आय बढ़ा रहे हैं और कर का बोझ कम कर रहे हैं। ऐसे समय में जब भारत तेजी से आत्मनिर्भरता की तरफ कदम बढ़ा रहा है तब हथकरघा और हस्तशिल्प क्षेत्र, हमारी स्वयं सहायता समूह दीदियों के साथ मिलकर वोकल फॉर लोकल और स्वदेशी आंदोलन की आत्मा के रूप में खड़ा है। हमारे कारीगर और बुनकर केवल इन परंपराओं को संरक्षित ही नहीं कर रहे हैं बल्कि वे आत्मनिर्भर भारत की ओर देश की यात्रा का वास्तविक आधार भी हैं।

जीएसटी 2.0 और विकसित भारत 2047 की राह

जैसे-जैसे भारत अमृतकाल में प्रवेश करते हुए 2047 की तरफ आगे बढ़ रहा है, जीएसटी 2.0 केवल कर सुधार के रूप में ही नहीं, बल्कि विकसित भारत के लिए विकास की रणनीति के रूप में भी हमारे सामने खड़ा है। टैक्स स्लैब को सरल बना कर, आम जन के पारिवारिक खर्चों को कम करके, किसानों को सशक्त बनाकर, एमएसएमई को सहायता प्रदान करके और वस्त्र जैसे श्रम-गहन उद्योगों को पुनर्जीवित करने से ले कर यह जीवन की सुगमता और व्यापार करने में आसानी दोनों को मजबूत करता है। फाइबर-न्यूट्रल जीएसटी विशेष रूप से परिवर्तनकारी है, जो मानव निर्मित और प्राकृतिक वस्त्रों में नई वृद्धि को बढ़ावा देगा, इसके साथ ही भारत को वैश्विक बाजार में अपनी हिस्सेदारी बढ़ाने, लाखों नए रोजगार सृजित करने और परिधान तथा घरेलू साज-सज्जा के क्षेत्र में एक सच्चे वैश्विक अग्रज के रूप में उभरने में सक्षम बनाएगा।

जैसा कि जीएसटी 2.0 इस नवरात्रि में लागू हो गया है, यह परिवारों के लिए बचत, किसानों के लिए राहत, व्यवसायों में वृद्धि और श्रमिकों के लिए रोजगार के अवसर लेकर आया है। यह प्रत्येक भारतीय के लिए दिवाली से पहले मिला एक वास्तविक उपहार है। संपूर्ण वस्त्र मूल्य श्रृंखला की ओर से, मैं माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी को भारत की अप्रत्यक्ष कर प्रणाली को सरलता, निष्पक्षता और विकास की ओर ले जाने में उनके दूरदर्शी नेतृत्व के लिए हार्दिक आभार व्यक्त करता हूं। जीएसटी 2.0 हमारी सुधार यात्रा में एक महत्वपूर्ण पड़ाव है और यह वर्ष 2047 तक भारत के विकसित राष्ट्र बनने की ओर अग्रसर होने का रोडमैप निर्धारित करता है।

स्वच्छ हवा, स्वस्थ लोग

विजय गर्ग

अंतर्राष्ट्रीय पर्यावरण स्वास्थ्य महासंघ (आईएफईएच) द्वारा इसकी शुरूआत के बाद 2011 में विश्व पर्यावरणीय स्वास्थ्य दिवस मनाया गया था। तब से, यह पानी की गुणवत्ता, खाद्य सुरक्षा, स्वच्छता और हाल ही में वायु प्रदूषण और जलवायु परिवर्तन जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों पर प्रकाश डालने के लिए एक अंतर्राष्ट्रीय मंच के रूप में कार्य किया है। यह दिन पर्यावरण स्वास्थ्य पेशेवरों के शांत लेकिन महत्वपूर्ण योगदान को पहचानने का एक क्षण है, जो बीमारी से बचाने और स्वस्थ रहने वाले वातावरण को बढ़ावा देने के लिए अथक प्रयास करते हैं। वर्ष 2025 में, इस दिन की 15वीं वार्षिक मान्यता तब होगी जब प्रदूषित वायु के खिलाफ भारत का संघर्ष सार्वजनिक स्वास्थ्य और विकास की एक महत्वपूर्ण चिंता बन गया है। भारत आज दुनिया के अधिकांश प्रदूषित शहरों की मेजबानी करने का शर्मनाक गौरव रखता है। स्विस कंपनी आईक्यूएयर द्वारा जारी विश्व वायु गुणवत्ता रिपोर्ट 2024 में भारत को वैश्विक स्तर पर पांचवां सबसे प्रदूषित देश माना गया है। दिल्ली अक्सर अपनी खतरनाक धुंध के कारण समाचारों पर हावी होती है, विशेष रूप से सर्दियों में जब वाहन निकास, औद्योगिक अपशिष्ट, फसल जलाने और निर्माण धूल का एक हानिकारक मिश्रण शहर को घेर लेता है। उदाहरण के लिए, नवंबर 2023 में दिल्ली का वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) कई दिनों में 450 से अधिक हो गया झ मानव स्वास्थ्य के लिए ह्यगंभीरह्ण और ह्यखतरनाकह्ण स्तर। कानपुर, लखनऊ, गाजियाबाद और पटना जैसे शहरों में अक्सर वायु गुणवत्ता की सीमाओं से काफी अधिक होती है, जिससे प्रतिदिन लाखों लोग खतरे में पड़ जाते हैं। यह मुद्दा बड़े शहरों से परे है; छोटे शहरी क्षेत्र भी असंगठित औद्योगिक क्षेत्रों और वाहनों की वृद्धि से बढ़ते प्रदूषण का सामना कर रहे हैं।

इस विषाक्त वायु के कारण स्वास्थ्य पर होने वाले प्रभाव भारी हैं। प्रदूषण और स्वास्थ्य पर लैंसेट आयोग ने कहा कि वायु प्रदूषण से भारत में 2019 में लगभग 1.6 मिलियन प्रारंभिक मौतें हुईं, जिससे इसे मृत्यु दर का प्राथमिक पर्यावरणीय जोखिम कारक माना गया। शहर के स्कूलों में अस्थमा, ब्रॉन्किटिस और फेफड़ों की वृद्धि को रोकने वाले मामलों की बढ़ती संख्या के साथ बच्चे विशेष रूप से जोखिम में हैं। वयस्कों को हृदय रोग, स्ट्रोक, फेफड़ों के कैंसर और यहां तक कि लंबे समय से संपर्क में आने वाले संज्ञानात्मक गिरावट का खतरा बढ़ जाता है। मानव स्वास्थ्य के अलावा, वायु प्रदूषण पशुधन और कृषि को प्रभावित करता है। कण पदार्थों के उच्च स्तर के संपर्क में आने वाले जानवर श्वसन संबंधी समस्याएं और दूध का उत्पादन कम होते हैं। वायु प्रदूषण के परिणामस्वरूप भूमि स्तर पर ओजोन, प्रकाश संश्लेषण को बाधित करके फसल उपज को खतरे में डालता है और पौधों की वृद्धि को रोकता है। वायु प्रदूषण भारत के लिए भी भारी आर्थिक बोझ लाता है। अनुमानों से पता चलता है कि देश की सकल घरेलू उत्पाद के लगभग 3 प्रतिशत के बराबर 95 अरब डॉलर और 150 बिलियन डॉलर का वार्षिक नुकसान होता है। ये नुकसान कई कारकों से आते हैं झ श्रम उत्पादकता में कमी, प्रदूषण-संबंधित बीमारियों के कारण स्वास्थ्य देखभाल की लागत बढ़ जाती है और समय से पहले मौतों के कारण आर्थिक उत्पादन कम होता है।

यह संकट कारकों के एक जटिल नेटवर्क में जड़ है। जलद शहरी विकास और औद्योगिक विकास, साथ ही पर्यावरण कानूनों का कमजोर कार्यान्वयन ने भारतीय शहरों को प्रदूषण के हॉटस्पॉट में बदल दिया है। निजी कारों में तेजी से वृद्धि और अपर्याप्त सार्वजनिक परिवहन के कारण वाहन उत्सर्जन मुख्य कारण बना हुआ है। कोयले से चलने वाले थर्मल पावर स्टेशन और ईंट विनिर्माण सुविधाएं प्रदूषकों की बड़ी मात्रा में उत्सर्जन करती हैं, जबकि निर्माण कार्य धूल उत्पन्न करते हैं जो हवा में रहती है। पंजाब और हरियाणा जैसे क्षेत्रों में मौसमी खरपतवार जलने से दिल्ली में शीतकालीन धुंध फैलती है। ग्रामीण और उपनगरीय घरों में खाना पकाने के लिए बायोमास का उपयोग आंतरिक और बाहरी वायु प्रदूषण दोनों में एक शांत लेकिन महत्वपूर्ण कारक है। सामूहिक रूप से, ये तत्व वायु प्रदूषण की आपात स्थिति बनाते हैं जो तत्काल समाधानों का विरोध करता है।

इस मुद्दे से निपटने में जनता की जागरूकता महत्वपूर्ण है। हालांकि सरकारी नियम और तकनीकी समाधान आवश्यक हैं, लेकिन नागरिकों का व्यवहार उनकी प्रभावशीलता निर्धारित कर सकता है। दिल्ली में ओड-ईवन वाहन प्रतिबंध या प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के माध्यम से स्वच्छ एलपीजी खाना पकाने वाले ईंधन को प्रोत्साहित करने जैसी पहल यह प्रदर्शित करती हैं कि सक्रिय सार्वजनिक भागीदारी से महत्वपूर्ण प्रगति की जा सकती है। दुर्भाग्यवश, प्रदूषण के स्वास्थ्य प्रभावों की समझ अभी भी कई समुदायों में सीमित है, जिसके परिणामस्वरूप देरी होती है। उदाहरण के लिए, उच्च धुंध वाले दिनों या शैक्षिक संस्थानों और कार्यस्थलों में नियमित वायु गुणवत्ता मूल्यांकन पर मास्क लागू करना दुर्लभ है। स्वच्छ नीतियों और जिम्मेदार जीवन जीने की मांग को बढ़ावा देने के लिए पर्यावरण स्वास्थ्य साक्षरता में सुधार करना महत्वपूर्ण है।

इस मुद्दे की गंभीरता को स्वीकार करते हुए, भारत ने वायु प्रदूषण से निपटने के लिए विभिन्न कानून और पहल लागू की हैं। 1981 में पारित वायु (प्रदूषण की रोकथाम और नियंत्रण) अधिनियम ने औद्योगिक उत्सर्जन की निगरानी के लिए आधार स्थापित किया।

1986 के पर्यावरण संरक्षण अधिनियम ने सरकार को पर्यावरणीय गुणवत्ता की रक्षा करने का व्यापक अधिकार दिया। हाल ही में, राष्ट्रीय स्वच्छ वायु कार्यक्रम (एनसीएपी) की शुरूआत 2019 तक 131 शहरों में कण पदार्थों के स्तर को 20-30 प्रतिशत कम करने का लक्ष्य रखा गया है। राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र और आसपास के राज्यों में प्रदूषण नियंत्रण की देखरेख करने के लिए 2021 में वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (उअदद) भी स्थापित किया गया था। इलेक्ट्रिक वाहनों, नवीकरणीय ऊर्जा और उद्योगों और वाहनों के लिए उत्सर्जन मानकों को बढ़ावा देने वाली नीतियां संकट से निपटने में भारत की प्रतिबद्धता दशार्ती हैं। फिर भी, काफी रिक्तियां बनी हुई हैं।

अमेरिका में हवाई यात्रा पर असर, शटडाउन पर गतिरोध जारी

एजेंसी

वाशिंगटन। अमेरिकी सरकार का शटडाउन अपने सातवें दिन में प्रवेश कर गया है, तथा देश भर के कई हवाई अड्डों पर उड़ानों में देरी की खबरें हैं। हवाई यातायात नियंत्रकों की कमी के कारण न्यूयॉर्क, डेनवर और लॉस एंजिल्स के हवाई अड्डों पर उड़ानें विलंबित रहीं। वाशिंगटन, डीसी, नेवार्क, न्यू जर्सी और जैक्सनविल, फ्लोरिडा में भी कर्मचारियों की कमी की खबरें आ रही हैं। कैलिफोर्निया के हॉलीवुड बरबैंक हवाई अड्डे से सोमवार को एक पायलट उड़ान भरने की तैयारी कर रहा था और उसने हवाई यातायात नियंत्रण टावर को रेडियो पर सूचना दी। लाइवएटीसी डॉट नेट द्वारा रिकॉर्ड किए गए ऑडियो के अनुसार, प्रस्थान के बारे में सामान्य बातचीत के बजाय पायलट को बताया गया, कर्मचारियों की कमी के कारण टावर बंद है। परिवहन सचिव सीन डफी ने इस संकट के लिए डेमोक्रेट्स को दोषी ठहराया और कहा कि विपक्षी दल हवाई यातायात नियंत्रकों और उनके परिवारों की भलाई को खतरे में डाल रहा है। उन्होंने 'एक्स' पर पोस्ट किया, 'हमारे हवाई यातायात नियंत्रण कर्मचारियों को काम पर जाने, वेतन पाने और सरकारी बंद के कारण उनके और उनके परिवारों की भलाई को खतरे में न डालने का हक है।'

लेबनान के क्रिश्चियन नेता का हिज्बुल्लाह को चेतावनी - 'जितनी जल्दी हो सके हथियार सौंपें'

माराब। लेबनान के प्रमुख क्रिश्चियन राजनेता समीर गियागिया ने हिज्बुल्लाह से अपने हथियार राज्य को तुरंत सौंपने का आह्वान किया है। उसने चेतावनी देते हुए कहा कि ईरान समर्थित इस समूह के पास अब विकल्प समाप्त हो चुके हैं। गियागिया ने अपनी निवासस्थान माराब, बीरुत के उत्तर से दिए इंटरव्यू में कहा कि हिज्बुल्लाह के पास कोई विकल्प नहीं बचा है, उन्हें अपने हथियार लेबनान राज्य को सौंपने होंगेज क्योंकि राज्य ने यह निर्णय लिया है। ईरान समर्थित हिज्बुल्लाह पिछले साल गाजा युद्ध में अपने फिलिस्तीनी सहयोगी हमास के पक्ष में हस्तक्षेप के बाद इजराइल द्वारा कमजोर किए जाने के बाद अपनी हथियार देने के लिए बढ़ते दबाव में है। अमेरिकी दबाव और इजराइल की संभावित सैन्य कार्रवाई के डर के बीच, लेबनानी सरकार इस समूह को निर्बल करने की कोशिश कर रही है, और सेना ने देश के दक्षिण में इसे लागू करने की योजना शुरू कर दी है।गियागिया ने कहा, हिज्बुल्लाह को निश्चित रूप से हमास के साथ वर्तमान स्थिति से सीख लेनी चाहिए। यही एक और कारण है कि उन्हें जल्द से जल्द हथियार राज्य को सौंपने चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि हिज्बुल्लाह का हथियार रखने का विरोध इसे राजनीतिक खेल और कानून के बाहर रखता है, और इसे राज्य के खिलाफ विद्रोही के रूप में पेश करता है।

पूर्व प्रधानमंत्री ओली और गृह मंत्री लेखक के खिलाफ पुलिस में दर्ज शिकायत को न्यायिक आयोग में भेजा गया

काठमांडू। काठमांडू जिला पुलिस ने पूर्व प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली और पूर्व गृहमंत्री रमेश लेखक के खिलाफ दायर शिकायत को पूर्व न्यायमूर्ति गौरी बहादुर कार्की के नेतृत्व में उच्च स्तरीय न्यायिक आयोग को जांच के लिए भेज दिया है। जेन जी विरोध प्रदर्शनों के चार पीड़ितों के परिवारों ने शिकायत दर्ज कराई थी, जिसमें आरोप लगाया गया था कि 8 और 9 सितंबर को प्रदर्शनकारियों पर कार्रवाई के दौरान दोनों नेता मानवता के खिलाफ अपराधों और राज्य अपराधों के लिए जिम्मेदार थे। काठमांडू वैली कमांड इंचार्ज एआईजी दान बहादुर कार्की ने बताया कि पुलिस ने शिकायत स्वीकार कर ली लेकिन आधिकारिक तौर पर इसे पंजीकृत नहीं किया गया। उन्होंने बताया कि मामला कार्की के नेतृत्व वाले न्यायिक आयोग के अधिकार क्षेत्र में आता है। अंतरिम सरकार द्वारा गठित उच्च-स्तरीय न्यायिक आयोग को जेन जी आंदोलन के दौरान शारीरिक और मानव हानि की सभी घटनाओं की जांच करने और बल के अत्यधिक उपयोग के लिए जवाबदेही निर्धारित करने का काम सौंपा गया है। शिकायत को अब औपचारिक रूप से आगे की जांच के लिए आयोग को स्थानांतरित कर दिया गया है।

शटडाउन के बीच ट्रंप ने कहा- कई सरकारी योजनाएं और नौकरियां स्थायी रूप से खत्म की जाएंगी

वॉशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि मौजूदा सरकारी शटडाउन के चलते उनका प्रशासन कई सरकारी कार्यक्रमों और नौकरियों को स्थायी रूप से समाप्त करने की योजना बना रहा है। ट्रंप ने कहा कि वे अगले चार या पांच दिनों में नौकरियों में कटौती से संबंधित विस्तृत जानकारी साझा करेंगे। उन्होंने बताया कि जिन कार्यक्रमों को बंद किया जाना है, उनकी पहचान पहले ही कर ली गई है। ट्रंप ने कहा, हम कई चीजों को खत्म करने जा रहे हैं और स्थायी रूप से खत्म करेंगे। उन्होंने आगे यह जोड़ते हुए कि डेमोक्रेट्स ने मुझे यह अवसर चांदी की थाली में परोस दिया है। ट्रंप ने संकेत दिया कि यदि शटडाउन जारी रहता है, तो कटौतियां काफी बड़ी होंगी। उन्होंने कहा कि कई नौकरियां कभी वापस नहीं आएंगी। जब ट्रंप से डेमोक्रेट्स के लिए उनके संदेश के बारे में पूछा गया, तो उन्होंने इसे कामकाजी हमला बताया। ट्रंप ने कहा, उन्होंने ही यह सब शुरू कियाज्यह लगभग एक कामकाजी हमला जैसा है। सच कहूं तो, यह बिल्कुल वैसा ही है उनके पास खोने के लिए कुछ नहीं है।

पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा में मुठभेड़, लेफ्टिनेंट कर्नल और मेजर समेत 11 सैन्यकर्मियों की मौत, 19 आतंकी ढेर

एजेंसी

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में आतंकवादियों से मुठभेड़ में सेना को भारी नुकसान हुआ है। पाकिस्तानी सेना की मीडिया शाखा इंटर-सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस (आईएसपीआर) ने कहा कि इस मुठभेड़ में एक लेफ्टिनेंट कर्नल और एक मेजर सहित 11 सैन्यकर्मियों की मौत हो गई। इस मुठभेड़ में प्रतिबंधित तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) के 19 आतंकी भी मारे गए। डान अखबार के अनुसार, आईएसपीआर ने बुधवार को यह जानकारी दी। आईएसपीआर के अनुसार, यह मुठभेड़ खैबर पख्तूनख्वा के ओरकजई जिले में हुई। इसमें एक लेफ्टिनेंट कर्नल और एक मेजर सहित 11 सैन्यकर्मी शहीद हो गए। आईएसपीआर ने कहा कि मुठभेड़ में 19 आतंकी भी मारे गए। गोलीबारी के दौरान 39 वर्षीय लेफ्टिनेंट कर्नल जुनैद आरिफ और 33 वर्षीय मेजर तैय्यब राहत की भी मौत हो गई। जान गंवाने वाले सैन्यकर्मियों में 38 वर्षीय नायब सूबेदार आजम गुल, 35 वर्षीय नायक आदिल हुसैन, 34 वर्षीय नायक गुल अमीर, 31 वर्षीय लांस नायक शेर खान, 32 वर्षीय लांस नायक तालिश फ़राज, 32 वर्षीय लांस नायक इरशाद हुसैन, 28 वर्षीय सिपाही तुफैल खान, 23 वर्षीय सिपाही आकिब अली और 24 वर्षीय सिपाही मोहम्मद जाहिद भी हैं। प्रधानमंत्री शाहबाज शरीफ ने 19 आतंकवादियों को मार गिराने के लिए देश के सुरक्षा बलों की प्रशंसा करते हुए लेफ्टिनेंट कर्नल आरिफ और मेजर राहत की मौत पर दुख जताया है। उल्लेखनीय है कि पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा और बलोचिस्तान में आतंकवादी हमलों में लगातार वृद्धि हो रही है। प्रतिबंधित तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) के 2022 में सरकार के साथ संघर्ष विराम समझौता तोड़ने के बाद हमलों में वृद्धि हुई है।

नेपाल सरकार आठ-नौ सितंबर की घटनाओं में शामिल लोगों के खिलाफ कार्रवाई के लिए स्वतंत्र- न्यायिक आयोग

एजेंसी

काठमांडू। पिछले माह आठ और नौ सितंबर की घटनाओं की जांच के लिए गठित न्यायिक आयोग ने आज साफ कर दिया कि सरकार को आरोपितों के खिलाफ कार्रवाई के लिए उसकी रिपोर्ट का इंतजार करने की आवश्यकता नहीं है। रिटायर्ड जस्टिस गौरी बहादुर कार्की के नेतृत्व में गठित आयोग ने स्पष्ट किया कि सरकार आयोग के निष्कर्षों की प्रतीक्षा किए बिना आपराधिक कृत्यों में शामिल किसी भी व्यक्ति के खिलाफ गिरफ्तारी जैसी कार्रवाई भी कर सकती है। न्यायिक जांच आयोग का यह बयान ऐसे समय पर आया है जब पुलिस ने पूर्व प्रधानमंत्री केपी ओली तथा पूर्व गृहमंत्री रमेश लेखक के खिलाफ दायर की गई एफआईआर पर कार्रवाई करने के बजाए उसे आयोग के पास भेज दिया है। रिटायर्ड जस्टिस गौरी बहादुर कार्की ने कहा कि 29 सितंबर को गृह मंत्रालय के एक बयान के जवाब में पहले ही कहा जा चुका है कि किसी भी फौजदारी मामले में न्यायिक आयोग के रिपोर्ट की प्रतीक्षा करने की आवश्यकता नहीं है। उन्होंने कहा कि आयोग का जनादेश भौतिक और मानवीय नुकसान से संबंधित जानकारी या शिकायतों को एकत्र करना, उनका विश्लेषण करना और आवश्यक कार्रवाई के लिए सिफारिशें प्रदान करना है। गृह मंत्रालय ने पहले कहा था कि आयोग के अधिकार क्षेत्र के मुद्दों को नियमित तंत्र के माध्यम से तब तक नहीं संभाला जाएगा जब तक कि आयोग का काम पूरा नहीं हो जाता। जस्टिस कार्की का कहना है ।

अमेरिका में शटडाउन की मार छुट्टी पर भेजे गए संघीय कर्मचारियों पर, वेतन पर संकट

एजेंसी

वाशिंगटन। अमेरिका में सरकारी शटडाउन की मार छुट्टी पर भेजे गए संघीय कर्मचारियों के वेतन पर पड़ सकती है। इस बात के पूरे आसार हैं कि इन कर्मचारियों को पिछला वेतन नहीं मिल पाएगा। व्हाइट हाउस ने संकेत दिया है कि वह छुट्टी पर गए संघीय कर्मचारियों को पिछला वेतन देने से इनकार कर सकता है।

सरकारी शटडाउन से उत्पन्न हालात पर अमेरिका के लगभग सभी प्रमुख समाचार माध्यमों में चर्चा की गई है। ऑनलाइन न्यूज पोर्टल पॉलिटिको की रिपोर्ट के अनुसार, यूनियन नेताओं और डेमोक्रेटिक सांसदों ने कहा कि यह कदम राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के पहले कार्यकाल में पारित कानून के विपरीत होगा। व्हाइट हाउस ने कहा है कि छुट्टी पर भेजे गए संघीय कर्मचारियों को वेतन नहीं मिलने के आसार हैं। ओवल ऑफिस में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि प्रशासन को सबकी चिंता है, लेकिन कुछ लोग ऐसे भी हैं जो देखभाल के लायक नहीं हैं। एक्सियोस ने व्हाइट हाउस के कड़े रुख की सबसे पहले सूचना दी। इसके बाद राजनीतिक उथल-पुथल शुरू हो गई। व्हाइट हाउस और प्रबंधन एवं बजट कार्यालय के प्रशासनिक अधिकारियों ने इस बात को स्वीकार किया है। लेकिन उन्होंने इस मुद्दे पर सार्वजनिक रूप से टिप्पणी करने से इनकार कर दिया।

ट्रंप ने कहा कि डेमोक्रेट्स ने बहुत से लोगों को जोखिम और संकट में डाल दिया है।

उल्लेखनीय है कि ट्रंप ने अपने पहले कार्यकाल के दौरान 35 दिनों से ज्यादा समय तक चले शटडाउन के बाद एक कार्यकारी आदेश पर हस्ताक्षरित किया था। यह आदेश पिछले वेतन की गारंटी प्रदान करता है। मगर ताजा रुख ने छुट्टी पर चल रहे 7,50,000 संघीय कर्मचारियों के सामने वेतन का संकट खड़ा कर दिया है। स्पीकर माइक जॉनसन का कहना है कि उन्होंने पिछले वेतन की गारंटी देने वाले 2019 के कानून के लिए मतदान किया था। जॉनसन ने पत्रकारों से कहा कि व्हाइट हाउस के ताजा आदेश पर बहस होगी। उम्मीद है कि छुट्टी पर गए कर्मचारियों को पिछला वेतन मिल जाएगा। कुछ कानूनी विश्लेषकों का मानना है कि सरकार को ऐसा नहीं करना चाहिए। डेमोक्रेट्स को इस पर तत्काल कठोर फैसला लेना चाहिए।

इस बीच व्हाइट हाउस ने 2024 के चुनाव में ट्रंप के खिलाफ मतदान करने वाले राज्यों कैलिफोर्निया, न्यूयॉर्क और न्यू जर्सी के लिए ऊर्जा और बुनियादी ढांचे के वित्तपोषण को निलंबित कर दिया है। उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने कहा है कि शटडाउन से संबंधित किसी भी नौकरी में कटौती के लिए डेमोक्रेट्स जिम्मेदार होंगे। सीएनबीसी की रिपोर्ट के अनुसार, डोनाल्ड ट्रंप ने यह भी संकेत दिया कि सरकारी शटडाउन के दौरान छुट्टी पर भेजे गए कुछ संघीय कर्मचारियों को काम पर लौटने के बाद भी पिछला वेतन नहीं मिलेगा।

अमेरिकी सीनेट की भारत के राजदूत के रूप में सर्जियो गोर के नाम पर हां

एजेंसी

वाशिंगटन। अमेरिकी में सरकारी शटडाउन के बीच सीनेट ने भारत में अमेरिका के अगले राजदूत के रूप में सर्जियो गोर के नाम पर मुहर लगा दी। दो माह पहले राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सर्जियो गोर को भारत के नए राजदूत के रूप में नामांकित किया था। सीनेट ने राष्ट्रपति के 100 से अधिक नामांकित लोगों की सूची को हरी झंडी दिखाई। 38 वर्षीय गोर को राष्ट्रपति ट्रंप का बेहद करीबी माना जाता है।

फॉक्स न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, सीनेट रिपब्लिकन ने पार्टी लाइन के दायरे में मतदान करके ट्रंप के 107 नामांकितों के समूह की पुष्टि की। अब सीनेट के कैलेंडर में लंबित शेष नामांकितों की संख्या घटकर दहाई अंक में रह गई। ऊपरी सदन में सरकारी शटडाउन के बीच गतिरोध के दौरान सीनेट में हुए मतदान को महत्वपूर्ण माना जा रहा है। सीनेट ने ट्रंप के कई शीर्ष सहयोगियों के नामों को मंजूरी प्रदान की है। इनमें पूर्व रिपब्लिकन सीनेट उम्मीदवार और पूर्व एनएफएल स्टार हर्शल वॉकर भी शामिल हैं। सीनेट ने वॉकर को

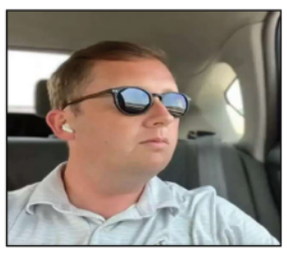

बहामास और गोर को भारत में अगला अमेरिकी राजदूत नियुक्त करने के पक्ष में मतदान किया। सीनेट में गोर के पक्ष में 51 और विरोध में 47 वोट पड़े। सीनेट ने प्रतिभूति एवं विनिमय आयोग के अध्यक्ष पॉल एटकिंस की 2031 तक आयोग में पुनर्नियुक्ति को भी मंजूरी प्रदान की है। सीनेट में हुए इस मतदान को अल्पसंख्यक नेता चक शूमर और उनके कॉकस के लिए तगड़ा झटका माना जा रहा है। एक अन्य रिपोर्ट के अनुसार, सीनेट ने कैलिफोर्निया के पॉल कपूर और फ्लोरिडा की अंजनि सिन्हा के नामांकन को भी मंजूरी प्रदान कर दी।

ट्रंप ने पॉल कपूर को दक्षिण एशियाई मामलों के लिए सहायक विदेश मंत्री और अंजनि सिन्हा को सिंगापुर गणराज्य का राजदूत नामित किया था। उल्लेखनीय है कि अगस्त में राष्ट्रपति ट्रंप के कार्मिक निदेशक गोर को भारत में अगले अमेरिकी राजदूत और दक्षिण एवं मध्य एशियाई मामलों के लिए विशेष दूत के रूप में नामित किया गया था। पिछले माह सीनेट की विदेश संबंध समिति में अपने नाम की पुष्टि के लिए हुई सुनवाई में गोर ने भारत को अमेरिका का महत्वपूर्ण रणनीतिक साझेदार बताया था।

भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ना हर व्यक्ति की साझा जिम्मेदारी: मुख्यमंत्री मीर सरफराज बुगती

एजेंसी

क्वेटा। पाकिस्तान के बलोचिस्तान में प्रशासनिक विफलता और बलोच लड़ाकों के लगातार हो रहे हमलों के बीच मुख्यमंत्री मीर सरफराज बुगती ने प्रांत में भ्रष्टाचार की बात स्वीकार की है। उन्होंने कहा कि इसके खिलाफ लड़ना हर व्यक्ति की साझा जिम्मेदारी है।

अखबार डॉन के मुताबिक, बुगती ने मंगलवार को बलोचिस्तान सूचना प्रौद्योगिकी, इंजीनियरिंग एवं प्रबंधन विज्ञान विश्वविद्यालय (बीयूआईटीइएमएस) में भ्रष्टाचार रोधी दिवस पर एक समारोह को संबोधित करते हुए यह बात कही।

उन्होंने कहा कि भ्रष्टाचार बलोचिस्तान के लिए एक बड़ी चुनौती है जिसने प्रांतीय विभागों की अखंडता को कमजोर किया है, सामाजिक एकजुटता को प्रभावित किया है और युवाओं का सार्वजनिक संस्थानों में विश्वास कम किया है।

बुगती ने जोर दिया कि सुरक्षा बल कानून-व्यवस्था की चुनौतियों से निपटने के लिए पूरी तरह से सक्षम हैं। हालांकि उन्होंने साफ किया कि भ्रष्टाचार के उन्मूलन के बिना विकास

और सत्ता का सफल संचालन संभव नहीं है। इस अवसर पर उन्होंने बलोचिस्तान की पहली युवा नीति की शुरुआत की घोषणा भी की। इसके तहत युवाओं से प्रांत के खिलाफ प्रचार को विफल करने और राज्य के प्रति प्रतिबद्ध रहने का आग्रह किया गया। उन्होंने युवाओं की रोजगार और शासन से संबंधित शिकायतों को स्वीकार किया लेकिन जोर दिया कि इसके कारण उन्हें राष्ट्र से अलग नहीं होना चाहिए। उन्होंने कहा कि युवाओं को पाकिस्तान के खिलाफ किसी भी प्रचार का हिस्सा नहीं बनना चाहिए और उन्हें देश के विकास के लिए काम करना चाहिए। मेरिट-आधारित सुधारों पर प्रकाश डालते हुए बुगती ने ध्यान दिलाया कि शिक्षा विभाग में 12 हजार से 16 हजार शिक्षकों की भर्ती मेरिट के आधार पर की गई है। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार भ्रष्टाचार से निपटने के लिए नेशनल अकाउंटेबिलिटी ब्यूरो (नैब) की टीम और भ्रष्टाचार रोधी अन्य संस्थानों को मजबूत कर रही है। मुख्यमंत्री ने जोर दिया कि भ्रष्टाचार वित्तीय अनियमितताओं से परे लापरवाही और सार्वजनिक विश्वास का उल्लंघन है। उन्होंने अधिकारियों, शिक्षकों और छात्रों समेत प्रदेश की जनता का आह्वान किया कि वे इस बाबत अपनी भूमिकाओं के प्रति सजग रहें और सभी मामलों में पारदर्शिता बनाए रखें।

नेपाल में आम चुनाव पर सर्वदलीय बैठक 16 अक्टूबर को

एजेंसी

काठमांडू। नेपाल के निर्वाचन आयोग ने अगले साल पांच मार्च को होने वाले प्रतिनिधि सभा के चुनाव के बारे में सभी राजनीतिक दलों के साथ चर्चा करने की तैयारी कर रहा है। इसके लिए आयोग ने सर्वदलीय बैठक बुलाई है। कार्यवाहक मुख्य चुनाव आयुक्त रामप्रसाद भंडारी ने बताया कि 16 अक्टूबर को यह सर्वदलीय बैठक बुलाने को लेकर सभी को पत्र भेजा गया है। भंडारी ने बताया कि इस बैठक में विघटित प्रतिनिधि सभा में प्रतिनिधित्व करने वाले सभी दलों के प्रतिनिधियों को बुलाया गया है। इसके अलावा प्रदेश और पालिका स्तर पर भी एक भी सीट जीतने वाली पार्टी के प्रतिनिधियों को भी बुलाया गया है। निर्वाचन आयोग ने आम चुनाव को लेकर कार्यक्रम प्रकाशित कर दिया है, जिसमें 17-26 नवंबर तक पार्टी पंजीकरण, 18 नवंबर से जिला स्तरीय चुनाव कार्यालयों की स्थापना और समानुपातिक उम्मीदवारों के लिए 1 दिसंबर से प्रक्रिया शुरू किए जाने का निर्णय किया गया है। समानुपातिक उम्मीदवारों की बंद सूची जमा करने के लिए 2-3 जनवरी के लिए निर्धारित है। इसी तरह 15 फरवरी से 1 मार्च, 2026 तक चुनाव प्रचार का समय तय किया गया है। 2 मार्च से 4 मार्च तक मौन अवधि के लिए रखा गया है। मतदान 5 मार्च, 2026 को सुबह 7 बजे से शाम 7 बजे तक निर्धारित है। 8-9 सितंबर के जेन जी विरोध प्रदर्शनों के बाद गठित सुशीला कार्की के नेतृत्व में अंतरिम सरकार ने संसद के भंग होने के बाद चुनाव की तारीख की घोषणा की थी।

संरा ने सशस्त्र समूहों से 410 बच्चों को कराया मुक्त

एजेंसी

संयुक्त राष्ट्र। संयुक्त राष्ट्र (संरा) शांति सैनिकों और संयुक्त राष्ट्र बाल कोष (यूनिसेफ) ने पूर्वी कांगो लोकतांत्रिक गणराज्य (डीआरसी) में सशस्त्र समूहों द्वारा बंधक बनाए गए 410 बच्चों को मुक्त कराने के लिए मिलकर काम किया। संरा के एक प्रवक्ता ने मंगलवार को यह जानकारी दी।

संरा महासचिव एंटोनियो गुटेरेस के प्रवक्ता स्टीफन दुजारिक ने कहा कि डीआरसी में शांति मिशन (जिसे मोनुस्को के नाम से जाना जाता है) ने जनवरी से सितंबर तक यूनिसेफ के साथ मिलकर उत्तरी किवु और इतुरी प्रांतों में सशस्त्र समूहों द्वारा बंधक बनाए गए 344 लड़कों और 66 लड़कियों को मुक्त कराया। दुजारिक ने कहा कि मुक्त कराए गए बच्चों को ऐसी सेवाओं के लिए भेजा गया है जो उन्हें उनके अनुभव के बाद सामान्य जीवन में फिर से

ढलने में मदद करेंगी। उन्होंने कहा, इसी अवधि के दौरान, संयुक्त राष्ट्र द्वारा बच्चों की भर्ती और (सशस्त्र समूहों द्वारा) इस्तेमाल के 165 मामलों की पुष्टि की गई, जिनमें 30 लड़कियां और 135 लड़के शामिल थे। हमारे सहयोगियों ने हमें बताया कि ये आँकड़े संघर्ष प्रभावित क्षेत्रों में बच्चों की निरंतर भेद्यता को रेखांकित करते हैं और रोकथाम, जवाबदेही और दीर्घकालिक पुनर्एकीकरण सहायता सहित निरंतर सुरक्षा उपायों की तत्काल आवश्यकता को भी उजागर करते हैं। दुजारिक ने कहा कि विश्व निकाय के बाल एवं सशस्त्र संघर्ष ढाँचे के अंतर्गत, शांति मिशन बच्चों के विरुद्ध गंभीर उल्लंघनों को रोकने और उनका जवाब देने के लिए काम करते हैं, जिसमें सशस्त्र बलों और समूहों द्वारा उनकी भर्ती और उपयोग भी शामिल है। उन्होंने कहा कि मोनुस्को, जवाबदेही को बढ़ावा देने और बाल संरक्षण को बढ़ाने के उद्देश्य से, कार्य योजनाओं को लागू करने, सुरक्षा बलों की क्षमता को मजबूत करने और संयुक्त राष्ट्र की निगरानी एवं रिपोर्टिंग प्रणाली के माध्यम से उल्लंघनों की रिपोर्ट करने में डीआरसी के राष्ट्रीय अधिकारियों का समर्थन करता है।

अमेरिका के कैलिफोर्निया में दिवाली के दिन छुट्टी, स्कूल-कॉलेज और सरकारी दफ्तर रहेंगे बंद

एजेंसी

वॉशिंगटन । दीवाली का त्योहार जैसे-जैसे करीब आ रहा है, भारत के अलग-अलग हिस्सों में हलचल तेज हो रही है। बाजार और घरों की साफ-सफाई और सजावट शुरू हो चुकी है। हालांकि, दीवाली के इस त्योहार की जगमगाहट भारत तक ही सीमित नहीं रह गई है, बल्कि दुनिया के अलग-अलग हिस्सों में भी दीवाली मनाई जाने लगी है। इसी क्रम में अमेरिका के कैलिफोर्निया में दीवाली के दिन छुट्टी की घोषणा की गई है। कैलिफोर्निया के गवर्नर गेविन न्यूसम ने असेंबली बिल 268 पर साइन करके इसे आधिकारिक तौर पर राज्य की छुट्टियों की लिस्ट में शामिल कर दिया है। इस कानून के तहत कैलिफोर्निया के सरकारी कार्यालय, कम्युनिटी कॉलेज और सरकारी स्कूलों में दीवाली की छुट्टी होगी। इसके अलावा स्कूलों और शैक्षणिक संस्थानों को दिवाली के मौके पर कार्यक्रम आयोजित करने की अनुमति भी मिल गई है। बता दें कि पेंसिल्वेनिया अमेरिका का पहला राज्य है, जहां दिवाली के मौके पर अवकाश घोषित किया गया था। इसके अलावा कनेक्टिकट और न्यूयॉर्क में भी दिवाली के मौके पर छुट्टी होती है। पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन के पूर्व सलाहकार और सिलिकॉन वैली के प्रसिद्ध उद्यमी और समाजसेवी अजय जैन भूटोरिया ने इस मौके पर कैलिफोर्निया के गवर्नर को धन्यवाद देते हुए कहा, ÷धन्यवाद गवर्नर न्यूसम, एबी 268 पर हस्ताक्षर करके दिवाली को कैलिफोर्निया का अवकाश बनाने के लिए सीनेट सदस्य अश कालरा और डॉ. दर्शन पटेल को इस विधेयक का समर्थन करने और इसे अंतिम रूप देने, प्रकाश, एकता और हमारे विविध समुदायों का जश्न मनाने के लिए बहुत-बहुत धन्यवाद। अश कालरा ने पिछले महीने कहा था, कैलिफोर्निया भारतीय अमेरिकियों की सबसे बड़ी आबादी वाला स्थान है और दिवाली को आधिकारिक राजकीय अवकाश घोषित करने से लाखों कैलिफोर्निया वासियों तक इसका संदेश पहुंचेगा जो इसे मनाते हैं और विविधता से भरे हमारे राज्य में कई लोगों को इसे अपनाने में मदद मिलेगी। मॉरीशस में भारी संख्या में भारतीय मूल की आबादी होने की वजह से दीवाली के दिन राष्ट्रीय अवकाश है। इसके अलावा मलेशिया में हरी दीवाली के नाम से दीवाली की छुट्टी होती है।

इक्वाडोर के राष्ट्रपति की कथित तौर पर हत्या की कोशिश, 500 लोगों ने नोबोआ के काफिले को घेरा

क्विटो। इक्वाडोर के राष्ट्रपति डेनियल नोबोआ की कथित तौर पर हत्या की कोशिश का मामला सामने आया है। इक्वाडोर सरकार की ओर से साझा जानकारी के अनुसार राष्ट्रपति नोबोआ दक्षिणी प्रांत कैनर की यात्रा पर थे, जिस दौरान कथित तौर पर उनकी हत्या की कोशिश की गई। मामले में आपराधिक शिकायत दर्ज कराई गई है। पर्यावरण एवं ऊर्जा मंत्री इनेस मंज़ानो ने इस मामले में जानकारी दी है कि नोबोआ के काफिले पर एल ताम्बो शहर में हमला हुआ। हमले के दौरान नोबोआ अपने काफिले के साथ नए सार्वजनिक कार्यों के उद्घाटन के लिए स्टेडियम जा रहे थे। इनसे मंजानो ने मीडिया को बताया, करीब 500 लोग आए और पत्थर फेंकने लगे। राष्ट्रपति की कार पर गोलियों के निशान भी हैं। नोबोआ को कोई नुकसान नहीं पहुंचा है। वहीं इस मामले में पुलिस ने पांच संदिग्धों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने जिन लोगों को गिरफ्तार किया है, उनपर आतंकवाद के आरोप लगाए जाएंगे। इस घटना के दौरान राष्ट्रपति के काफिले में शामिल कई वाहनों को नुकसान पहुंचा है। राष्ट्रपति कार्यालय ने हमलावरों पर एक सामुदायिक परियोजना के उद्घाटन को रोकने की कोशिश करने का आरोप लगाया। दरअसल, 12 सितंबर को नोबोआ सरकार ने डीजल पर सब्सिडी खत्म करने के फैसले का ऐलान किया। राष्ट्रपति के ऐलान के बाद ईंधन की कीमत में बढ़ोतरी हुई है। ईंधन की कीमत बढ़ने को लेकर लोगों में काफी गुस्सा था।

ओली की संभावित गिरफ्तारी पर प्रधानमंत्री कार्की ने की सुरक्षा प्रमुखों के साथ समीक्षा

एजेंसी

काठमांडू। पूर्व प्रधानमंत्री के.पी. शर्मा ओली की संभावित गिरफ्तारी और उसके बाद उत्पन्न होने वाली परिस्थिति को लेकर प्रधानमंत्री सुशीला कार्की, गृह मंत्री ओम प्रकाश आर्यल की सुरक्षा एजेंसियों के प्रमुखों सहित प्रधानमंत्री आवास पर बीती रात 10 बजे से सुबह 3 बजे तक बैठक हुई। बैठक में ओली की गिरफ्तारी के बाद उत्पन्न होने वाली संभावित चुनौतियों पर चर्चा की गई। पूर्व प्रधानमंत्री के.पी. शर्मा ओली, पूर्व गृह मंत्री रमेश लेखक और काठमांडू के तत्कालीन मुख्य जिला अधिकारी छविलाल रिजाल सहित अन्य के खिलाफ गिरफ्तारी और कार्रवाई को लेकर दबाव लगातार बढ़ रहा है। बैठक में चुनाव की तैयारियों, तत्कालीन प्रधानमंत्री ओली और गृह मंत्री लेखक को गिरफ्तार किए जाने या न किए जाने की स्थिति में उत्पन्न होने वाली स्थिति, दंगों की आशंका और धार्मिक सद्भाव बिगाड़ने के लिए किए जा रहे प्रयासों पर चर्चा हुई।

नेपाल पुलिस के प्रमुख आईजीपी चंद्र कुबेर खापुंग ने बताया

कि चर्चा में गिरफ्तारी करने और नहीं करने दोनों ही स्थितियों में उत्पन्न होने वाली चुनौतियों पर चर्चा केंद्रित रही। इस बैठक में खापुंग के अलावा नेपाली सेना के प्रधान सेनापति अशोक राज सिग्देल, सशस्त्र प्रहरी बल के आईजीपी राजू अर्याल और राष्ट्रीय अनुसंधान विभाग के निदेशक टेकेंद्र कार्की मौजूद थे। प्रधानमंत्री सुशीला कार्की और गृहमंत्री ओमप्रकाश आर्यल दोनों ही ओली और लेखक की गिरफ्तारी के पक्ष में दिखाई दे रहे हैं जबकि सुरक्षा प्रमुखों का मानना है कि इससे स्थिति और अधिक बिगड़ सकती है। गृहमंत्री अर्याल ने कहा कि निहत्थे युवाओं पर गोली चलाने और 76 युवाओं की जान गंवाने को लेकर किसी को तो जिम्मेदार ठहराना होगा। उन्होंने कहा कि अगर सुरक्षाकर्मी पूर्व प्रधानमंत्री और पूर्व गृहमंत्री को गिरफ्तार नहीं करते हैं तो जेन जी समूह और अधिक आक्रामक तरीके से सड़क पर उतर सकती है। गृहमंत्री अर्याल ने कहा अगर हम जेन जी समूह द्वारा शुरू से ओली और लेखक की गिरफ्तारी की मांग को दरकिनार करेंगे, तो इससे और नुक़सान हो सकता है। और ज़्यादा खून-खराबा हो सकता है, चुनाव का माहौल बिगड़ सकता है। बैठक में शामिल सशस्त्र प्रहरी बल के महानिरीक्षक राजू अर्याल ने कहा, अगर वे ओली और लेखक को गिरफ्तार करने की दिशा में आगे बढ़ते हैं, तो दोनों पक्षों के सड़क पर उतरने और आपसी टकराव की आशंका है। सुरक्षा बलों का आकलन है कि ओली की गिरफ्तारी के बाद उनकी पार्टी के भी हजारों कार्यकर्ता सड़क पर उतर सकते हैं जिसके बाद दोहरे झड़प की आशंका है। क्या सरकार उस स्थिति से निबटने के लिए तैयार है? आईजीपी अर्याल ने कहा कि इससे चुनाव का माहौल बिगड़ सकता है। स्थिति नियंत्रण से बाहर जा सकती है।

सीबीआईसी ने आईएफएससी कोड के लिए सिस्टम-आधारित स्वतः अनुमोदन शुरू किया

एजेंसी
नई दिल्ली। केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर और सीमा शुल्क बोर्ड (सीबीआईसी) ने कारोबार सुगमता को बढ़ाने के लिए भारतीय वित्तीय प्रणाली कोड (आईएफएससी) कोड पंजीकरण के लिए प्रणाली-आधारित स्वतः स्वीकृति की शुरुआत की है। वित्त मंत्रालय ने जारी एक बयान में बताया कि सीमा शुल्क प्रक्रियाओं को सुव्यवस्थित करने और व्यापार सुविधा को बढ़ाने की दिशा में एक और कदम उठाते हुए यह शुरुआत की गई है। इस नई पहल के तहत प्रणाली स्वतः ही उन अनुरोधों को स?वीकृति प्रदान करेगी, जिनमें किसी विशेष आयातक निर्यातक कोड के लिए समान प्रोत्साहन बैंक खाता और आईएफएससी कोड संयोजन पहले से किसी एक सीमा शुल्क केंद्र पर स्वीकृत हो चुका है और अब उसे अन्य स्थानों पर पंजीकृत किया जा रहा है। इस प्रकार बंदरगाह अधिकारी द्वारा मैन्युअल हस्तक्षेप की आवश्यकता समाप्त हो जाएगी तथा प्रणाली सीधे ऐसे अनुरोधों को स्वीकृत कर देगी। मंत्रालय के मुताबिक यह पहल निम्नलिखित उद्देश्यों के लिए की गई हैः- बैंक खाते और आईएफएससी कोड स्वीकृति अनुरोधों के त्वरित निपटान करने के लिए, अनेक बंदरगाहों पर पंजीकरण प्रक्रिया को सरल बनाने के लिए, निर्यातकों के बैंक खातों में निर्यात प्रोत्साहनों की तेज और निर्बाध अंतरण सुनिश्चित करने के लिए और समग्र व्यापार दक्षता बढ़ाने के लिए।

भारत-अमेरिका व्यापार समझौते वार्ता नवंबर में पूरी होने की संभावना : पीयूष गोयल

दोहा। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि भारत और अमेरिका प्रस्तावित द्विपक्षीय व्यापार समझौते (बीटीए) पर लगातार बातचीत कर रहे हैं। गोयल ने कहा कि नवंबर में वार्ता पूरी करने की सभी संभावनाएं मौजूद हैं। केंद्रीय वाणिज्य मंत्री ने दोहा में मीडिया को संबोधित करते हुए कहा कि आप सभी जानते हैं कि अमेरिकी सरकार इस समय शटडाउन मोड में है। इसलिए, हमें यह देखना होगा कि चर्चा कैसे, कहां और कब हो सकती है। पीयूष गोयल ने कहा कि मुझे लगता है कि कतर में भारतीय व्यवसायों के साथ साझेदारी को आकर्षित करने के लिए बहुत उत्साह है। गोयल कतर के आधिकारिक यात्रा पर आज दोहा में हैं। वे एक व्यापारिक प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व करके दोनों देशों के बीच व्यापार एवं निवेश संबंधों को बढ़ावा देने के उपायों पर चर्चा कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि हम व्यापार समझौते पर अमेरिका के साथ लगातार बातचीत कर रहे हैं और विभिन्न स्तरों पर वार्ता जारी है। हम जल्द ही इस बारे में और जानकारी देंगे कि हम इसे कैसे आगे बढ़ाने की सोच रहे हैं।

विश्व बैंक ने 2025-26 के लिए जीडीपी का अनुमान बढ़ाकर 6.5 फीसदी किया

नई दिल्ली। विश्व बैंक ने चालू वित्त वर्ष 2025-26 के लिए भारत के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) वृद्धि दर के अनुमान को बढ़ाकर 6.5 फीसदी कर दिया है। विश्व बैंक ने अपने जून पूर्वानुमान में इसके 6.3 फीसदी रहने की संभावना जताई थी। विश्व बैंक ने अपने दक्षिण एशिया परिदृश्य में कहा कि उपभोग वृद्धि में निरंतर मजबूती के कारण भारत के विश्व की सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्था बने रहने की उम्मीद है। हालांकि, विश्व बैंक ने चेतावनी दी है कि भारतीय निर्यात पर लगाए गए 50 फीसदी अमेरिकी शुल्क अगले वर्ष देश की अर्थव्यवस्था पर प्रभाव डाल सकते हैं। विश्व बैंक ने कहा कि चालू वित्त वर्ष 2025-26 में भारतीय अर्थव्यवस्था 6.5 फीसदी की दर से बढ़ेगी। पूर्व में इसके 6.3 फीसदी रहने की संभावना जताई गई थी। साथ ही वित्त वर्ष 2026-27 के लिए जीडीपी वृद्धि दर का अनुमान 6.7 फीसदी से घटाकर 6.5 फीसदी कर दिया है। इसके साथ ही वित्त वर्ष 2027-28 के लिए 6.3 फीसदी की वृद्धि दर का अनुमान जताया है। विश्व बैंक ने अपने दक्षिण एशिया परिदृश्य में कहा कि घरेलू परिस्थितियां, खासकर कृषि उत्पादन और ग्रामीण मजदूरी वृद्धि, अपेक्षा से बेहतर रही हैं। वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) में सरकार के सुधारों, कर स्लैब की संख्या कम करना और अनुपालन को सरल बनाने से गतिविधियों को बढ़ावा मिलने की उम्मीद है।

निर्मला सीतारमण ने 'गिफ्ट सिटी' में विदेशी मुद्रा निपटान प्रणाली शुरू की

मुंबई। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि प्रत्यक्ष लाभ अंतरण (डीबीटी) के इस्तेमाल से सरकार ने चार लाख 31 हजार करोड़ रुपये की बचत की है। केंद्रीय वित्त मंत्री महाराष्ट्र, मुंबई में ग्लोबल फिनटेक फेस्ट 2025 के अवसर अपने संबोधन में यह बात क?ही। इससे पहले निर्मला सीतारमण ने गुजरात इंटरनेशनल फाइनेंस टेक-सिटी (गिफ्ट सिटी) में विदेशी मुद्रा निपटान प्रणाली का शुभारंभ किया। उन्होंने कहा कि यह प्रणाली गिफ्ट सिटी के भीतर वास्तविक समय के आधार पर विदेशी मुद्रा लेनदेन को पूरा करेगी। वर्तमान में गिफ्ट सिटी में विदेशी मुद्रा का निपटान करने में 36 से 54 घंटे लगते हैं। यह प्रणाली शुरू होने के साथ ही भारत हांगकांग, टोक्यो और मनीला की श्रेणी में शामिल हो गया है, जो पहले से ही ऐसी निपटान प्रणालियों से लैस हैं। वित्त मंत्री ने अपने संबोधन के दौरान बैंकिंग, वित्त, फिनटेक, आधार, यूपीआई, डिजिलॉकर और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के क्षेत्र में देश की विभिन्न पहलों पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि प्रौद्योगिकी को एक सेतु के रूप में काम करते रहना चाहिए। सीतारमण ने आगे कहा कि प्रौद्योगिकी को विश्वास को गहरा करना चाहिए।

2028 तक भारत दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था होगाः ब्रिटिश पीएम स्टार्मर

एजेंसी
नई दिल्ली । ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर दो दिवसीय भारत दौरे पर मुंबई पहुंचे हैं, जहां उनका भव्य स्वागत हुआ। पीएम स्टार्मर भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात करेंगे। उन्होंने कहा कि भारत 2028 तक दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर अग्रसर है। बता दें कि ब्रिटेन के 125 सबसे प्रमुख सीईओ, अग्रणी उद्यमी, विश्वविद्यालय के कुलपति और सांस्कृतिक संस्थान के अधिकारी के साथ पीएम कीर स्टार्मर भारत पहुंचे हैं। भारत के विदेश मंत्रालय की ओर से दी गई जानकारी के अनुसार दोनों नेता भारत-ब्रिटेन व्यापक आर्थिक और व्यापार समझौते (सीईटीए) द्वारा प्रस्तुत अवसरों पर व्यवसायों और उद्योग जगत के नेताओं के साथ चर्चा करेंगे। इस बीच ब्रिटेन के प्रधानमंत्री

कीर स्टार्मर ने कहा कि भारत 2028 तक दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर अग्रसर है और उसके साथ व्यापार तेज और सस्ता होने वाला है। ऐसे में अवसरों का कोई मुकाबला नहीं है। उन्होंने कहा कि हमने जुलाई में भारत के साथ एक बड़ा व्यापार समझौता किया। यह किसी भी देश द्वारा सबसे सुरक्षित है, लेकिन कहानी यहीं खत्म नहीं होती। यह सिर्फ एक कागज का टुकड़ा नहीं है; यह विकास का एक लॉन्चपैड है। इससे पहले प्रधानमंत्री स्टार्मर ने कहा, मैं इस हफ्ते मुंबई में हमारे 125 सबसे बड़े घरेलू नामों के साथ ब्रिटिश व्यवसाय का झंडा फहराऊंगा। उनके लिए भारत में विकास का मतलब है ब्रिटिश लोगों के लिए घर पर ज्यादा विकल्प, अवसर और नौकरियां। भारत की यात्रा शुरू करने से पहले पीएम स्टार्मर ने किसी भी तरह के वीजा समझौते से इनकार करते हुए कहा, ÷यह योजना का हिस्सा नहीं है। यह यात्रा उस मुक्त व्यापार समझौते का लाभ उठाने के लिए है, जिस पर हम पहले ही हस्ताक्षर कर चुके हैं। उन्होंने कहा कि व्यवसायों को इस समझौते से लाभ हो रहा है; वीजा मुद्दा नहीं है। ब्रिटेन की आव्रजन नीतियां सख्त रहेंगी।

ओम फ्रेट फॉरवर्डर्स ने निवेशकों को किया निराश, अपर सर्किट के बावजूद निवेशकों को जबरदस्त नुकसान

एजेंसी
नई दिल्ली। लॉजिस्टिक्स सर्विस देने वाली कंपनी ओम फ्रेट फारवर्डर्स के शेयरों ने आज स्टॉक मार्केट में जबरदस्त गिरावट के साथ एंट्री करके अपने आईपीओ निवेशकों को निराश कर दिया। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 135 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। आज बीएसई पर इसकी लिस्टिंग करीब 39 प्रतिशत डिस्काउंट के साथ 82.50 रुपये के स्तर पर और एनएसई पर 81.50 रुपये के स्तर पर हुई। लिस्टिंग के बाद लिवाली के सपोर्ट से इस शेयर की चाल में तेजी आ गई, जिसके कारण थोड़ी ही देर में ये शेयर उछल कर 86.60 रुपये के अपर सर्किट लेवल तक पहुंच गया। अपर सर्किट लगने के बावजूद पहले दिन के कारोबार में कंपनी के आईपीओ निवेशकों को 35.85 प्रतिशत का नुकसान हो गया। ओम फ्रेट फारवर्डर्स का 122.31 करोड़ रुपये का आईपीओ 29 सितंबर से 3 अक्टूबर के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से एवरेज रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 3.88 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इनमें क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए रिजर्व पोर्शन 3.97 गुना सब्सक्राइब हुआ था। वहीं, नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) के लिए रिजर्व पोर्शन में 7.39 गुना सब्सक्रिप्शन आया था। इसी तरह रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व पोर्शन 2.77 गुना और एंप्लॉयीज के लिए रिजर्व पोर्शन 0.57 गुना सब्सक्राइब हुए थे। इस आईपीओ के तहत 10 रुपये फेस वैल्यू वाले 24.44 करोड़ रुपये के नए शेयर जारी किए गए हैं। इसके अलावा 72.50 लाख शेयर ऑफर फॉर सेल विंडो के जरिये बेचे गए हैं। आईपीओ में नए शेयरों की बिक्री के जरिये जुटाए गए पैसे का इस्तेमाल कंपनी कॉमर्शियल गाड़ियों और हेवी इक्वीपमेंट की खरीदारी, वर्किंग कैपिटल की जरूरतों को पूरा करने और आम कॉरपोरेट उद्देश्यों में करेगी।

देश की महत्वकांक्षा 5-जी से आगे, ध्यान अब 6-जी एवं उपग्रह संचार पर : सिंधिया

एजेंसी
नई दिल्ली। केंद्रीय संचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने बुधवार को कहा कि भारत की महत्वाकांक्षाएं 5-जी तक ही नहीं है, ल्कि अब ध्यान 6-जी एवं उपग्रह संचार पर है। अब लक्ष्य 6-जी पेटेंट का 10 फीसदी हासिल करना है। केंद्रीय संचार मंत्री नें इंडिया मोबाइल कांग्रेस 2025 को संबोधित करते कहा कि भारत की क्रांतिकारी डिजिटल यात्रा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व का प्रतीक है, जिन्होंने दूरसंचार को राष्ट्रीय विकास के केंद्र में रखा है।

उन्होंने कहा कि एशिया के सबसे बड़े दूरसंचार एवं प्रौद्योगिकी आयोजन इंडिया मोबाइल कांग्रेस 2025 के उद्घाटन के साथ राष्ट्र न केवल डिजिटल क्रांति में भाग ले रहा है, बल्कि देश के लिए समाधान तैयार करके, स्थानीय चुनौतियों का समाधान करके और वैश्विक स्तर पर नवाचारों को बढ़ावा देकर इसका नेतृत्व भी कर रहा है। ज्योतिरादित्य सिंधिया ने जोर दिया कि कैसे भारत तकनीक को निष्क्रिय रूप से अपनाने

से आगे बढ़कर वैश्विक मानकों को आकार देने वाला एक सक्रिय नवप्रवर्तक बन गया है। उन्होंने कहा कि वह दिन दूर नहीं जब लोग कहेंगे कि दुनिया भारत पर निर्भर है। उन्होंने उद्योग जगत से यहां डिजाइन करें, यहां समाधान करें और हर जगह विस्तार करें का आग्रह किया।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने नई दिल्ली स्थित यशोभूमि में आज एशिया के सबसे बड़े दूरसंचार, मीडिया और प्रौद्योगिकी कार्यक्रम, इंडिया मोबाइल कांग्रेस (आईएमसी) 2025 के 9वें संस्करण का उद्घाटन किया। इस अवसर पर प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि भारत निवेश, नवाचार और निर्माण के लिए सबसे बेहतर स्थान है। उन्?होंने कहा कि भारत का लोकतांत्रिक ढांचा, सरकार की अनुकूल सोच और बिजनेस के लिए जरूरी माहौल ने देश को निवेश-हितैषी गंतव्य बना दिया है।

स्टॉक मार्केट में शील बायोटेक की जोरदार एंट्री, फायदे में आईपीओ निवेशक

एजेंसी
नई दिल्ली। बायोटेक्नोलॉजी सेक्टर की कंपनी शील बायोटेक के शेयरों ने आज स्टॉक मार्केट में जबरदस्त एंट्री करके अपने आईपीओ निवेशकों को खुश कर दिया। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 63 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। आज एनएसई के इमर्ज प्लेटफॉर्म पर इसकी लिस्टिंग 44.44 प्रतिशत प्रीमियम के साथ 91 रुपये के स्तर पर हुई। लिस्टिंग के बाद हुई लिवाली के कारण थोड़ी ही देर में कंपनी के शेयर 95.55 रुपये के अपर सर्किट लेवल तक पहुंच गए। हालांकि सुबह 10़30 बजे बिकवाली शुरू हो जाने के कारण अपर सर्किट ब्रेक हो गया। दोपहर 11 बजे तक का कारोबार होने के बाद शील बायोटेक के शेयर 93.05 रुपये के स्तर पर कारोबार कर रहे थे। शील बायोटेक का 34.02 करोड़ रुपये का आईपीओ 30 सितंबर से 3 अक्टूबर के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से अच्छा रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 15.97 गुना सब्सक्राइब हो सका था। इनमें क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के

लिए रिजर्व पोर्शन 19.73 गुना सब्सक्राइब हुआ था। वहीं, नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) के लिए रिजर्व पोर्शन में 25.92 गुना सब्सक्रिप्शन आया था। इसी तरह रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व पोर्शन 9.56 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इस आईपीओ के तहत 10 रुपये फेस वैल्यू वाले 54 लाख नए शेयर जारी किए गए हैं। आईपीओ के जरिये जुटाए गए पैसे का इस्तेमाल कंपनी अपनी वर्किंग कैपिटल की जरूरतों को पूरा करने और आम कॉरपोरेट उद्देश्यों में करेगी। कंपनी की वित्तीय स्थिति की बात करें तो प्रॉस्पेक्टस में किए गए दावे के मुताबिक इसकी वित्तीय सेहत लगातार मजबूत हुई है। वित्त वर्ष 2022-23 में कंपनी को 5.08 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था, जो अगले वित्त वर्ष 2023-24 में बढ़ कर 10.47 करोड़ रुपये और 2024-25 में उछल कर 10.64 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। इस दौरान कंपनी की आय 11 प्रतिशत वार्षिक से अधिक की चक्रवृद्धि दर (कंपाउंड एनुअल ग्रोथ रेट) से बढ़ कर 102.27 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गई। इस दौरान कंपनी पर कर्ज में उतार-चढ़ाव होता रहा। वित्त वर्ष 2022-23 के आखिर में कंपनी का कर्ज 19.17 करोड़ रुपये, जो वित्त वर्ष 2023-24 के आखिर में बढ़ कर 23.54 करोड़ रुपये हो गया।

इनफिनिटी इंफोवे की स्टॉक मार्केट में जबरदस्त एंट्री, पहले दिन ही निवेशकों का पैसा डबल

एजेंसी
नई दिल्ली। एंटरप्राइज रिसोर्स प्लानिंग (ईआरपी) प्लेटफॉर्म मुहैया कराने वाली कंपनी इनफिनिटी इंफोवे के शेयरों ने आज स्टॉक मार्केट में जबरदस्त एंट्री करके अपने आईपीओ निवेशकों को गदगद कर दिया। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 155 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। आज बीएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर इसकी लिस्टिंग 90 प्रतिशत प्रीमियम के साथ 294.50 रुपये के स्तर पर हुई। लिस्टिंग के बाद हुई लिवाली के कारण थोड़ी ही देर में कंपनी के शेयर 309.20 रुपये के अपर सर्किट लेवल तक पहुंच गए। इस तरह पहले दिन के कारोबार में ही कंपनी के आईपीओ निवेशकों का पैसा लगभग डबल हो गया। इनफिनिटी इंफोवे का 24.42 करोड़ रुपये का आईपीओ 30 सितंबर से 3 अक्टूबर के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से जोरदार रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 277.24 गुना

सब्सक्राइब हुआ था। इनमें क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए रिजर्व पोर्शन 157.14 गुना सब्सक्राइब हुआ था। वहीं, नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) के लिए रिजर्व पोर्शन में 548.99 गुना सब्सक्रिप्शन आया था। इसी तरह रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व पोर्शन 303.35 गुना और एंप्लॉयीज के लिए रिजर्व पोर्शन 0.77 गुवना सब्सक्राइब हुए थे। इस आईपीओ के तहत 10 रुपये फेस वैल्यू वाले 15,75,200 नए शेयर जारी किए गए हैं। आईपीओ के जरिये जुटाए गए पैसे का इस्तेमाल कंपनी अपने लिए नए आईटी इंफ्रा की खरीदारी करने, टेंडर्स की फंडिंग करने, वर्किंग कैपिटल की जरूरतों को पूरा करने और आम कॉरपोरेट उद्देश्यों में करेगी। कंपनी की वित्तीय स्थिति की बात करें तो प्रॉस्पेक्टस में किए गए दावे के मुताबिक इसकी वित्तीय सेहत लगातार मजबूत हुई है। वित्त वर्ष 2022-23 में कंपनी को 94 लाख रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था, जो अगले वित्त वर्ष 2023-24 में बढ़ कर 3.47 करोड़ रुपये और 2024-25 में उछल कर 4.19 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। इस दौरान कंपनी की आय 58 प्रतिशत वार्षिक से अधिक की चक्रवृद्धि दर (कंपाउंड एनुअल ग्रोथ रेट) से बढ़ कर 13.48 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गई।

बेनियाबाग में सजेगा स्वदेशी उत्सव : 9 से 18 अक्टूबर तक यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो-2025

एजेंसी
वाराणसी। बनारस के ऐतिहासिक राजनारायण स्मारक पार्क, बेनियाबाग में इस बार दीपावली की रौनक कुछ खास होने वाली है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर वाराणसी में 09 से 18 अक्टूबर तक ÷यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो-2025, स्वदेशी मेला÷ का भव्य आयोजन किया जा रहा है। इस मेले का उद्देश्य स्थानीय हस्तशिल्पियों, कारीगरों और उद्यमियों को अपने उत्पादों के प्रदर्शन और विपणन का मंच देना है, साथ ही आम जनता को दीपावली पर्व पर स्वदेशी वस्तुओं की खरीदारी का अनूठा अवसर प्रदान करना है। उपायुक्त उद्योग, जिला उद्योग प्रोत्साहन एवं उद्यमिता विकास केंद्र के अनुसार, इस दस दिवसीय मेले में उद्योग विभाग, खादी एवं ग्रामोद्योग बोर्ड, माटी कला बोर्ड, हथकरघा एवं वस्त्रोद्योग विभाग, रेशम विभाग, ग्रामीण आजीविका मिशन, डूडा, खादी ग्रामोद्योग आयोग तथा एमएसएमई (भारत सरकार) से जुड़े कई संस्थान और योजनाओं के लाभार्थी भाग लेंगे। मेले में प्रदेश के विभिन्न जिलों से आए हस्तनिर्मित वस्त्र, मृद्भांड, लकड़ी और पीतल के शिल्प, खादी उत्पाद, प्राकृतिक रंगों से बने परिधान, जैविक खाद्य पदार्थ, हर्बल उत्पाद, और गृह सज्जा की वस्तुएं आकर्षण का केंद्र होंगी। इसके अलावा, स्वयं सहायता समूहों और महिला उद्यमियों के स्टॉल भी बड़ी संख्या में लगाए जाएंगे, जिससे ग्रामीण महिलाओं को आत्मनिर्भरता की दिशा में प्रोत्साहन मिलेगा। मेले का आयोजन प्रतिदिन सुबह 11 बजे से रात 8 बजे तक किया जाएगा, जबकि हर शाम 6:30 से 8:00 बजे तक सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित होंगे। इन कार्यक्रमों में स्थानीय लोक कलाकारों, नाट्य मंडलियों और युवा प्रतिभाओं को अपनी कला प्रस्तुत करने का अवसर मिलेगा। उद्योग विभाग का मानना है कि इस प्रकार के आयोजन से न केवल स्थानीय उत्पादों के प्रति लोगों का विश्वास बढ़ेगा, बल्कि वाराणसी के कारीगरों और उद्यमियों को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान भी मिलेगी।

सर्राफा बाजार में मजबूती का रिकॉर्ड बनने का सिलसिला जारी, नए शिखर पर सोना और चांदी

एजेंसी
नई दिल्ली। घरेलू सर्राफा बाजार में सोना और चांदी की कीमत में रिकॉर्ड तेजी का सिलसिला आज भी जारी है। दोनों चमकीली धातु आज एक बार फिर मजबूती के नए शिखर पर पहुंच गई हैं। आज के कारोबार में सोना 1,150 रुपये से लेकर 1,250 रुपये प्रति 10 ग्राम तक महंगा हुआ है। इसी तरह चांदी भी 1,000 रुपये प्रति किलोग्राम तक उछल गया है। कीमत में उछाल आने के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना आज 1,22,030 रुपये से लेकर 1,22,180 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना आज 1,11,860 रुपये से लेकर 1,12,010 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। वहीं, चांदी के भाव में भी तेजी आने के कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में आज 1,57,100 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है। दिल्ली में आज 24 कैरेट सोना 1,22,180 प्रति 10 ग्राम के स्तर पर

कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,12,010 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं, देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,22,030 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,11,860 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,22,080 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 1,11,910 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 1,22,030 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 1,11,860 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। कोलकाता में भी 24 कैरेट सोना 1,22,030 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,11,860 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 1,22,180 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 1,12,010 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,22,080 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,11,910 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। जयपुर में 24 कैरेट सोना 1,22,180 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,12,010 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी आज सोना महंगा हुआ है। इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना 1,22,030 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह इन तीनों शहरों के सर्राफा बाजारों में 22 कैरेट सोना 1,11,860 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

स्टॉक मार्केट में एडवांस एग्रोलाइफ की मजबूत शुरुआत, फायदे में आईपीओ निवेशक

एजेंसी
नई दिल्ली। एग्रोकेमिकल प्रोडक्ट्स बनाने और बी2बी बेसिस पर सीधे कॉरपोरेट ग्राहकों को खाद और कीटनाशक बेचने वाली कंपनी एडवांस एग्रोलाइफ के शेयरों ने आज स्टॉक मार्केट में मजबूत एंट्री करके अपने आईपीओ निवेशकों को खुश कर दिया। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 100 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। आज बीएसई पर इसकी लिस्टिंग 13 प्रतिशत प्रीमियम के साथ 113 रुपये के स्तर पर और एनएसई पर 14 प्रतिशत प्रीमियम के साथ 114 रुपये के स्तर पर हुई। हालांकि लिस्टिंग के बाद बिकवाली शुरू हो जाने के कारण इस शेयर की चाल में थोड़ी गिरावट भी आ गई। सुबह 10:30 बजे तक का कारोबार होने के बाद कंपनी के शेयर 109 रुपये के स्तर पर कारोबार कर रहे थे। इस तरह अभी तक के कारोबार में कंपनी के आईपीओ निवेशकों को 9 प्रतिशत का मुनाफा हो चुका है। एडवांस एग्रोलाइफ का 392.86 करोड़ रुपये का आईपीओ 30 सितंबर से 3 अक्टूबर के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था।

इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से शानदार रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 56.90 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इनमें क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए रिजर्व पोर्शन 27.31 गुना सब्सक्राइब हुआ था। वहीं, नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) के लिए रिजर्व पोर्शन में 175.30 गुना सब्सक्रिप्शन आया था। इसी तरह रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व पोर्शन 23.14 गुना और एंप्लॉयीज के लिए रिजर्व पोर्शन 38.42 गुना सब्सक्राइब हुए थे। इस आईपीओ के तहत 10 रुपये फेस वैल्यू वाले 1,92,85,720 नए शेयर जारी किए गए हैं। आईपीओ के जरिये जुटाए गए पैसे का इस्तेमाल कंपनी वर्किंग कैपिटल की जरूरतों को पूरा करने और आम कॉरपोरेट उद्देश्यों में करेगी। कंपनी की वित्तीय स्थिति की बात करें तो प्रॉस्पेक्टस में किए गए दावे के मुताबिक इसकी वित्तीय सेहत लगातार मजबूत हुई है। वित्त वर्ष 2022-23 में कंपनी को 14.87 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था, जो अगले वित्त वर्ष 2023-24 में बढ़ कर 24.73 करोड़ रुपये और 2024-25 में उछल कर 25.64 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। इस दौरान कंपनी की आय 12 प्रतिशत वार्षिक से अधिक की चक्रवृद्धि दर (कंपाउंड एनुअल ग्रोथ रेट) से बढ़ कर 502.88 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गई।

पीएम सूर्य घर बिजली योजना के तहत 10,907 करोड़ रुपये के ऋण मंजूरः वित्त मंत्रालय

एजेंसी
नई दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों ने प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना (पीएमएसजीएमबीवाई) के तहत 10,907 करोड़ रुपये के पांच लाख से अधिक ऋण स्वीकृत किए हैं। इस योजना का मकसद रूफटॉप यानी छतों पर सौर प्रणाली स्थापित कर घरों को अपनी बिजली खुद उत्पादित करने में सक्षम बनाना है। वित्त मंत्रालय ने जारी एक बयान में बताया कि प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना (पीएमएसजीएमबीवाई) को ऋण वितरण प्रक्रिया को सुव्यवस्थित करके और कम ब्याज दर पर गिरवी मुक्त किफायती ऋण की सुविधा देकर लागू किया जा रहा है। यह सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों (पीएसबी) के जरिए आसान वित्तपोषण से समर्थित है। मंत्रालय ने आधिकारिक में कहा, सितंबर 2025 तक सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों ने 10,907 करोड़ रुपये की राशि के 5.79 लाख से अधिक ऋण आवेदनों को मंजूरी दी है, जिससे रूफटॉप सौर प्रणाली स्थापित करने वाले लाभार्थियों को वित्तीय सहायता बढ़ी है। इसके लिए ऋण देने की प्रक्रिया आसान पोर्टल के जरिए पूरी की जाती है। वित्त मंत्रालय के मुताबिक पीएमएसजीएमबीवाई राष्ट्रीय पोर्टल pmsuryaghar.gov.in के साथ जुड़ा हुआ है। इससे लाभार्थियों के लिए निर्बाध डिजिटल आवेदन की प्रक्रिया, बेहतर उपयोगकर्ता अनुभव और डेटा-आधारित निर्णय लेने की प्रक्रिया सुनिश्चित होती है। इस आदर्श ऋण योजना में जो प्रमुख लाभ शामिल हैं।

लगातार चौथे दिन मजबूती के साथ बंद हुआ शेयर बाजार, निवेशकों ने कमाए 41 हजार करोड़ रुपये

एजेंसी
नई दिल्ली। घरेलू शेयर बाजार आज लगातार चौथे कारोबारी दिन मजबूती के साथ बंद होने में सफल रहा। हालांकि, बाजार में पूरे दिन उतार-चढ़ाव होता रहा। इसके बावजूद ग्लोबल मार्केट के मजबूत संकेतों, दूसरी तिमाही के सकारात्मक बिजनेस अपडेट्स और ऑयल एंड गैस तथा एनर्जी सेक्टर के शेयरों में हुई जोरदार खरीददारी के कारण बाजार की मजबूती बनी रही। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 0.17 प्रतिशत और निफ्टी 0.12 प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद हुए। आज दिन भर के कारोबार के दौरान ऑयल एंड गैस और एनर्जी सेक्टर के अलावा फार्मास्यूटिकल तथा रियल्टी सेक्टर के शेयरों में भी लगातार खरीदारी होती रही। इसी तरह बैंकिंग, ऑटोमोबाइल, कंज्यूमर ड्यूरेबल, पब्लिक सेक्टर एंटरप्राइज और टेक इंडेक्स भी बढ़त के साथ बंद होने में सफल रहे। दूसरी ओर डिफेंस, मेटल, आईटी, कैपिटल गुड्स और एफएमसीजी सेक्टर के शेयरों में आज बिकवाली होती रही। ब्रॉडर मार्केट में आज मिला-जुला कारोबार होता रहा, जिसके कारण बीएसई का मिडकैप इंडेक्स 0.45 प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद हुआ। दूसरी ओर स्मॉलकैप इंडेक्स ने 0.15 प्रतिशत की गिरावट के साथ आज के कारोबार का अंत किया। आज शेयर बाजार में आई मजबूती के कारण स्टॉक मार्केट के निवेशकों की संपत्ति में 40 हजार करोड़ रुपये से अधिक की बढ़ोतरी हो गई। बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैपिटलाइजेशन आज के कारोबार के बाद बढ़ कर 460.25 लाख करोड़ रुपये (अनंतिम) हो गया। पिछले कारोबारी दिन यानी सोमवार को इनका मार्केट कैपिटलाइजेशन 459.84 लाख करोड़ रुपये था। इस तरह निवेशकों को आज के कारोबार से करीब 41 हजार करोड़ रुपये का मुनाफा हो गया। आज दिन भर के कारोबार में बीएसई में 4,322 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें 1,847 शेयर बढ़त के साथ बंद हुए, जबकि 2,316 शेयरों में गिरावट का रुख रहा, वहीं 159 शेयर बिना किसी उतार चढ़ाव के बंद हुए। एनएसई में आज 2,819 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें से 1,234 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में और 1,585 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में बंद हुए। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 14 शेयर बढ़त के साथ और 16 शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। जबकि निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 22 शेयर हरे निशान में और 28 शेयर लाल निशान में बंद हुए। बीएसई का सेंसेक्स आज 93.83 अंक की मजबूती के साथ 81,883.95 अंक के स्तर पर खुला। कारोबार की शुरुआत होते ही बिकवाली का दबाव बन जाने के कारण ये सूचकांक कुछ ही देर में लाल निशान में 81,787.48 अंक तक गिर गया। इसके बाद खरीदारों ने लिवाली का जोर बनाया, जिससे इस सूचकांक की चाल में तेजी आ गई। सुबह 10 बजे के बाद बाजार में मुनाफा वसूली शुरू हो गई, जिसकी वजह से इस सूचकांक ने दोपहर 11 बजे के तक अपनी सारी बढ़त गंवा दी। इसके बाद खरीदारों ने एक बार फिर जोर लगाया, जिसके कारण दोपहर 2 बजे के थोड़ी देर बाद ये सूचकांक 519.44 अंक की तेजी के साथ 82,309.56 अंक तक पहुंच गया। सेंसेक्स की ये तेजी भी टिक नहीं सकी। कारोबार के आखिरी 1 घंटे में मुनाफा वसूली शुरू हो जाने के कारण सेंसेक्स ऊपरी स्तर से 380 अंक से ज्यादा टूट कर 136.63 अंक की बढ़त के साथ 81,926.75 अंक के स्तर पर बंद हुआ। सेंसेक्स की तरह ही एनएसई के निफ्टी ने आज 7.65 अंक की मामूली बढ़त के साथ 25,085.30 अंक के स्तर से कारोबार की शुरुआत की। बाजार खुलते ही बिकवाली का दबाव बन जाने के कारण ये सूचकांक कुछ ही देर में लुढ़क कर लाल निशान में 25,076.30 अंक के स्तर तक गिर गया। इसके बाद खरीदारों ने एक्टिव होकर लिवाली शुरू कर दी, जिससे इस सूचकांक की चाल में तेजी आ गई। सुबह 10 बजे के थोड़ी देर बाद बाजार में बिकवाली का दबाव बन गया।

तमन्ना छोड़िए, सिद्धार्थ मल्होत्रा संग धमाल मचाएंगी

श्वेता तिवारी

ये 1000 करोड़ी एक्टर भी आया साथ

श्वेता तिवारी के हाथ लगी बड़ी फिल्म

साउथ हो या बॉलीवुड़ दोनों इंडस्ट्री वाले मिलकर कई बड़ी फिल्मों पर काम कर रहे हैं. जिसमें से कुछ का ऐलान काफी पहले ही किया जा चुका है. जबकि, कुछ पर लगातार अपडेट आ रहा है. यहां सिद्धार्थ मल्होत्रा की फिल्म की बात हो रही है, जिसमें उनके साथ तमन्ना भाटिया भी हैं. यह फिल्म एक माइथोलॉजिकल थ्रिलर है, जिसका नाम है- ङ्का ङ्कुठ्ठ. जी हां, कुछ वक्त पहले ही फिल्म का काम रुक गया था. लेकिन स्क्रिप्ट में कुछ बदलाव के साथ काम फिर से शुरू कर दिया गया है. हालांकि लीड एक्टर्स के साथ पिक्चर में कुछ और एंट्री भी हो गई हैं.हाल ही में एक न्यूज वेबसाइट पर रिपोर्ट छपी. जिससे पता लगा कि ङ्का ङ्कुठ्ठ का पहला शेड्यूल जून में शूट किया जा रहा था. लेकिन स्क्रिप्ट को लेकर सिद्धार्थ मल्होत्रा और डायरेक्टर दीपक मिश्रा के बीच कुछ क्रिएटिव डिफरेंस आ गए. जिसका असर काम पर पड़ा था. अब नई रिपोर्ट में फैन्स के लिए गुड न्यूज आई है.

सिद्धार्थ की फिल्म में श्वेता तिवारी ?

रिपोर्ट के मुताबिक, जून में पहले शेड्यूल के दौरान काम रुक गया था. हालांकि, अब स्क्रिप्ट में कुछ बदलाव के साथ सभी चीजों को सुलझा लिया गया है. फिल्म की क्रिएटिव टीम एक बार फिर उसी जगह से काम शुरू करने के लिए तैयार हैं. जल्द ही फिल्म की शूटिंग भी शुरू करने की खबरें आ रही हैं. दरअसल फिल्म की कास्ट एंड क्रू अगले शेड्यूल को 24 अक्टूबर से शुरू करने वाले हैं. जिसका काम मुंबई में ही किया जाएगा. वहीं, नई रिलीज के साथ प्रोजेक्ट पटरी पर लौट चुका है. हालांकि, फिल्म में कुछ शानदार एक्टर्स को लिया गया है. जो सिद्धार्थ के साथ नजर आएंगे.

हाल ही में पता लगा कि मनीष पॉल, सुनील ग्रोवर और श्वेता तिवारी इस फिल्म का हिस्सा होंगे. दरअसल सुनील ग्रोवर ही शाहरुख खान की जवान में भी रह चुके हैं. जिनकी कॉमिक टाइमिंग गजब की है. साथ ही फिल्म ने 1000 करोड़ का कारोबार भी किया था. एक्टर और होस्टिंग के अलावा मनीष पॉल बेहतरीन एक्टर भी हैं. जबकि, श्वेता तिवारी के फैन्स के लिए यह किसी ट्रीट से कम नहीं है. वो आखिरी बार अजय देवगन की 'सिंघम अगेन' में दिखी थीं. स्क्रिप्ट में बदलाव के बाद कुछ नए और इंटरेस्टिंग कैरेक्टर्स को फिल्म से जोड़ा गया है.

कब रिलीज होगी फिल्म ?

दरअसल सिद्धार्थ मल्होत्रा की इस फिल्म को बालाजी मोशन पिक्चर्स वाले प्रोड्यूस कर रहे हैं. साथ ही Arunabh kumar और दीपक मिश्रा इसे डायरेक्ट कर रहे हैं. दरअसल इस साल यह फिल्म नहीं आएगी. इसे 15 मई, 2026 को रिलीज किया जाएगा.

41 साल की उम्र में मां बनने जा रही हैं भारती सिंह, अविका गौर से रुबीना दिलैक तक... इन सेलेब्रिटी दोस्तों ने दी बधाई

भारती सिंह ने सुनाई खुशखबरी

कॉमेडी की दुनिया पर राज करने वाली मशहूर लाफ्टर क्वीन भारती सिंह और उनके पति हर्ष लिंबाचिया ने सोशल मीडिया पर 'गुड न्यूज' शेयर करते हुए फैंस को सरप्राइज दिया है. जी हां, 41 साल की उम्र में भारती सिंह फिर से मां बनने वाली हैं. हर्ष और भारती अपने दूसरे बच्चे को लेकर काफी एक्साइटेड हैं. दरअसल कुछ दिन पहले टीवी9 हिंदी डिजिटल के साथ की खास बातचीत में भारती ने अपनी दूसरी प्रेग्नेंसी को लेकर बात की थी.भारती सिंह और हर्ष लिंबाचिया, पहले से ही अपने बेटे 'गोला' के साथ पैरेंटहुड एंजॉय कर रहे हैं. लेकिन भारती हमेशा से दूसरा बेबी चाहती थी. लाफ्टर शेफ सीजन 2 के फिनाले के समय टीवी9 हिंदी डिजिटल के साथ की खास बातचीत में भारती ने कहा था कि मुझे हमेशा से बेटी चाहिए थी और मैं चाहती हूं कि जल्द ही हम गोले (भारती का बेटा) के भाई या बहन को इस दुनिया में लेकर आए. हमने जल्द ही प्लानिंग शुरू करने वाले हैं. उम्मीद है हम जल्द ही आपके साथ गुड न्यूज शेयर करें.

सोशल मीडिया पर किया प्रेग्नेंसी का ऐलान

फैंस के साथ गुड न्यूज शेयर करते हुए इन दोनों ने एक प्यारी सी कपल पोस्ट शेयर की है. भारती और हर्ष की सोशल मीडिया पर शेयर की हुई फोटो में भारती का बेबी बंप नजर आ रहा है. भारती के साथ हर्ष भी उनके बेबी बंप को प्यार से पकड़े हुए हैं. दोनों ने अपनी इस फोटो के कैप्शन में लिखा है- हम फिर से पेरेंट्स बनने वाले हैं. आशीर्वाद, गणपति बप्पा मोरया.

41 की उम्र में दूसरी बार मां बनने जा रही हैं भारती

भारती सिंह ने 33 साल की उम्र में हर्ष के साथ शादी की थी. शादी से पहले वे दोनों सात साल तक एक दूसरे को डेट कर रहे थे. शादी के 5 साल बाद भारती ने बेटे को जन्म दिया. उस समय वो 38 साल की थीं. दरअसल भारती और हर्ष के बेटे का नाम लक्ष्य है, लेकिन सभी लोग प्यार से उसे 'गोला' बुलाते हैं.

प्रेग्नेंसी में कर चुकी हैं काम

अपना करियर हो या फिर अपनी शादी भारती ने हमेशा अपने मन की बात मानी है. लोग क्या सोचेंगे इसकी परवाह उन्होंने कभी नहीं की. यही वजह है कि अपनी प्रेग्नेंसी में भी वो घर में नहीं बैठीं. उन्होंने डिलीवरी से पहले तक कैमरा के सामने परफॉर्म किया. बच्चे के जन्म के बाद भी महज 12 दिन बाद उन्होंने फिर से शूटिंग शुरू कर दी थी.

अमाल मलिक को देखकर तान्या मित्तल को आई एक्स-बॉयफ्रेंड की याद? जीशान कादरी के सामने किया खुलासा

अमाल मलिक की हरकतें 'एक्स' जैसी

कॉन्ट्रोवर्शियल रियलिटी शो 'बिग बॉस 19' का नया हफ्ता काफी ड्रामा और नए समीकरण लेकर आया है. जहां वीकेंड का वार में सलमान खान ने घरवालों की क्लास लगाई, वहीं नए वाइल्डकार्ड कंटेस्टेंट मालती चाहर की एंट्री से घर का माहौल थोड़ा बदला हुआ है. लेकिन, लड़ाई-झगड़े और पर्सनल बातों के खुलासे अभी भी जारी हैं.हाल ही में घर के अंदर एक दिलचस्प बातचीत हुई, जिसमें कंटेस्टेंट तान्या मित्तल ने म्यूजिशियन अमाल मलिक की तरफ उनके बर्ताव को लेकर बड़ा खुलासा किया है. बिग बॉस के लेटेस्ट एपिसोड में जीशान कादरी तान्या मित्तल से अमाल मलिक के बहुत ज्यादा गुस्सा होने और तुरंत अपना रिएक्शन (ईम्पलसिव) देने के बारे में बात करते हुए नजर आए. जीशान ने बताया कि कुछ साल पहले वो भी अमाल जैसे ही थे, लेकिन समय और अनुभव के साथ चीजें बदल गईं.

अमाल को देखकर आती हैं एक्स-बॉयफ्रेंड की याद

जीशान ने कहा, अमाल वो जिंदगी जी रहा है, जो मैं आज से तकरीबन 10-15 साल पहले जीकर आया हूं. अमाल अभी वहां है, तो मैं उससे बहुत ज्यादा रिलेट करता हूं. जीशान की बात सुनकर तान्या ने जो रिएक्शन दिया, उसने सबको हैरान कर दिया. तान्या ने इशारों और होठों में फुसफुसाते हुए जीशान को बताया कि वो भी अमाल मलिक से बहुत रिलेट करती हैं, क्योंकि अमाल उन्हें उनके एक्स-बॉयफ्रेंड की याद दिलाते हैं.

जानें क्या है तान्या का कहना

तान्या ने दबी हुई जुबान में कहा, मेरा एक्स- इसके जैसा था. मेरा एक्स बिलकुल सेम था. सो जो तकलीफ परेशानी नजर आ रही है, वो भी सेम है. यानी, अमाल मलिक का उतावलापन और तुरंत गुस्सा होने वाला नेचर तान्या को उनके पुराने रिलेशनशिप की याद दिला रहा है, जिसकी वजह से उन्हें वैसी ही 'तकलीफ और परेशानी' महसूस होती है.

2-3 साल में जीशान जैसे बन जाएंगे अमाल

जीशान ने आगे कहा कि उन्हें विश्वास है कि आने वाले 2-3 सालों में अमाल का स्वभाव बदल जाएगा. जब वाइल्डकार्ड मालती चाहर ने पूछा कि उनका क्या मतलब है, तब जीशान ने समझाया, वो (अमाल) कुछ साल बाद आराम से सोच-विचार करते हुए सही रिएक्शन देना शुरू कर देगा. क्योंकि अब मैं भी हमेशा बात सुनता हूं, फिर उस पर सोचता हूं और फिर प्रतिक्रिया (रिएक्शन) देता हूं. लेकिन अमाल ऐसा है, जो किसी भी चीज का इंतजार नहीं करेगा, वो बस तुरंत रिएक्ट कर देगा. इसलिए मैं हमेशा उसे कहता हूं कि इंतजार करो, क्योंकि मैंने भी इस स्वभाव के चलते कई गलतियां की हैं.

भगवान के सामने फूट-फूट कर रोती थीं

विद्या बालन

लगाती थीं ये गुहार

बॉलीवुड की जानी-मानी एक्ट्रेस विद्या बालन ने फिल्म इंडस्ट्री में अपने दम पर पहचान बनाई है. अपने सधे हुए अभिनय से विद्या ने दर्शकों के दिलों पर राज किया है. अपनी अदाकारी के दम पर वो बॉलीवुड की बेहतरीन एक्ट्रेस में अपना नाम शुमार करा चुकी हैं. हालांकि ये बहुत कम फैंस जानते होंगे कि इस अदाकारा ने अपना एक्टिंग करियर बड़े पर्दे से नहीं, बल्कि छोटे पर्दे से शुरू किया था.विद्या बालन जब अपनी पढ़ाई कर रही थीं, उसी बीच उन्हें साल 1995 के शो 'हम पांच' का ऑफर मिला था. विद्या की मां उनके एक्टिंग में जाने के खिलाफ थीं, लेकिन ये उनकी मां का पसंदीदा शो था तो उन्होंने हां कह दिया था. विद्या ने इसमें डेढ़ साल तक काम करने के बाद शो छोड़ दिया और अपनी पढ़ाई में बिजी हो गईं. लेकिन, फिर उन्हें मलयालम फिल्म का ऑफर मिला. इसके बाद उन्हें साउथ की एक दर्जन फिल्मों के लिए साइन किया गया था. हालांकि किसी वजह से ये सभी फिल्में उनके हाथ से निकल गई थीं और वो भगवान के सामने फूट-फूट कर रोती रहती थीं.

डेब्यू से पहले ही मिल गई थीं 12 फिल्में

मोहनलाल के साथ होने वाला था फिल्मी डेब्यू

छोटे पर्दे से ब्रेक लेने के बाद विद्या एक दिन एक एड शूट के लिए केरल गई थीं, तब उन्हें वहां पर मलयालम सिनेमा के सुपरस्टार मोहनलाल के साथ एक फिल्म 'चक्रअब' का ऑफर मिल गया था. हालांकि ये फिल्म बन ही नहीं बन पाई. इस फिल्म के ऐलान के साथ ही उन्हें साउथ में उस वक्त मेकर्स ने 12 फिल्मों के लिए साइन कर लिया था. हालांकि एक के बाद एक उनसे ये सभी फिल्में छिन ली गई थीं. इससे एक्ट्रेस को बहुत बड़ा झटका लगा था.

भगवान के सामने लगाती थीं ऐसी गुहार

एक साथ एक दर्जन फिल्मों के चले जाने से विद्या का मनोबल पूरी तरह से गिर चुका था. उस बुरे दौर में वो अपने घर के पास बने एक मंदिर में जाती थीं और भगवान के सामने फूट-फूट कर रोती थीं. भगवान के सामने रोते हुए एक्ट्रेस फिल्म में काम मिल जाने की गुहार लगाती थीं. उन्हें विश्वास था कि उन्हें काम मिलेगा और फिर एक्ट्रेस ने बॉलीवुड में डेब्यू किया.

बॉलीवुड में दीं कई बेहतरीन फिल्में

विद्या बालन ने साल 2005 में आई फिल्म 'परिणीता' से अपना बॉलीवुड डेब्यू किया था. इसमें उन्होंने संजय दत्त और सैफ अली खान के साथ काम किया था. अपने 20 साल के बॉलीवुड करियर में एक्ट्रेस 'मिशन मंगल', 'तुम्हारी सुलु', 'कहानी', 'द डर्टी पिक्चर', 'नो वन किल्ड जेसिका', 'इश्किया', 'पा', भूल भुलैया' 'हे बेबी' और 'लगे रहो मुन्नाभाई' जैसी बेहतरीन फिल्में दे चुकी हैं.

काशी के लक्खा मेले में शुमार चेतगंज की नक्कटैया 10 अक्टूबर को, तैयारी अंतिम चरण में

वाराणसी। धर्म नगरी वाराणसी (काशी) के लक्खा मेलों में शुमार चेतगंज की नक्कटैया इस बार 10 अक्टूबर को सम्पन्न होगी। मेले में परम्परागत लाग विमान स्वांग आकर्षण के केन्द्र रहेंगे। प्रयागराज, मिजार्पुर, जौनपुर, ज्ञानपुर, आजमगढ़, फूलपुर, प्रतापगढ़ आदि स्थानों के लाग विमान इस वर्ष भी नक्कटैया मेले में शामिल होंगे।

बुधवार को आयोजित पत्रकार वार्ता में श्री चेतगंज रामलीला समिति के अध्यक्ष अजय गुप्ता व वरिष्ठ उपाध्यक्ष महेंद्र गिरी ने यह जानकारी दी। पदाधिकारियों ने बताया कि इस वर्ष नक्कटैया का 139 वां वर्ष है। इस मेले की शुरूआत स्मृतिशेष बाबा फतेह राम ने वर्ष 1887 में अंग्रेजों के अत्याचार से उबकर कराया था। मेले में लाग विमान स्वांग इत्यादि के माध्यम से अंग्रेजों द्वारा किए जा रहे अत्याचार को नक्कटैया के माध्यम से लोगों के बीच प्रस्तुत कर स्वाधीनता आंदोलन की अलख जगाई गई। खास बात यह है कि बाबा फतेह राम अंग्रेजों के दमन पर आधारित लाग विमान इस नक्कटैया में शामिल करते थे और तत्कालीन अंग्रेज कलेक्टर से ही नक्कटैया के जुलूस का उद्घाटन कराते थे। जुलूस का उद्घाटन मध्यरात्रि 12 बजे कराया जाता है। महान क्रांतिकारी चंद्रशेखर आजाद और उनके सभी क्रांतिकारी साथी मेलार्थी बनकर नक्कटैया में शामिल होते। चेतगंज क्षेत्र स्थित सरस्वती वाचनालय उनके मिलने की जगह हुआ करता था। आजादी के बाद दहेज, बाल विवाह,

विधवा विवाह, सती प्रथा जैसी कुरीतियों के साथ सियासी विसंगतियां, भ्रष्टाचार, रिश्वतखोरी वगैरह पर लाग विमान स्वांगों से तीखे प्रहार किए। गंगा की निर्मलता-अविरलता, पर्यावरण संरक्षण, सामाजिक समरसता के संदेश भी दिए। इस रामलीला में लक्ष्मण अमर्यादित सूर्पणखा की नाक काट कर आसुरी शक्ति को चुनौती देते हैं, जिसके जबाब में राम-लक्ष्मण के विरुद्ध सूर्पणखा व उसके भाई खर-दूषण द्वारा आसुरी सैन्य -शक्ति प्रदर्शन और राम से युद्ध की यात्रा का जुलूस ही नक्कटैया मेले का आकर्षण बनती रही है।

मेला क्षेत्र की सड़कें और गलियों की मरम्मत की मांग

समिति के पदाधिकारियों ने बताया कि मेला क्षेत्र की मुख्य सड़कें लहुराबीर चौराहे से बेनिया तिराहे, वंदना होटल से चेतगंज हनुमान मंदिर तक, चेतगंज चौराहा से पानदरीबा रोड एकदम खराब है। विकास कार्यों के नाम पर मेला क्षेत्र की सभी गलियां खोदकर छोड़ दी गई हैं। मेला क्षेत्र में शहरी और ग्रामीण अंचलों से लाखों की संख्या में लोग आते हैं।

इसको देखते हुए शासन से मांग है कि सड़कों को मेला के पहले दुरूस्त कराया जाए। पूरे मेला क्षेत्र में स्ट्रीट लाइट, पानी टैंकर, जनरेटर की व्यवस्था जल संस्थान व नगर निगम वाराणसी के द्वारा हर वर्ष होती है, इस बार भी ये व्यवस्था समय पर होनी चाहिए। समिति के पदाधिकारी अजय गुप्ता व महेंद्र गिरी महाराज ने कहा कि मलदहिया पटेल चौराहा, पिशाच मोचन, थाना चेतगंज, लहुराबीर, कबीर रोड, चाऊरछटवा रोड, बाग बरियार सिंह,चेतगंज चौराहा, बेनिया बाग तिराहा आदि क्षेत्र मेले में आते हैं । ऐसे में विद्युत विभाग से भी हम आग्रह करते हैं कि मेला क्षेत्र को रात्रि कालीन बिजली कटौती से मुक्त रखा जाए। पदाधिकारियों के अनुसार काशी के चार पारंपरिक लक्खा मेलों में शुमार चेतगंज की नक्कटैया आर्थिक संकट से भी गुजर रही है। जन सहयोग से होने वाली लीला लोगों के वार्षिक चंदे से किसी प्रकार पूरा किया जाता है।

पदाधिकारियों ने प्रदेश के मुख्यमंत्री

महर्षि वाल्मीकि जयंती पर जिलाधिकारी ने बिठूर स्थित वाल्मीकि आश्रम में की पूजा-अर्चना

कानपुर। महर्षि वाल्मीकि जयंती के अवसर पर जिलाधिकारी जितेन्द्र प्रताप सिंह बिठूर स्थित महर्षि वाल्मीकि आश्रम पहुँचे, यहां उन्होंने महर्षि वाल्मीकि के चित्र पर पुष्प अर्पित कर पूजा-अर्चना की। साथ ही आश्रम परिसर में आयोजित अखण्ड रामायण पाठ में प्रतिभाग किया।

इस अवसर पर लवकुश आश्रम के गुरुकुल में शिक्षा प्राप्त कर रहे बालकों द्वारा महर्षि वाल्मीकि द्वारा रचित ह्यरामायणह्ल का भावपूर्ण पाठ किया गया। जिलाधिकारी ने बालकों के अनुशासन, वाचन-कौशल एवं धार्मिक ज्ञान की सराहना करते हुए उन्हें आशीर्वाद प्रदान किया।

जिलाधिकारी ने कहा कि महर्षि वाल्मीकि जी न केवल आदिकवि के रूप में विख्यात हैं, बल्कि उन्होंने अपने अमर ग्रंथ रामायण के माध्यम से समाज को आदर्श जीवन, सत्य, धर्म और मयार्दा का संदेश दिया है। उनके जीवन और उपदेश आज भी जनमानस के लिए प्रेरणास्रोत हैं। इस दौरान तहसीलदार सदर, जिला पर्यटन अधिकारी, अधिशाषी अधिकारी बिठूर तथा संबंधित अधिकारीगण, आश्रम के महंतगण, गुरुकुल के विद्यार्थी एवं अनेक श्रद्धालु उपस्थित रहे।

मां विंध्यवासिनी के दरबार में लाखों श्रद्धालु हुए नतमस्तक

मीरजापुर। शारदीय नवरात्र की पूर्णिमा तिथि पर मंगलवार को विंध्याचल धाम पूरी तरह भक्तिमय वातावरण में डूब गया। सुबह से ही ह्रजय माता दीह्व के गगनभेदी जयकारों से गलियां, घाट और मंदिर परिसर गुंजायमान रहे। दोपहर की तल्ख धूप भी श्रद्धालुओं की आस्था को डिगा नहीं सकी- हर कोई मां विंध्यवासिनी के दरबार में हाजिरी लगाने को उत्साहित दिखा। भोर में मां की भव्य मंगला आरती से पहले ही श्रद्धालुओं की लंबी कतारें मंदिर परिसर और आसपास की गलियों में लग गई थीं। आरती के उपरांत मंदिर के कपाट खुलते ही दर्शन के लिए भीड़ उमड़ पड़ी। न्यू वीआईपी रोड, जयपुरिया गली, सदर बाजार और पक्का घाट गली में भक्तों की भीड़ जयघोष करते हुए आगे बढ़ती रही।

मां के दिव्य श्रृंगार और मंदिर परिसर में सजे देवी-देवताओं के पुष्पमालाओं से अलंकृत स्वरूप ने भक्तों को अभिभूत कर दिया। दर्शन-पूजन के बाद श्रद्धालुओं ने अष्टभुजा पहाड़ी स्थित मां महाकाली और अष्टभुजी देवी के दरबार में भी माथा टेका और परिवार के मंगल की कामना की। गंगा तट पर स्नान और पूजा-अर्चना के लिए दिनभर श्रद्धालुओं का तांता लगा रहा। दर्शन के बाद भक्तों ने विंध्य की गलियों में सजी माला, फूल, चुनरी, प्रसाद और नारियल की दुकानों से खरीदारी की, जिससे बाजार गुलजार रहा।

श्रद्धालुओं की भारी भीड़ को देखते हुए पुलिस प्रशासन ने चाक-चौबंद सुरक्षा व्यवस्था की थी। वहीं, श्री विंध्य पंडा समाज के पदाधिकारी व सदस्य भक्तों की सेवा में तत्पर नजर आए। पूरा विंध्य क्षेत्र ह्रजय मां विंध्यवासिनीह्व के जयघोष से देर रात तक गूंजता रहा।

स्वदेशी का संकल्प एक नारा नहीं, बल्कि आत्मनिर्भर भारत और विकसित भारत की नींव है : सांसद

कानपुर। स्वदेशी का संकल्प एक नारा नहीं, बल्कि आत्मनिर्भर भारत और विकसित भारत की नींव है। जब हम स्वदेशी को अपनाते हैं तो अपने देश की मिट्टी से जुड़ते हैं। अपने लोगों की मेहनत को सम्मान देते हैं और देश को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में एक कदम बढ़ाते हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने आत्मनिर्भर भारत का आह्वान किया। आज मेक इन इंडिया स्टार्टअप इंडिया, डिजिटल अवसंरचना और वोकल फॉर लोकल जैसे अभियान इसी विरासत को आगे बढ़ा रहे है। यह बातें मंगलवार को सांसद रमेश अवस्थी ने कही।

भारतीय जनता पार्टी कानपुर उत्तर के जिला कार्यालय में आत्मनिर्भर भारत संकल्प और नेक्स्ट जेन जीएसटी रिफॉर्म को लेकर जिलाध्यक्ष अनिल दीक्षित के नेतृत्व में कानपुर उत्तर दक्षिण और ग्रामीण जिले की पत्रकार वार्ता का आयोजन किया गया। वार्ता को

सांसद रमेश अवस्थी, विधायक महेश त्रिवेदी, कानपुर उत्तर के जिला अध्यक्ष अनिल दीक्षित, दक्षिण के अध्यक्ष शिव राम सिंह व ग्रामीण के अध्यक्ष उपेंद्र पासवान ने सम्बोधित किया। प्रेस वार्ता का संचालन जिला मीडिया प्रभारी अनुराग शर्मा ने किया।

देश में स्वदेशी (भारतीय वस्तुओं का उत्पाद और खरीद), स्वभाषा (भारतीय भाषाएं और ज्ञान प्रणालियां) स्वभूषा (भारतीय विरासत, डिजाइन, और सौंदर्यशास्त्र) यह तीनों स्तंभ मिलकर विकसित भारत की ओर ले जाते हुए आत्मनिर्भर भारत की नींव तैयार कर रहे। अब स्वदेशी का स्वरूप केवल खादी और दिए तक सीमित नहीं है। आज ब्रह्मोस मिसाइल से लेकर विश्व स्तरीय वस्तु और शिल्प तक फैल चुका है। आज भारत न सिर्फ अपनी सेना के लिए आधुनिक हथियार बना रहा बल्कि कई देशों को को रक्षा उपकरण निर्यात भी कर रहा है। मेक इन इंडिया और डिफेंस इंडिजेनेशन के कारण आज टैंक से लेकर तोप और ड्रोन भारत में ही तैयार हो रहे हैं। यह आत्म निर्भर भारत का सच्चा स्वरूप है।

रायबरेली की घटना के विरोध में एनएसयूआई कार्यकताओं ने किया प्रदर्शन

वाराणसी। उत्तर प्रदेश के रायबरेली में दलित युवक हरिओम की निर्मम हत्या को लेकर सियासत गरमाने लगी है। घटना को लेकर कांग्रेस हमलावर तेवर में है। मंगलवार को इस घटना को लेकर कांग्रेस की छात्र इकाई नेशनल स्टूडेंट्स यूनियन ऑफ इंडिया (एनएसयूआई) के कार्यकताओं ने महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ परिसर स्थित बाबा साहब भीमराव अम्बेडकर की मूर्ति के आगे मुंह पर काली पट्टी बांधकर विरोध दर्ज कराया।

एनएसयूआई प्रदेश अध्यक्ष ऋषभ पांडेय ने इस दौरान कहा कि उत्तर प्रदेश में योगी आदित्यनाथ की सरकार जब से आई है तब से लगातार दलितों पर अत्याचार हो रहा है। एक तरफ प्रदेश के मुख्यमंत्री वाल्मीकि जयंती पर छुट्टियों का आवाहन करते है। तो दूसरी तरफ प्रदेश में ऐसी घटना हो रहीं हैं। साफ नजर आता है कि भाजपा सरकार संविधान विरोधी हैं। रायबरेली में युवा हरिओम की हत्या शर्मसार करने वाली हैं । हम इसकी कड़ी निंदा करते हैं।

जिलाध्यक्ष शशांक शेखर ने कहा की हम सब राहुल गांधी के सिपाही हैं और प्रदेश में दलित विरोधी नीतियों के खिलाफ आंदोलन बड़ा करेंगे। आज का प्रदर्शन हम अम्बेडकर प्रतिमा के पास गांधी वादी तरीके से किये है। समय आने पर हम सब कार्यकर्ता सरकार के खिलाफ एक बड़ा आंदोलन करेंगे। विरोध प्रदर्शन में मुख्य रूप से इकाई अध्यक्ष गौतम शर्मा, रोनिक सोनकर, रोहित सानू, सुमित सिंह, आसिफ, शशांक कुमार, हिमांशु पांडेय आदि शामिल रहे।

नाले में नहाने गया मासूम डूबा, मौत

मीरजापुर। जमालपुर थाना क्षेत्र के घरवाह गांव में मंगलवार को उस समय कोहराम मच गया जब 11 वर्षीय बालक प्रेमचंद यादव की नाले में डूबने से मौत हो गई। बालक अपने दो दोस्तों के साथ गांव के सिवान स्थित सामुदायिक शौचालय के पीछे बने नाले में स्नान कर रहा था, तभी हादसा हो गया।जानकारी के अनुसार, स्नान के दौरान प्रेमचंद करीब छह फीट गहरे पानी में फिसलकर डूबने लगा। उसके साथियों ने शोर मचाया तो पास के ग्रामीण मौके पर पहुंचे और उसे बाहर निकाला। बालक को तुरंत गंभीर अवस्था में सीएचसी जमालपुर ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने हालत गंभीर बताई और बीएचयू वाराणसी रेफर कर दिया।

एमजीयूजी के 19 विद्यार्थियों का लेंसकार्ट में प्लेसमेंट

गोरखपुर। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर एमजीयूजी के डिप्लोमा इन ऑप्टोमेट्री के 19 विद्यार्थियों का प्लेसमेंट प्रतिष्ठित आईवियर कम्पनी लेंसकार्ट में हुआ है। इन्हें सूरत, राजकोट आदि स्थानों पर नियुक्त किया जाएगा। एमजीयूजी के प्रशिक्षण एवं प्लेसमेंट सेल ने नर्सिंग एवं पैरामेडिकल संकाय के सहयोग से डिप्लोमा इन ऑप्टोमेट्री (बैच 2023) के विद्यार्थियों के लिए वर्चुअल कैंपस प्लेसमेंट ड्राइव का आयोजन किया, जिसे लेंसकार्ट द्वारा संचालित किया गया। इस प्लेसमेंट ड्राइव में सम्मिलित 21 विद्यार्थियों में से 19 विद्यार्थियों का चयन लेंसकार्ट में हुआ है। चयनित विद्यार्थियों में युवराज, आलमगीर, विवेक विश्वकर्मा, माधुरी गुप्ता, शुभम यादव, अफसाना खातून, श्यामू कुमार, विवेक कनौजिया, अंकित कुमार, इन्द्रासनी गुप्ता, हर्षिता, संगम, मानसी, प्रियांशु सिंह, गुंजन, शालिनी चौबे, शांभवी पाठक, अर्चना गुप्ता और सत्येंद्र मौर्य शामिल हैं। ऑप्टोमेट्री के इन विद्यार्थियों के शानदार प्लेसमेंट पर कुलपति डॉ. सुरिंदर सिंह और कुलसचिव डॉ. प्रदीप कुमार राव ने बधाई देते हुए कहा कि यह विश्वविद्यालय के रोजगारपरक कोर्स और विद्यार्थियों को सेवायोजित कराने की प्रतिबद्धता का प्रतिफल है। प्रशिक्षण एवं प्लेसमेंट सेल के निदेशक डॉ. मधुसूदन पुरोहित, नर्सिंग एवं पैरामेडिकल संकाय की प्रमुख डॉ. डीएस अजीथा, पैरामेडिकल के प्रिंसिपल रोहित कुमार श्रीवास्तव, प्रशिक्षण एवं प्लेसमेंट सेल के समन्यवक अनूप कुमार मिश्रा, अभिनव सिंह राठौर, सुप्रिया गुप्ता, माधुरी चौरसिया आदि ने भी चयनित विद्यार्थियों को बधाई दी है।

प्रयागराज जंक्शन पर चेकिंग अभियान में 650 किलोग्राम अनबुक्ड माल पकड़ा गया

प्रयागराज। मंगलवार को चेकिंग अभियान के दौरान प्रयागराज जंक्शन पर 150 किलोग्राम बिना बुक किया हुआ माल पकड़ा गया। जिससे 2,860 रुपए जुमार्ना वसूल किया गया। इसके साथ ही लगभग 500 किलो लहसुन पाया गया, जिसे मिजार्पुर में उतरवा कर कार्रवाई की गई।

यह जानकारी जनसम्पर्क अधिकारी अमित कुमार सिंह ने दी। उन्होंने बताया कि मंगलवार को मुख्य वाणिज्य निरीक्षक प्रियरंजन कुमार के नेतृत्व में मुख्य वाणिज्य निरीक्षक, विवेक सिंह; मुख्य टिकट

निरीक्षक, शशांक कुमार एवं उप मुख्य टिकट निरीक्षक, अशोक कुशवाहा के द्वारा स्पेशल चेकिंग अभियान चलाया गया।

इस अभियान में प्रयागराज जंक्शन पर गाड़ी संख्या 12418 प्रयागराज एक्सप्रेस, 22582 नई दिल्ली-बलिया सुपरफास्ट एक्सप्रेस, 12802 पुरुषोत्तम एक्सप्रेस, एवं 12428 रीवा एक्सप्रेस में निरीक्षण किया गया। इस दौरान उक्त गाड़ियों में 150 किलोग्राम बिना बुक किया हुआ माल पकड़ा गया। इस बिना बुक किए माल पर 2,860 रुपए जुमार्ना वसूल किया गया।

प्रयागराज जंक्शन पर ही बिना बुक किए सामान की जांच के दौरान गाड़ी 20802, नई दिल्ली-इस्लामपुर, मगध एक्सप्रेस के एस-4 कोच में बिना बुक किया हुआ 15 बोरी लहसुन पाया गया। जिसका अनुमानित वजन 500 किलोग्राम था। गाड़ी प्रयागराज जंक्शन से चल चुकी थी अतः सामान उतारा नहीं जा सका। इस सम्बंध में उचित कार्रवाई के लिए मुख्य वाणिज्य निरीक्षक मिजार्पुर एस के अकेला को सूचित किया गया।

टेबल फैन लगाते समय करंट की चपेट में आई वृद्धा, मौत

मीरजापुर। जमालपुर थाना क्षेत्र के सहिजनी-हरदी गांव में मंगलवार दोपहर 64 वर्षीय वृद्धा कृष्णावती पटेल की करंट लगने से मौत हो गई। घटना के बाद पूरे गांव में शोक की लहर दौड़ गई और स्वजन रो-रोकर बेहाल हो उठे।

जानकारी के अनुसार, दोपहर में बिजली आने पर कृष्णावती पटेल टेबल फैन लगा रही थीं। इस दौरान फैन का तार कटा हुआ होने के कारण अचानक करंट प्रवाहित हो गया और वह उसकी चपेट में आ गईं। करंट लगने से वृद्धा गंभीर रूप से झुलस गईं। स्वजनों ने आनन-फानन में उन्हें नजदीकी निजी चिकित्सक के पास पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

मृतका के पति मन्नू पटेल की पहले ही मृत्यु हो चुकी है। परिजनों ने पुलिस को बिना सूचना दिए ही कृष्णावती पटेल का अंतिम संस्कार कर दिया।

इस सम्बंध में थाना प्रभारी अमित कुमार ने बताया कि घटना की जानकारी उन्हें नहीं दी गई है।

कार्लस्टाड विश्वविद्यालय, स्वीडन और बीएचयू के एमओयू का नवीनीकरण

वाराणसी। उत्तर प्रदेश के वाराणसी स्थित काशी हिंदू विश्वविद्यालय (बीएचयू)और कार्लस्टाड विश्वविद्यालय, स्वीडन ने शैक्षणिक सहयोग को आगे बढ़ाने के उद्देश्य से अपने एमओयू का नवीनीकरण किया है। बीएचयू के केन्द्रीय कार्यालय में मंगलवार को आयोजित एक समारोह में दोनों विश्वविद्यालयों ने नए समझौते का आदान प्रदान किया। दोनों विश्वविद्यालयों ने दीर्घकालिक साझेदारी और अकादमिक सहयोग, अनुसंधान तथा सांस्कृतिक आदान-प्रदान को आगे बढ़ाने की अपनी साझा प्रतिबद्धता को स्थापित किया।

इस दौरान कुलपति प्रो. अजित कुमार चतुवेर्दी, अंतरराष्ट्रीय सहयोग समन्वयक प्रो. राजेश सिंह, मालवीय सेंटर फॉर पीस रिसर्च के समन्वयक प्रो. मनोज कुमार मिश्रा तथा सामाजिक विज्ञान संकाय के सहायक प्रोफेसर डॉ. अजय कुमार यादव उपस्थित रहे। वहीं, कार्लस्टाड विश्वविद्यालय की ओर से उपस्थित प्रतिनिधिमंडल में इंडिया स्टडीज प्रोग्राम के प्रमुख प्रो. पावेल ओडिनियेक, मानविकी और सामाजिक विज्ञान संकाय की निदेशक प्रो. जोहाना एल्फग्रेन तथा प्रो. कारोलीना एलेगॉड शामिल थीं।

इस अवसर पर कुलपति प्रो. अजित कुमार चतुवेर्दी ने कहा कि इस अंतरराष्ट्रीय सहयोग के सुदृढ़ होने से शैक्षणिक उत्कृष्टता में वृद्धि होती है और राष्ट्रों के बीच आपसी समझ विकसित होती है।

मिट्टी के दिए पर्यावरण के अनुकूल होने के साथ-साथ भारतीय संस्कृति की परम्परा को जीवित रखते हैं : जिलाधिकारी

कानपुर। तात्या टोपे नगर की माटीकला अत्यंत प्रभावशाली है और यहां के उत्पाद आईआईटी सहित देश-विदेश तक पहुंचते हैं। हाल ही में प्रधानमंत्री के जनपद आगमन पर यहीं निर्मित एक उत्पाद भेंट किया गया था। मिट्टी के दीये पर्यावरण अनुकूल होते हैं और भारतीय संस्कृति की परम्परा को जीवित रखते हैं। हमें इन्हें अपनाकर न केवल कारीगरों का सहयोग करना है बल्कि इस विरासत को भी बचाना है। जनपद को माटीकला के एक उत्कृष्ट केंद्र के रूप में विकसित किया जाएगा। यह बातें मंगलवार को जिलाधिकारी जितेंद्र प्रताप सिंह ने कही।

दीपावली की आहट के साथ बिठूर स्थित तात्या टोपे नगर की गलियों में इस समय मिट्टी की महक बसी हुई है। जहां दीपावली के अवसर पर कुम्हार परिवार दिन-रात मेहनत कर पारंपरिक और सजावटी दीये तैयार कर रहे हैं। कहीं पारम्परिक चाक पर बुजुर्ग अपनी कला को साध रहे हैं, तो कहीं

युवाओं के हाथों में माटीकला बोर्ड द्वारा प्रदत्त इलेक्ट्रिक चाक तेजी से घूम रहे हैं। पकती हुई मिट्टी से उठती सौंधी खुशबू, कतारों में सूखते दीये, भगवान गणेश-लक्ष्मी की मूर्तियां, सिरवा-गरिया और बच्चों के लिए खास खिलौने इस पूरी बस्ती को दीपावली के उत्सव का जीवंत दृश्य बना रहे हैं। जिसे देखने और कुम्हारों से मिलने जिलाधिकारी पहुंचे। इस दौरान 65 वर्षीय रामआसरे, जो अपने पारम्परिक चाक पर दीये गढ़ रहे थे। जिलाधिकारी से कहा कि उन्होंने अपने बाप-दादा को भी यही करते देखा है।

मिट्टी का दीया ही असली दीपावली है। झालर और बल्ब चमकते तो हैं, पर उनकी उम्र कुछ ही दिनों की होती है। मिट्टी का दीया हर बार नई रोशनी और नई उम्मीद लेकर आता है।

तात्या टोपे नगर में लगभग 35 परिवार कुम्हारी कला से अपनी आजीविका चलाते हैं।

Published, printed and owned by Rajesh.Chauhan, printed at Dinesh Sharma 19, DSIDC Sheds, Scheme 3, Okhla Phase-2 New Delhi -110020 and published at BG 6 305 B Paschim Vihar New Delhi --110063 Editor Rajesh.Chauhan. E mail ID-rajeshchauhan4569@gmail.com, Contact No. - 9873104569, RNI No.- DLHIN/25/A2321